RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-13 अंक: 89 ता. 25 सितम्बर 2024, बुधवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

पहला कॉलम

वैश्विक रेटिंग एजेंसी ने भारतीय जीडीपी विकास दर अनुमान को 6.8 प्रतिशत रखा

आरबीआई कर सकता ब्याज दरों में कटौती

नई दिल्ली । वैश्विक रेटिंग एजेंसी एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स की ओर से वित्त वर्ष 2024-25 के लिए भारतीय जीडीपी विकास दर अनुमान को 6.8 प्रतिशत पर बरकरार रखा है। साथ ही कहा है कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा अक्टूबर में ब्याज दरों में कटौती हो सकती है। रेटिंग एजेंसी की ओर से एशिया-प्रशांत क्षेत्र के लिए कहा गया कि वित्त वर्ष 2025-26 में भारत की जीडीपी 6.9 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी है। भारत की मजबूत विकास दर महंगाई में प्रबंधन में आरबीआई की मदद करेगी। रिपोर्ट में बताया गया कि जुलाई के बजट में भारत सरकार की ओर से स्पष्ट हुआ हैं कि वह वित्तीय समेकन के लिए प्रतिबद्ध है। साथ ही इन्फ्रास्ट्रक्चर पर भी खर्च जारी रखा जाएगा। वित्त वर्ष 2024-25 के बजट में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की ओर से पूंजीगत खर्च के लिए 11.11 लाख करोड़ रुपये का फंड आवंटित हुआ। वहीं, वित्त वर्ष 2025-26 के लिए राजकोषीय घाटे का लक्ष्य घटाकर 4.5 प्रतिशत कर दिया गया है। रिपोर्ट में कहा गया कि महंगाई आरबीआई के टारगेट 4 प्रतिशत के नीचे आ गई है। इसके बाद आरबीआई द्वारा अक्टूबर में होने वाली एमपीसी की बैठक में ब्याज दरों को कम किया जा सकता है। हमें उम्मीद है कि चालू वित्त वर्ष में दो बार ब्याज दरों में कटौती हो सकती है। वैश्विक रेटिंग एजेंसी की ओर से 2024 के लिए चीन की विकास दर को 4.8 प्रतिशत से घटाकर 4.6 प्रतिशत कर दिया गया है।

सुप्रीम कोर्ट ने मान सरकार को फटकार......ये धोखाधड़ी बंद करे

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब की मान सरकार की उस अपील को खारिज किया है। जिसमें राज्य में स्नातक मेडिकल और डेंटल कोर्स में दाखिले के लिए एनआरआई कोटा की परिभाषा का विस्तार करने के उसके फैसले को रद्द करने के हाई कोर्ट के फैसले के खिलाफ अपील की गई थी। एनआरआई कोटे के दायरे में वृद्धि के मामले में सुनवाई कर सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट के फैसले के खिलाफ पंजाब सरकार की अपील खारिज कर कहा कि यह धोखाधड़ी बंद होनी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि एनआरआई के दूर के रिश्तेदारों को चिकित्सा महाविद्यालयों में प्रवेश के लिए कोटा का लाभ नहीं दिया जा सकता। 10 सितंबर को पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट ने मान सरकार के 20 अगस्त के कदम को खारिज कर दिया, जिसमें मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश में इस समूह के लिए 15 प्रतिशत कोटा के तहत प्रवेश के लिए एनआरआई कोटे के दायरे को बढ़ाकर एनआरआई के दूर के रिश्तेदारों जैसे चाचा, चाची, दादा-दादी और चचेरे भाई को शामिल किया था। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और मनोज मिश्रा की पीठ ने कहा कि यह कुछ और नहीं बल्कि पैसा कमाने की मशीन है।

स्टालिन का इशारा.........जल्द होगा कैबिनेट में फेरबदल

चेन्नई । तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने उपमुख्यमंत्री की नियुक्ति और संभावित कैबिनेट फेरबदल की अटकलों को लेकर बड़ा संकेत दिया है। सीएम स्टालिन ने कहा कि कोई निराशा नहीं होगी, बदलाव होगा। स्टालिन की यह टिप्पणी उनके कोलाथुर विधानसभा क्षेत्र में कई विकासात्मक परियोजनाओं का उद्घाटन और निरीक्षण करते समय आई। सीएम स्टालिन ने अमेरिका की अपनी हालिया यात्रा के दौरान सुरक्षित निवेश पर उद्योग मंत्री टीआरबी राजा द्वारा प्रदान की गई रिपोर्ट पर टिप्पणी की। सीएम स्टालिन ने उनके गृह निर्वाचन क्षेत्र कोलाथुर की यात्रा ने स्थानीय विकास पर उनके ध्यान को रेखांकित किया, स्टालिन ने टिप्पणी की, मैं सही समय पर यहां आऊंगा। उन्होंने जोर दिया कि उनकी सरकार मानसून की चुनौतियों से निपटने के लिए तैयार है। इससे पहले, युवा कल्याण और खेल विकास मंत्री उदयनिधि स्टालिन ने उपमुख्यमंत्री के रूप में उनके संभावित उत्थान की अफवाहों को खारिज कर उन्हें निराधार बताया। उन्होंने मीडिया से कहा था कि वे सीएम से पूछें क्योंकि फैसला उनके हाथ में है।

संपत्ति ब्योरा नहीं देने वाले कर्मचारियों को नहीं मिलेगा सितंबर का वेतन

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में राज्य कर्मचारियों को संपत्ति का ब्योरा नहीं देना अब भारी पड़ सकता है। दरअसल ऐसे कर्मचारियों को सितंबर महीने का वेतन नहीं मिलेगा। मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने सभी अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव और विभागाध्यक्षों को आदेश जारी करते हुए कहा है कि मानव संपदा पोर्टल पर संपत्ति की घोषणा करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों का ही वेतन जारी किया जाएगा। संपत्ति की घोषणा करने की आखिरी तारीख 30 सितंबर निर्धारित की गई है। मुख्य सचिव ने स्पष्ट किया है कि संपत्ति का विवरण न देने वाले सरकारी कर्मचारियों के लिए सरकार सख्त कदम उठा सकती है। यदि किसी कर्मचारी ने अपना संपत्ति ब्योरा नहीं दिया, तो संबंधित डीडीओ का वेतन भी रोका जा सकता है। आदेश में कहा गया है कि मानव संपदा पोर्टल पर संपत्ति का ब्योरा उपलब्ध कराने वाले कर्मचारियों को ही सितंबर महीने का वेतन मिलेगा।

साइबर फ्रॉड पर नकेल : गृह मंत्रालय के आदेश पर लाखों मोबाइल बंद

नई दिल्ली।

देश में लगातार बढ़ रहे साइबर अपराध पर नकेल कसने के लिए सरकार ने सख्त कदम उठाया है। इसके चलते लगातार अनेक बड़े कदम उठाए गए हैं और तरह-तरह के उपाय किए जा रहे हैं। ऐसे में केंद्रीय गृह मंत्रालय (एमएचए) के साइबर विंग के आदेश पर करीब 06 लाख मोबाइल फोन्स को बंद कर दिया गया है। इसके साथ ही करीब 65 हजार साइबर फ्रॉड करने वाले यूआरएल को भी ब्लॉक कर दिया गया है। यहां बताते चलें कि साइबर फ्रॉड रोकने के लिए गृह मंत्रालय का ढ्ढ4सी विंग लगातार बड़े कदम उठा रहा है। लाखों की संख्या में बंद किए गए मोबाइल फोन्स से साइबर फ्रॉड में काफी कुछ लगाम लगने की उम्मीद जताई जा रही है।

ऑनलाइन फ्रॉड के बढ़ते मामलों पर रोक लगाने केंद्र सरकार ने एक बड़ा कदम उठाया है। स्मार्टफोन और इंटरनेट के बढ़ते इस्तेमाल के कारण ऑनलाइन साइबर फ्रॉड और स्कैम के मामले भी तेजी से बढ़े हैं। प्रतिदिन हजारों फ्रॉड के मामले सामने आते हैं।

ऐसे में साइबर फ्रॉड पर रोक लगाने केंद्र सरकार ने बड़ा कदम उठाते हुए चार दिन पहले ही साइबर सस्पेक्ट रजिस्ट्री की शुरुआत की है। यहां बताते चलें कि लोगों की सेफ्टी के लिए केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने साइबर सस्पेक्ट रजिस्ट्री की शुरुआत की थी। जो कि देश भर में साइबर अपराध संदिग्धों के समेकित डेटा के साथ एक केंद्रीय-स्तरीय डेटाबेस के रूप में काम करेगी।

इसके बाद ही केंद्रीय गृह मंत्रालय के साइबर विंग के आदेश पर करीब 06 लाख मोबाइल फोन्स को बंद किया गया है। वहीं करीब 65 हजार साइबर फ्रॉड करने वाले यूआरएल को भी ब्लॉक किया गया है। इस प्रकार साइबर फ्रॉड रोकने के लिए गृह मंत्रालय की ढ्ढ4सी विंग लगातार बड़े कदम उठा रही है।

सबसे ज्यादा बारिश वाले चेरापूंजी मैं भारी गर्मी, पारा 33 के पार

शिलांग ।

भारत में ग्लोबल वार्मिंग का असर बड़ी तेजी के साथ दिखने लगा है। मेघालय के चेरापूंजी में सबसे ज्यादा बारिश होती है। इस बार यहां के मानसून सीजन मैं न्यूनतम बारिश नहीं हुई। पहली बार चेरापूंजी का पारा 33.1 डिग्री सेल्सियस है। यहां के लोगों ने पहली बार इतनी गर्मी देखी है।

मानसून के चार महीनो में 11000 मिली मीटर बारिश का रिकॉर्ड होता था। जो इस बार घटकर मात्र 9712 मिलीमीटर पर आ गया है। पिछले कई वर्षों से हर साल यहां 27 मिली मीटर बारिश घटती जा रही है। पिछले 5 वर्षों में लगभग 15 फ़ीसदी बारिश कम हो गई है। असम के गुवाहाटी में हीट वेव चलने के कारण 4 दिन स्कूल बंद किए गए थे। पूर्वोत्तर के कुछ इलाकों में तापमान 45 डिग्री तक पहुंच गया था। जो सामान्यतः 32 के आसपास रहता था।

मौसम विज्ञानी डॉक्टर प्रथमेश के अनुसार चेरापूंजी और मोवसिनराम मैं जुलाई से लेकर सितंबर के बीच में तापमान लगभग 23 डिग्री के आसपास रहता था। इस बार यह 33 डिग्री तक पहुंच गया है। जंगलों में अंधा-धुंध कटाई हो रही है। जिसका असर ग्लोबल वार्मिंग के रूप में देखा जा रहा है। यहां पर अब पेयजल का संकट भी देखने को मिलने लगा है।

पूर्वोत्तर राज्यों में ग्लोबल वार्मिंग का असर सबसे ज्यादा देखने को मिला है।

जम्मू कश्मीर में दूसरे चरण का मतदान आज, मेंढर में भारी सुरक्षा बल किया तैनात

पुंछ।

जम्मू कश्मीर में हो रहे विधानसभा चुनाव में सुरक्षा व्यवस्था का विशेष ध्यान रखा जा रहा है। कल यानी 25 सितंबर को दूसरे चरण का मतदान होना है। पुंछ जिले के मेंढर सब डिविजन में संवेदनशीलता को देखते हुए केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, जम्मू-कश्मीर पुलिस और अन्य सुरक्षाबलों की तैनाती की गई है। स्थानीय प्रशासन और चुनाव आयोग ने मतदाताओं से अपील की है कि वह बिना किसी भय के अपने मताधिकार का प्रयोग करें। चुनावों के दौरान संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने के लिए भी विशेष निगरानी की जा रही है। अधिकारियों ने बताया कि तैनात किए गए जवानों को जरूरी दिशा-निर्देश दिए गए हैं। चुनाव आयोग ने चुनाव प्रक्रिया को सुचारू और सुरक्षित सम्पन्न कराने के लिए 142 पोलिंग बूथों पर सुरक्षाबलों को तैनात करने का निर्णय लिया है। सुरक्षा बलों की तैनाती का मुख्य उद्देश्य चुनाव के दौरान किसी भी प्रकार की अशांति को रोकना और वोटरों को सुरक्षित माहौल देना है। दूसरे चरण के चुनाव को देखते हुए तमाम राजनीतिक दलों के नेताओं ने वोटरों को साधने के लिए तरह-तरह के वादे किए हैं। कुछ नेताओं ने विशेष रूप से आर्टिकल 370 की वापसी की बात कही है, जो पिछले कुछ

वर्षों से चर्चा का विषय बना हुआ है। उनका कहना है कि अगर उनकी पार्टी सत्ता में आती है, तो वह आर्टिकल 370 को वापस लागू करने का प्रयास करेंगे। इसके अलावा, विकास, रोजगार और सामाजिक कल्याण से जुड़े वादे भी किए गए हैं।बता दें कि जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के चुनाव के लिए सोमवार को चुनाव-प्रचार थम गया है। दूसरे चरण में 26 सीटों पर वोट डाले जाएंगे। कश्मीर के तीन जिलों की 15 सीट और जम्मू के तीन जिलों की 11 सीट पर वोट डाले जाएंगे। दूसरे चरण के मतदान में 239 उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला होना है।

जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव में पीएम मोदी और राहुल गांधी की रैलियां

अंतिम चरण के लिए दोनों नेता लगाएंगे जोर

श्रीनगर (ईएमएस)। जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और कांग्रेस नेता राहुल गांधी एक अक्टूबर को होने वाले आखिरी चरण के प्रचार अभियान के तहत क्रमश- 28 तथा 25 सितंबर को जम्मू में सार्वजनिक रैलियों को संबोधित करने वाले है।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी 28 सितंबर को मौलाना आजाद स्टेडियम में चुनावी रैली को संबोधित करने वाले है। रैली का उद्देश्य जम्मू के सांबा और कठुआ जिलों के करीब सभी 20 भाजपा उम्मीदवारों के लिए वोट मांगना है, जहां एक अक्टूबर को मतदान होगा। यह जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनावों में प्रधानमंत्री की चौथी चुनावी रैली होगी। इससे पहले, श्री मोदी ने डोडा, श्रीनगर और कटरा में रैलियों को संबोधित किया है।

इस बीच विपक्ष के नेता राहुल गांधी भी 25 सितंबर को जम्मू का दौरा कर रहे हैं। पार्टी की ओर से बताया गया है, राहुल गांधी पूर्वाह्न करीब 11 बजे पहुंचकर होटल रेडिसन ब्लू में पेशेवरों को संबोधित करने वाले है। इसके बाद वह जम्मू-कश्मीर रिसॉर्ट्स ग्राउंड में जनसभा को संबोधित कर और फिर श्रीनगर के लिए रवाना हो जाएंगे। वह सोपोर भी जाएंगे और डगेरपोरा सोपोर में एक सार्वजनिक बैठक को संबोधित करने वाले है। श्री गांधी उसी दिन शाम को दिल्ली वापस लौट जाएंगे। गौरतलब है कि विधानसभा चुनाव के परिणाम आठ अक्टूबर को घोषित किये जाएंगे।

जयपुर में रक्षा मंत्री की सुरक्षा में चूक......जब पास पहुंच गया 10वीं का छात्र

जयपुर ।

राजस्थान की राजधानी जयपुर में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की सुरक्षा में बड़ी चूक हुई है। दरअसल, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सीकर रोड स्थित भवानी निकेतन स्कूल के कैंपस में पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मोड पर सैनिक स्कूल का उद्घाटन करने आए थे। तभी रक्षा मंत्री की सुरक्षा में चूक हो गई।

बता दें कि रक्षा मंत्री सिंह भवानी निकेतन स्कूल के कैंपस में पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मोड पर सैनिक स्कूल का उद्घाटन करने के बाद एयरपोर्ट के लिए रवाना हो रहे थे। तभी अचानक ही एक बालक सुरक्षा घेरा तोड़कर राजनाथ सिंह के पास पहुंच गया। हालांकि तभी सुरक्षाकर्मियों की सतर्कता काम आई और सुरक्षाकर्मियों ने छात्र को उठाकर बाहर किया। लेकिन सिंह ने सादगी दिखाते हुए छात्र को अपने पास बुलाया और छात्र की पूरी बात सुनी। इस दौरान छात्र हर्ष भारद्वाज ने कहा कि 10वीं क्लास में पढ़ता है और जयपुर में अकेला रहता है। उसकी मम्मी झालावाड़ में सरकारी टीचर हैं। उनका ट्रांसफर यहां नहीं हो रहा है। हालांकि रक्षा मंत्री सिंह ने छात्र हर्ष से उसकी मम्मी के ट्रांसफर को लेकर उसके हाथों में मौजूद आवेदन तक नहीं लिया।

जयपुर में हुई चूक से पहले आगरा में भी 5 फरवरी को रक्षा मंत्री सिंह की सुरक्षा को लेकर हुई चूक का मामला सामने आया था। बता दें कि उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के मद्देनजर सिंह पांच फरवरी को आगरा गए थे। दरअसल पांच फरवरी को रक्षा मंत्री सिंह ने खेरागढ़ और आगरा ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र में मतदाता संवाद कार्यक्रम किया था। इस दौरान रक्षा मंत्री द्वारा पेय एवं खाद्य पदार्थों की सैंपलिंग के लिए एफएसडीए की टीम लगाई गई थी, जो कि निर्धारित समय पर यहां नहीं पहुंची थी। इस बीच रक्षा मंत्री ने खाने के लिए कहा जिस पर बिना सैंपल लिए ही खाना परोस दिया गया।

वोट के लिए आरक्षण की मांग....राहुल गांधी विदेश जाकर खत्म करने की बात करते : मायावती

लखनऊ।

बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की सुप्रीमो और पूर्व सीएम मायावती ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर जोरदार हमला बोला है। मायावती ने कहा कि कांग्रेस और राहुल गांधी की एससी-एसटी और ओबीसी आरक्षण नीति स्पष्ट नहीं है, बल्कि यह छल-कपट से भरी है। मायावती ने पोस्ट में कहा, कांग्रेस और राहुल गांधी की एससी/एसटी/ओबीसी आरक्षण नीति स्पष्ट नहीं है, बल्कि छल-कपट की है। अपने देश में वोट के लिए ये आरक्षण का समर्थन करते हैं, वहीं विदेश में जाकर आरक्षण को खत्म करने की बात करते हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र में कांग्रेस सरकार ने ओबीसी आरक्षण संबंधी मंडल कमीशन रिपोर्ट लागू नहीं की थी।

इसके अलावा, बीएसपी के संघर्ष से एससी/एसटी के पदोन्नति में आरक्षण को प्रभावी बनाने के लिए संसद में लाए गए संविधान संशोधन बिल को कांग्रेस ने पास नहीं होने दिया, जो अब तक लंबित है। मायावती ने कहा कि कांग्रेस ने इस मामले में सही तरीके से कोर्ट में पैरवी भी नहीं की। मायावती ने जातीय जनगणना पर सवाल उठाकर कहा कि जब कांग्रेस सत्ता में थी तब उन्होंने जनगणना नहीं होने दी और अब सत्ता से बाहर होने पर आवाज उठा रहे हैं, यह सब ढोंग नहीं और क्या है?

पिछले दिन, मायावती ने कहा था कि राजनीतिक घटनाक्रम यह साबित करते हैं कि कांग्रेस और अन्य जातिवादी पार्टियां अपने बुरे दिनों में दलितों को महत्वपूर्ण पदों पर रखने की याद करती हैं, लेकिन अच्छे दिनों में उन्हें दरकिनार कर देती हैं, जैसा कि हाल ही में हरियाणा में देखा गया है।

रूस-यूक्रेन युद्ध को रोकने के लिए भारत हुआ सक्रिय

एक के बाद एक मुलाकातों का दौर शुरु

नई दिल्ली।

भारत हमेशा ही शांति और अहिंसा का पक्षधर रहा है। और दुनिया में भी शांति रहे इसके लिए निरंतर प्रयासरत रहा है। अब रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध जल्द खत्म हो इसके लिए पीएम नरेंद्र मोदी भी कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। हाल ही में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल की मॉस्को यात्रा पर राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात के बाद अब पीएम नरेंद्र मोदी न्यूयॉर्क में यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की से मिले। दोनों देशों के टॉप लीडर्स के बीच युद्ध को खत्म करने की कोशिशों को लेकर बातचीत हुई। इन मेल मुलाकातों के बाद शांति के आसार बनते दिखाई दे रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने तीन दिन के अमेरिकी दौरे के अंतिम दिन सोमवार को न्यूयॉर्क में यूक्रेन के राष्ट्रपति से मिले। ऐसे में इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि जल्द ही युद्ध थमने की खुशखबरी दुनिया को मिले।

पिछले महीने यूक्रेन का दौरा करने के बाद यह दूसरा मौका है जब भारतीय पीएम और यूक्रेन के राष्ट्रपति के बीच यह मुलाकात हुई। पिछले चार महीनों में दोनों नेता तीसरी बार मिल रहे हैं। यूं तो संयुक्त राष्ट्र अधिवेशन के लिए न्यूयॉर्क पहुंचे पीएम नरेंद्र मोदी की जेलेंस्की से हुई यह मुलाकात पहले से तय नहीं थी लेकिन यूक्रेन के राष्ट्रपति की तरफ से की गई रिक्वेस्ट को पीएम मोदी मना नहीं कर सके।

रूस-यूक्रेन जंग के बीच पुतिन और जेलेंस्की दोनों ही भारत को एक अहम साझेदार के रूप में देखते हैं। पश्चिमी देशों का भी यह मानना है कि मोदी ही ऐसे व्यक्ति हैं जो पुतिन को जंग रोकने के लिए मना सकते हैं।भारतीय विदेश मंत्रालय की तरफ से बताया गया कि यूक्रेनी पक्ष द्वारा किए गए अनुरोध के बाद बैठक आयोजित की गई थी।

प्रधानमंत्री मोदी ने बैठक के बाद सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, न्यूयॉर्क में राष्ट्रपति से मुलाकात की। हम द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के लिए पिछले

महीने यूक्रेन की मेरी यात्रा के परिणामों को लागू करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम यूक्रेन में संघर्ष के शीघ्र समाधान और शांति और स्थिरता की बहाली के लिए भारत के समर्थन को दोहराते हैं।

सभी ढाबों और रेस्टोरेंट में संचालक, प्रोपराइटर, मैनेजर का नाम और पता डिस्प्ले हो

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का फरमान

लखनऊ ।

देश के सबसे बड़े सूबे उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने खान-पान की वस्तुओं में मानव अपशिष्ट/गंदी चीजों की मिलावट करने वालों के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। एक उच्च स्तरीय बैठक में मुख्यमंत्री ने प्रदेश के सभी होटलों/ढाबों/रेस्टोरेंट आदि संबंधित प्रतिष्ठानों की गहन जांच, सत्यापन आदि के भी निर्देश दिए हैं साथ ही आम जन की स्वास्थ्य सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए नियमों में आवश्यकतानुसार संशोधन के भी निर्देश दिए। हाल के दिनों में देश के विभिन्न क्षेत्रों में जूस, दाल और रोटी जैसी खान-पान की वस्तुओं में मानव अपशिष्ट/अखाद्य/गंदी चीजों की मिलावट की घटनाएं देखने को मिली हैं। ऐसी घटनाएं वीभत्स हैं और लोगों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली हैं। उत्तर प्रदेश में ऐसी घटनाएं न हों, इसके लिए ठोस प्रबंध किए जाने आवश्यक हैं।

इसके लिए प्रदेश के सभी ढाबों/रेस्टोरेंट आदि खान-पान के प्रतिष्ठानों की जांच की जानी आवश्यक है। प्रदेशव्यापी सघन अभियान चलाकर इन प्रतिष्ठानों के संचालक सहित वहां कार्यरत सभी कर्मचारियों का सत्यापन कराए। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, पुलिस व स्थानीय प्रशासन संयुक्त टीम द्वारा यह कार्यवाही शीघ्रता से सम्पन्न करें। इसके साथ ही खान-पान के प्रतिष्ठानों पर संचालक, प्रोपराइटर, मैनेजर आदि के नाम और पता प्रमुखता से डिस्प्ले होना चाहिए। इस संबंध में खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम में आवश्यकतानुसार संशोधन भी किया जाए। ढाबे/होटलों/रेस्टोरेंट आदि खान-पान के प्रतिष्ठानों में सीसीटीवी की व्यवस्था हो। न केवल ग्राहकों के बैठने के स्थान पर बल्कि प्रतिष्ठान के अन्य हिस्सों को भी सीसीटीवी से कवर होना चाहिए। यह सुनिश्चित करें कि हर प्रतिष्ठान संचालक सीसीटीवी की फीड को सुरक्षित रखेगा और आवश्यकता पर पुलिस/स्थानीय प्रशासन को उपलब्ध कराएगा। वहीं खान पान के केंद्रों पर साफ-सफाई होनी चाहिए। यह सुनिश्चित किया जाए कि खाद्य पदार्थों को तैयार करने तथा सर्विस के समय संबंधित व्यक्ति मास्क/ग्लव्स का उपयोग जरूर करें, इसमें किसी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए आम जन के स्वास्थ्य हितों से किसी भी प्रकार का खिलवाड़ नहीं किया जा सकता। ऐसा प्रयास करने वालों के विरुद्ध कठोरतम कार्रवाई की जाए। खाद्य पदार्थों को बनाने, बेचने अथवा अन्य संबंधित गतिविधियों से जुड़े नियमों को व्यवहारिकता का ध्यान रखते हुए और सख्त किया जाए। नियमों की अवहेलना पर तत्काल कार्रवाई होनी चाहिए।

उत्तराखंड में भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों में लगेगा सेंसर

देहरादून ।

भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों में उपचार के बाद अब उनकी निरंतर निगरानी होगी। इसके लिए उपचारित क्षेत्र में सेंसर लगाए जाएंगे, जिससे वहां भूमि में होने वाली हलचल की जानकारी पहले से मिलेगी। नैनीताल की नैना पीक से यह शुरुआत हो रही है। इसके लिए उत्तराखंड भूस्खलन न्यूनीकरण एवं प्रबंधन केंद्र ने तैयारी शुरु कर दी है।

हर वर्षाकाल में अतिवृष्टि के चलते भूस्खलन से बड़े पैमाने पर जान-माल की क्षति होती है। यद्यपि, संवेदनशील भूस्खलन क्षेत्रों का उपचार भी हो रहा है, लेकिन कुछ समय ठीक रहने के बाद ये फिर सक्रिय होते हैं। यह देखकर सरकार अब भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों के उपचार के बाद उनकी निरंतरता में निगरानी पर विशेष जोर दे रही है। इसमें आधुनिक तकनीकी का समावेश होगा।

उत्तराखंड भूस्खलन न्यूनीकरण एवं प्रबंधन केंद्र के निदेशक डॉ. शांतनु सरकार ने बताया कि जहां भी भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों में दीर्घकालिक उपचारात्मक कार्य होगा, उन पर बराबर नजर रखी जाएगी। जो भी एजेंसी चाहे वह लोनिवि हो, सिंचाई विभाग या फिर अन्य विभाग, उनके लिए भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों में उपचार के बाद सेंसर लगाना अनिवार्य किया जा रहा है। डॉ.सरकार ने बताया कि नैना पीक के भूस्खलन प्रभावित क्षेत्र में उपचारात्मक कार्य पूर्ण होने पर वहां से सेंसर लगाने की शुरुआत की जाएगी। इसके बाद अन्य क्षेत्रों में भी इसी तरह के सेंसर लगाए जाएंगे।

राज्य में इसी वर्ष 500 से अधिक स्थानों पर भूस्खलन की घटनाएं हुई। इसमें कुछेक पुराने क्षेत्र भी हैं, जहां पहले भूस्खलन हो चुका है। फिर चाहे वह सोनप्रयाग से लेकर गौरीकुंड तक का क्षेत्र हो या फिर पातालगंगा अथवा अन्य क्षेत्र, इन सबने भी चुनौती बढ़ा दी है। यद्यपि, अब इनके दीर्घकालिक उपचार के दृष्टिगत शीघ्र ही कदम उठाए जाएंगे।

8 साल में अवैध शराब पीने से 150 से अधिक लोगों की मौत

पटना ।

बिहार में अप्रैल 2016 में शराब बंद होने के बाद से राज्य में अवैध शराब पीने से 150 से अधिक लोगों की मौत हो हुई है। बिहार के मद्य निषेध एवं उत्पाद शुल्क विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने इसकी जानकारी दी। अधिकारी ने कहा कि हालांकि, पिछले आठ वर्षों में राज्य के विभिन्न हिस्सों से संदिग्ध जहरीली शराब से होने वाली मौतों की संख्या 266 है। दरअसल अप्रैल 2016 में नीतीश सरकार ने बिहार में शराब की बिक्री और खपत पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया था।

156 मौतों की पुष्टि

विभाग के सचिव विनोद सिंह गुंजियाल ने बताया कि राज्य में 2016 के बाद से विभिन्न जिलों में जहरीली शराब पीने से कुल 156 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। पिछले आठ वर्षों में राज्य में जहरीली शराब पीने से रिपोर्ट की गईं संदिग्ध मौतों की संख्या 266 है, जिसमें से 156 की पुष्टि की गई है।

अगस्त 2024 तक कुल 12.7 लाख लोग गिरफ्तार

उन्होंने कहा कि जिन जिलों में जहरीली शराब से सबसे अधिक मौतें हुई हैं, उसमें सारण, गया, भोजपुर, बक्सर और गोपालगंज शामिल हैं। अगस्त 2024 तक विभाग द्वारा निषेध कानूनों के उल्लंघन से संबंधित कुल 8.43 लाख मामले दर्ज किए गए हैं, जिसमें राज्य के बाहर के 234 सहित कुल 12.7 लाख लोगों को अब तक गिरफ्तार किया है। उन्होंने कहा, संबंधित अधिकारियों ने अब तक 3.46 करोड़ बल्क लीटर शराब जब्त की है, जिसमें देशी शराब भी शामिल है। अगस्त 2024 तक, विभाग ने जब्त शराब का 98 प्रतिशत, लगभग 3.38 करोड़ बल्क लीटर, नष्ट कर दिया है।

कांग्रेस ने एसआईआईएल मामले में एसबीआई की भूमिका पर सवाल उठाया

नई दिल्ली । कांग्रेस ने सुप्रीम इंफ्रास्ट्रक्चर इंडिया लिमिटेड (एसआईआईएल) नामक कंपनी में बकाया ऋण को इक्विटी में बदलने के भारतीय स्टेट बैंक के कथित फैसले पर कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक को मामले में कदम उठाकर निर्णय की प्रक्रिया की जांच करना चाहिए है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने खबर का हवाला देकर टिप्पणी की। उन्होंने पोस्ट किया, एक असाधारण कदम उठाते हुए, एसबीआई ने दिवालिया घोषित होने वाली कंपनी सुप्रीम इंफ्रास्ट्रक्चर इंडिया लिमिटेड (एसआईआईएल) में अपने बकाया ऋण को इक्विटी में बदलने का फैसला किया है। स्टेट बैंक सहित अन्य ऋणदाताओं ने ऋण पर 93.45 प्रतिशत का हेयरकट लिया है। कांग्रेस नेता ने कहा कि यह व्यवस्था भारत के कॉर्पोरेट ऋण परिदृश्य में एक खतरनाक मिसाल कायम करने वाली है।

कांग्रेस नेता ने दावा किया, यह कदम चूक (डिफॉल्ट) करने वाली अन्य कंपनियों को इसतरह के सौदे की तलाश के लिए प्रोत्साहित करेगा, जहां कंपनियां चूक के बाद भी नियंत्रण और वैल्यू बनाए रख सकते हैं। रमेश ने कहा कि यह भारत के दिवालियापन समाधान ढांचे की प्रभावशीलता और संकटग्रस्त संपत्तियों के प्रबंधन में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की भूमिका पर सवाल उठाता है। उन्होंने कहा, ऐसा लगता है कि स्टेट बैंक सार्वजनिक धन की वसूली की जगह चूक करने वाले ऋणदाता के हितों से खुद को जोड़ रहा है। उन्होंने कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक को इस मामले में कदम उठाने और स्टेट बैंक के निर्णय लेने की प्रक्रिया की जांच करने की जरूरत है।

सिद्धारमैया की याचिका खारिज, क्या राहुल भ्रष्टाचार की दुकान पर लेंगे एक्शन?

-भाजपा ने आरोप लगाकर कांग्रेस से पूछा

बेंगलुरु ।

कर्नाटक उच्च न्यायालय ने कथित मुडा घोटाले में अभियोजन के लिए राज्यपाल की मंजूरी को चुनौती देने वाली सीएम सिद्धारमैया की याचिका खारिज हो गई है। इसके बाद से राज्य में सियासत तेज है। भाजपा ने इस लेकर सत्ताधारी कांग्रेस पर निशाना साधा है। बीजेपी प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि कांग्रेस पार्टी को हमें बताना चाहिए कि कर्नाटक उच्च न्यायालय के फैसले के बाद क्या मुख्यमंत्री सिद्धारमैया का पद पर बने रहना उचित है? सिद्धारमैया को पद छोड़ना होगा। उन्होंने वह जमीन लूट ली जो एससी/एसटी समुदाय के लोगों के लिए थी। बीजेपी प्रवक्ता पूनावाला ने कहा कि मुडा घोटाले में 5000 करोड़ रुपये का भ्रष्टाचार किया है। सिद्धारमैया के परिवार और दोस्तों को फायदा हुआ। कांग्रेस पार्टी को एससी/एसटी समुदाय के लोगों की कोई परवाह नहीं है। क्या राहुल गांधी भ्रष्टाचार की दुकान पर लेंगे एक्शन? बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र ने कहा कि पहले भी स्पष्ट कहा था कि मुडा घोटाले में सीधे तौर पर सीएम शामिल थे। भाजपा ने भ्रष्ट मुख्यमंत्री के इस्तीफे की मांग करते हुए बेंगलुरु से मैसूरु तक पदयात्रा निकाली। उन्होंने कहा कि मामला राज्यपाल के कार्यालय तक पहुंचा और राज्यपाल ने कागजात देखने और विशेषज्ञों से चर्चा करने के बाद मुकदमा चलाने की अनुमति दी। सीएम और उनके कैबिनेट सहयोगियों ने राज्यपाल कार्यालय के खिलाफ कई आरोप लगाए। विजयेंद्र ने कहा कि इस फैसले से साफ है कि सीएम और उनका परिवार घोटाले में शामिल है। हम पिछले दो माह से मुडा घोटाले में सीएम के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। मुझे उम्मीद है कि सीएम सिद्धारमैया हाई कोर्ट के फैसले का सम्मान कर इस्तीफा दें।

इंदिरा ने कुछ वर्गों को खुश करने संविधान में धर्मनिरपेक्षता का प्रावधान किया : राज्यपाल रवि

कन्याकुमारी ।

तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि ने एक बहुत ही महत्वपूर्ण मुद्दा उठाकर कहा है कि धर्मनिरपेक्षता एक यूरोपीय अवधारणा है, जोकि चर्च और राजा के बीच संघर्ष के बाद विकसित हुई।

उन्होंने कहा है कि भारत एक धर्म-केंद्रित राष्ट्र है और इसलिए यह संविधान का हिस्सा नहीं था, बल्कि बाद में आपातकाल के दौरान एक असुरक्षित प्रधानमंत्री द्वारा जोड़ा गया था। उन्होंने कन्याकुमारी जिले में कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि देश के लोगों के साथ बहुत धोखाधड़ी की गई है और उनमें से एक धर्मनिरपेक्षता की गलत व्याख्या है। उन्होंने कहा, ''धर्मनिरपेक्षता से क्या आशय है। धर्मनिरपेक्षता एक यूरोपीय अवधारणा है। धर्मनिरपेक्षता भारतीय अवधारणा नहीं है।''

राज्यपाल रवि ने आरोप लगाया कि दशकों बाद आपातकाल (1975-77) के दौरान, एक असुरक्षित प्रधानमंत्री ने लोगों के कुछ वर्गों को खुश करने के लिए संविधान में धर्मनिरपेक्षता का प्रावधान किया।

आपातकाल के दौरान इंदिरा गांधी प्रधानमंत्री थीं। संविधान सभा की चर्चा का हवाला देकर उन्होंने कहा कि वहां इस बात पर विचार-विमर्श किया गया था कि भारत धर्म का देश है। उन्होंने कहा, धर्म से टकराव कैसे हो सकता है? भारत धर्म से दूर कैसे हो सकता है? ऐसा हो ही नहीं सकता!

बता दें कि सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता और भारत के पीआईएल मैन के रुप में मशहूर अश्विनी उपाध्याय ने आपातकाल के दौरान संविधान में सोशलिस्ट सेक्युलर जोड़ने को अदालत में चुनौती दी है। उनका कहना है कि यदि 1975 में इमर्जेंसी लगाना सही था ,तब संविधान में सोशलिस्ट सेक्युलर जोड़ना सही है। उन्होंने कहा कि यदि 1975 में इमर्जेंसी लगाना गलत था, तब संविधान में सोशलिस्ट सेक्युलर जोड़ना गलत है।

संक्षिप्त समाचार

सेक्स एजुकेशन भारत के लिए बेहद जरूरी : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सेक्स एजुकेशन को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने अपने एक फैसले में कहा है कि सेक्स एजुकेशन को वेस्टर्न कॉन्सेप्ट मानना गलत है, इस शिक्षा की भारत में ज्यादा जरुरत है और इससे युवा पीढ़ी में अनैतिकता भी नहीं बढ़ती है। दरअसल सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचुड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा ने चाइल्ड पोनोग्राफी मामले में मद्रास हाईकोर्ट के फैसले को पलटते हुए जो टिप्पणी की वह सेक्स एजुकेशन मामले में भी बहुत अहम मानी जा रही है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि बहुत सारे लोग सेक्स एजुकेशन को भारतीय मूल्यों के विपरीत मानते है। इस कारण अनेक राज्यों में यौन शिक्षा पर पाबंदी लगाई गई है। इस विरोध के चलते ही युवाओं को सटीक जानकारी नहीं मिल पाती है। ऐसे में युवा इंटरनेट का सहारा लेते हैं, जहां उन्हें अक्सर ही भ्रामक जानकारी मिलती है।

8 साल में अवैध शराब पीने से 150 से अधिक लोगों की मौत

पटना । बिहार में अप्रैल 2016 में शराब बंद होने के बाद से राज्य में अवैध शराब पीने से 150 से अधिक लोगों की मौत हो हुई है। बिहार के मद्य निषेध एवं उत्पाद शुल्क विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने इसकी जानकारी दी। अधिकारी ने कहा कि हालांकि, पिछले आठ वर्षों में राज्य के विभिन्न हिस्सों से संदिग्ध जहरीली शराब से होने वाली मौतों की संख्या 266 है। दरअसल अप्रैल 2016 में नीतीश सरकार ने बिहार में शराब की बिक्री और खपत पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया था।

156 मौतों की पुष्टि

विभाग के सचिव विनोद सिंह गुंजियाल ने बताया कि राज्य में 2016 के बाद से विभिन्न जिलों में जहरीली शराब पीने से कुल 156 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। पिछले आठ वर्षों में राज्य में जहरीली शराब पीने से रिपोर्ट की गईं संदिग्ध मौतों की संख्या 266 है, जिसमें से 156 की पुष्टि की गई है।

अगस्त 2024 तक कुल 12.7 लाख लोग गिरफ्तार

उन्होंने कहा कि जिन जिलों में जहरीली शराब से सबसे अधिक मौतें हुई हैं, उसमें सारण, गया, भोजपुर, बक्सर और गोपालगंज शामिल हैं। अगस्त 2024 तक विभाग द्वारा निषेध कानूनों के उल्लंघन से संबंधित कुल 8.43 लाख मामले दर्ज किए गए हैं, जिसमें राज्य के बाहर के 234 सहित कुल 12.7 लाख लोगों को अब तक गिरफ्तार किया है। उन्होंने कहा, संबंधित अधिकारियों ने अब तक 3.46 करोड़ बल्क लीटर शराब जब्त की है, जिसमें देशी शराब भी शामिल है। अगस्त 2024 तक, विभाग ने जब्त शराब का 98 प्रतिशत, लगभग 3.38 करोड़ बल्क लीटर, नष्ट कर दिया है।

जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव- बडगाम सीट पर उमर अब्दुल्ला और आगा मुंतजिर के बीच टक्कर

जम्मू। जम्मू-कश्मीर में तीन चरणों में होने वाले विधानसभा चुनावों के दूसरे चरण का मतदान कल बुधवार 25 सितंबर को होने जा रहा है। इस चरण में बडगाम विधानसभा सीट पर चुनावी मुकाबला विशेष रूप से दिलचस्प हो गया है। इस सीट पर जम्मू कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस के उमर अब्दुल्ला और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी के आगा सैयद मुंतजिर मेहदी आमने-सामने हैं। यहां बताते चलें कि बडगाम विधानसभा सीट 1962 में अस्तित्व में आई थी और तब से जेकेएनसी का यहां दबदबा रहा है। पिछले 10 वर्षों में इस सीट पर जेकेएनसी को सिर्फ एक बार हार का सामना करना पड़ा है, जब 1972 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के मोहम्मद मीर ने जीत हासिल की थी। इस कारण अब उमर अब्दुल्ला के लिए यह सीट काफी महत्वपूर्ण हो गई है। उमर अब्दुल्ला ने बडगाम के साथ-साथ गंदेरबल से भी चुनावी मैदान में प्रवेश किया है। वह अपनी पार्टी का दबदबा बरकरार रखने के लिए पूरी कोशिश कर रहे हैं, लेकिन क्षेत्र में विकास कार्यों की कमी के चलते स्थानीय लोग नाराज हैं, जो उनकी राह में बाधा बन सकता है। वहीं उम्मीदवार आगा सैयद मुंतजिर मेहदी की स्थिति भी मजबूत है। मुंतजिर की बडगाम के शिया इलाकों में अच्छी पकड़ है, जिस कारण वो नतीजों में अब्दुल्ला को चौंका भी सकते हैं। 25 सितंबर को होने जा रहे मतदान में इन दोनों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिल सकती है।

भारत में विमानन सुरक्षा में सुधार की आवश्यकता: नायडू

नई दिल्ली।

विमानन मंत्री के राम मोहन नायडू ने नागरिक विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) द्वारा किए गए ऑडिट के परिणामों का उल्लेख करते हुए कहा कि वर्तमान सुरक्षा जोखिमों में मानवीय कारक भी महत्वपूर्ण योगदान कर रहे हैं। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में आयोजित विमानन दुर्घटनाओं में मानवीय कारकों पर पहली राष्ट्रीय सुरक्षा संगोष्ठी में सोमवार को बोलते हुए नायडू ने कहा कि हवाई दुर्घटनाओं में मानवीय भूलों से संबंधित घटनाओं में 10 फीसदी की वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा, वैश्विक स्तर पर 80त विमानन दुर्घटनाएं मानवीय भूलों के कारण होती हैं, हालाँकि, दुर्घटनाओं की कुल संख्या में कमी आई है। मंत्री ने उल्लेख किया कि विमान दुर्घटना ब्यूरो (एएआईबी) द्वारा जांच की गई 91 दुर्घटनाओं में से कई का कारण मानक संचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) का पालन न करना रहा है। नायडू ने सभी हितधारकों से अपील की है कि वे अपने कार्यबल के कौशल, पुनः कौशल और अपस्किलिंग पर ध्यान दें। उन्होंने कहा, सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता पर बनी रहनी चाहिए, और एक अच्छी तरह से तैयार कार्यबल उस प्रतिबद्धता की रीढ़ है जिसे हम सुनिश्चित करना चाहते हैं। मंत्री ने विमानन पेशेवरों, विशेषकर पायलटों और हवाई यातायात नियंत्रकों के प्रशिक्षण कार्यक्रमों में उन्नत मनोवैज्ञानिक अनुसंधान को शामिल करने की आवश्यकता को रेखांकित किया। उन्होंने सुझाव दिया कि पायलटों के व्यवहार और प्रदर्शन को अनुकूलित करने के लिए मनोवैज्ञानिक अनुसंधान के साथ कृत्रिम बुद्धिमत्ता, मशीन लर्निंग और डेटा एनालिटिक्स जैसी उन्नत प्रौद्योगिकियों का उपयोग किया जाए। नायडू ने उद्योग जगत को मजबूत तनाव प्रबंधन कार्यक्रम विकसित करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा, यह सिर्फ ऑपरेटरों की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि सामूहिक प्रयास की आवश्यकता है। इस पर व्यापक चर्चा होनी चाहिए ताकि विमानन उद्योग में काम करने वाले सभी लोगों के लिए तनाव मुक्त वातावरण सुनिश्चित हो सके और इससे सुरक्षा पर अधिक ध्यान दिया जा सके।

शाह के बयान से बांग्लादेश को लगी मिर्ची....देने लगा ज्ञान

नई दिल्ली । बांग्लादेश में हिंदुओं पर लगातार हमले लगातार जारी हैं। मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व में बनी नई अंतरिम सरकार इन हमलों को रोकने में नाकाम दिख रही है। मगर, यूनुस सरकार भारत को घुड़की देने से पीछे नहीं हट रही। दरअसल बोकारो में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा था कि यहां (झारखंड) घुसपैठियों के लिए कोई जगह नहीं है। हमारी सरकार बनने दीजिए, सभी घुसपैठियों को वापस खदेड़ा जाएगा। इस बयान पर बांग्लादेश भड़क उठा है। बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने ढाका में भारतीय उप उच्चायुक्त को एक विरोध पत्र सौंपा। पत्र में कहा गया कि भारतीय नेताओं को बांग्लादेशियों के बारे में आपत्तिजनक और अस्वीकार्य टिप्पणी करने से बचना चाहिए। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के विदेश मंत्रालय ने भारतीय उप उच्चायुक्त को पत्र सौंपा था। बांग्लादेश विदेश मंत्रालय ने कहा कि पड़ोसी देश के नागरिकों के खिलाफ जिम्मेदार पदों से आने वाली ऐसी टिप्पणियां दो मित्र देशों के बीच आपसी सम्मान और समझ की भावना को कमजोर करती हैं। वहीं, भारत की ओर अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। केंद्रीय मंत्री शाह चुनाव प्रचार के लिए झारखंड दौरे पर थे। उन्होंने वोट बैंक की राजनीति के लिए झामुमो के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार पर अवैध घुसपैठ को बढ़ावा देने का आरोप लगाया था। केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा था, राज्य में घुसपैठियों के लिए कोई जगह नहीं है। वे हमारी बेटियों से शादी कर रहे हैं, जमीन हड़प रहे हैं और समृद्ध आदिवासी संस्कृति और विरासत को नष्ट कर रहे हैंज हम उनमें से हर एक को बाहर निकाल देने वाले हैं ज यहां कमल खिलने दें। केंद्रीय मंत्री शाह ने दावा किया कि घुसपैठ के कारण संथाल परगना संभाग में आदिवासी जनसंख्या 44 प्रतिशत से घटकर 28 प्रतिशत हो गई है।

मालदीव अब नहीं करेगा भारत के साथ हुए समझौते की जांच

माले। मालदीव की सरकार अब भारत के साथ हुए समझौतों की जांच नहीं कराएगी। राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने संसद को भारत के साथ हुए समझौतों की जांच करने से रोकने का आदेश दिया है। मुइज्जू ने यह कदम भारत-मालदीव संबंधों में सुधार के बीच उठाया गया है। चुनाव प्रचार के दौरान मुइज्जू ने पिछली सरकार के समय किए गए समझौतों की समीक्षा करने का वादा किया था, लेकिन अब उन्होंने संसद को इस जांच से रोक दिया है। हाल ही में, भारत ने मालदीव को दिए गए कर्ज की चुकाने की समयसीमा बढ़ा दी है और आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति भी बढ़ाई है। रिपोर्ट के अनुसार, मुइज्जू की पार्टी के सांसद अहमद अजान ने 9 जून को संसद की सुरक्षा समिति (241 समिति) के समक्ष भारत के साथ हुए समझौतों की जांच के लिए प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया था। इस पर मुइज्जू की सरकार ने 10 जून को एक उप-समिति का गठन किया, जिसका काम भारत और मालदीव के बीच हाइड्रोग्राफी समझौते और उथुरु थिला फालहू समझौते की जांच करना था। सांसद अजान ने बताया कि मालदीव के लोगों ने मुइज्जू को वोट दिया था ताकि देश की स्वतंत्रता और संप्रभुता की रक्षा की जा सके। उन्होंने कहा कि समिति को संविधान द्वारा दी गई शक्तियों का इस्तेमाल करना चाहिए। हालांकि, संसद ने इस मुद्दे पर चर्चा करने में असमर्थता जताई है। सूत्रों के अनुसार, यह मामला तीन महीने से समिति स्तर पर लंबित है, और कुछ सांसदों का आरोप है कि मुइज्जू के आदेश पर इस मुद्दे को लटकाया गया है। एक सांसद ने बताया कि राष्ट्रपति नाराज हुए थे जब बिना चर्चा के यह मुद्दा उठाया गया। मुइज्जू ने अभी तक भारत से संबंधित किसी भी वादे को पूरा नहीं किया है। भारतीय हेलीकॉप्टर और डोर्नियर विमान वापस नहीं किए गए हैं, और भारतीय सैनिकों को हटाने के लिए चर्चा जारी है, लेकिन उनकी जगह हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स कंपनी के सदस्यों को रखा गया है।

श्रीलंका के नये राष्ट्रपति बन रहे मार्क्सवादी नेता अनुरा कुमारा दिसानायके क्या भारत से मिलाएंगे हाथ

कोलंबो। श्रीलंका के राष्ट्रपति चुनाव में मार्क्सवादी नेता अनुरा कुमारा दिसानायके ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी साजिथ प्रेमदासा को हराकर जीत हासिल कर ली है। उनकी इस जीत से पूरी दुनिया चौंक गई है। 56 वर्षीय दिसानायके की जीत ने यह सवाल खड़ा कर दिया है कि अब श्रीलंका किस दिशा में जाएगा। श्रीलंका को तंगहाली से निकालने के दो ही रास्ते हैं। एक भारत जाता है और दूसरा चीन। पिछले वर्षों में श्रीलंका चीन के आर्थिक जाल में फंसा था, जिससे देश गंभीर वित्तीय संकट में घिर गया। ऐसे में सवाल उठ रहे हैं कि क्या श्रीलंका चीन की छाया से बाहर निकलकर अपने पड़ोसी और सबसे बड़े मित्र भारत की मदद से खुद को मजबूत करेगा। अब, श्रीलंका की नई नेतृत्व की भूमिका यह तय करेगी कि देश किस प्रकार चीन के प्रभाव से बाहर निकलकर अपने आर्थिक और रणनीतिक हितों को पुनर्निर्धारित करता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को अनुरा कुमारा दिसानायके को चुनावी जीत पर बधाई दी और भारत-श्रीलंका के बीच सहयोग को और मजबूत करने की इच्छा जताई। पीएम मोदी ने अपनी एक्स पोस्ट में कहा कि श्रीलंका का भारत की पड़ोस प्रथम नीति और विजन सागर में विशेष स्थान है और वह दोनों देशों के बहुआयामी सहयोग को बढ़ाने के लिए मिलकर काम करने के लिए उत्सुक हैं। दिसानायके ने पीएम मोदी के बधाई संदेश का उत्तर देते हुए भारत के साथ संबंधों को मजबूत करने की प्रतिबद्धता जताई। उन्होंने लिखा कि हम साथ मिलकर अपने लोगों और पूरे क्षेत्र के लाभ के लिए सहयोग बढ़ाने की दिशा में काम कर सकते हैं निभाएगा।

पहली बार जापानी फाइटर जेट ने रूसी गश्ती जेट को चेताया

टोक्यो। जापान ने कहा है कि रूसी गश्ती फाइटर जेट ने उसके हवाई क्षेत्र का उल्लंघन किया है। टोक्यो ने कहा है कि तीन बार रूसी जेट होक्काइडो के मुख्य द्वीप पर जापान के हवाई क्षेत्र में आए। इस पर जापानी जेट ने उन्हें चेताया और फ्लेयर्स का इस्तेमाल भी किया। ये पहली बार है जब जापान ने रूसियों को चेतावनी देने के लिए फ्लेयर्स का इस्तेमाल किया है। लड़ाकू जेट फ्लेयर्स यानी तेज रोशनी का इस्तेमाल विरोधी को वापस जाने के लिए कड़ी चेतावनी देने के तौर पर करते हैं। जापानी लड़ाकू विमानों ने पहले रूसी विमान के खिलाफ इस तरह की चेतावनी जारी नहीं की थी। रिपोर्ट के अनुसार, जापानी रक्षा मंत्रालय ने कहा कि रूसी आईएल-38 सैन्य गश्ती विमान ने उत्तरी द्वीप होक्काइडो के पास तीन बार जापानी हवाई क्षेत्र में प्रवेश किया। इस पर जापान ने रेडियो संदेशों के माध्यम से विमान को चेतावनी देकर लड़ाकू विमानों को भेजा। तीसरी बार रूसी जेट के हवाई क्षेत्र में आने पर जापानी एयरक्राफ्ट ने फ्लेयर्स का इस्तेमाल किया। जापानी सरकार के प्रवक्ता योशिमासा हयाशी ने कहा कि हवाई घुसपैठिए के खिलाफ फ्लेयर्स का यह पहला प्रयोग था। हयाशी ने कहा कि जापान ने घुसपैठ के विरोध के लिए राजनयिक तरीका भी अपनाया है। रूस की स्टेट मीडिया ने इस घटना पर कोई रिपोर्ट नहीं की है। ये घटना तब समय हुई है जब रूसी और चीनी युद्धपोत जापान के उत्तरी तट के पास अभ्यास कर रहे हैं। वहीं जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा ने न्यूयॉर्क में यूक्रेनी राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की से भी मुलाकात की।

उच्च न्यायालय ने इमरान खान पर सैन्य मुकदमे से संबंधित याचिका का निपटारा किया

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के एक उच्च न्यायालय ने पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के खिलाफ सैन्य मुकदमा चलाने संबंधी याचिका का निपटारा कर दिया। न्यायालय को बताया गया कि संघीय सरकार ने इस संबंध में कोई निर्णय नहीं लिया है। भ्रष्टाचार के आरोप में पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक खान की गिरफ्तारी के विरोध में उनके समर्थकों ने नौ मई, 2023 को रक्षा प्रतिष्ठानों पर हमला किया और सरकारी संपत्तियों को नुकसान पहुंचाया था। गिरफ्तार किए गए लोगों में से 100 से ज्यादा लोगों को सैन्य अदालतों में मुकदमे के लिए सैन्य अधिकारियों को सौंप दिया गया था। कई सरकारी अधिकारियों ने संकेत दिया है कि खान पर सैन्य अदालत में भी मुकदमा चलाया जा सकता है। खान ने अपने मुकदमे की सुनवाई सैन्य अदालत में किए जाने के खिलाफ इस्लामाबाद उच्च न्यायालय में याचिका दायर की थी। न्यायमूर्ति मियांगुल हसन औरंगजेब की अध्यक्षता वाली पीठ ने मामले की सुनवाई की। सरकार की ओर से पेश अतिरिक्त अटॉर्नी जनरल मुनव्वर इकबाल दुग्गल ने अदालत को बताया कि संघीय सरकार ने यह तय नहीं किया है कि खान पर सैन्य अदालत में मुकदमा चलाया जाएगा या नहीं। उन्होंने कहा कि अगर इस तरह का मुकदमा चलाया जाता है, तो यह आवश्यक कानूनी प्रक्रिया का पालन करते हुए नियम 549 के अनुसार चलाया जाएगा। दुग्गल ने अदालत को यह भी बताया कि सैन्य मुकदमे की स्थिति में, सिविल मजिस्ट्रेट से अनुरोध के बाद ही यह प्रक्रिया शुरू होगी।

सऊदी अरब के राष्ट्रीय दिवस पर राजधानी रियाद में जमकर आतिशबाजी हुई।

सुनीता विलियम्स दूसरी बार बनीं स्पेस स्टेशन की कप्तान

वॉशिंगटन। लगभग 4 माह से अंतरिक्ष में रह रहीं एस्ट्रोनॉट सुनीता विलियम्स को धरती पर लाने के प्रयासों के साथ उन्हे आईएसएस यानी अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन की कमान सौंपी गई है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा ने ऐलान किया है कि रूसी कॉस्मोनॉट ओलेक कोनोनेंको ने स्पेस स्टेशन की कमान विलियम्स को सौंप दी है। इसे लेकर स्पेस स्टेशन पर छोटा कार्यक्रम भी आयोजित हुआ था। अंतरिक्ष में 374 दिन बिताने के बाद वापस रूस के कोनोनेंको और निकोलाइ बुब और एक अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री ट्रेसी सी डायसन धरती पर लौट आए हैं। डायसन 6 महीने अंतरिक्ष में रहीं। इससे पहले करीब 12 साल पहले यानी 2012 में एक्सपीडीशन 33 के दौरान विलियम्स ने स्पेस स्टेशन की कमान संभाली थी। स्पेस स्टेशन की कप्तान होने के नाते भारतवंशी अंतरिक्ष यात्री के पास कई अहम ऑपरेशन और साइंटिफिक रिसर्च का काम संभालेंगी। कार्यक्रम के दौरान विलियम्स ने कहा, एक्सपीडीशन 71 ने हमें काफी कुछ सिखाया है...। आपने मुझे और बुच को अपनाया। जबकि, यह प्लान का हिस्सा भी नहीं था। आपने परिवार की तरह हमारा स्वागत किया। बता दें कि बोइंग स्टारलाइनर में तकनीकी खराबी आने के कारण विलियम्स की यह अंतरिक्ष यात्रा लंबी हो गई थी। कहा जा रहा है कि उनकी वापसी फरवरी 2025 तक टल गई है।

एशिया का तीसरे नंबर का ताकतवार देश भारत... रूस और जापान पीछे

-पाकिस्तान का दूर तक नंबर नहीं

मेलबर्न (एजेंसी)। ताइवान से लेकर लद्दाख तक चल रहे तनाव के बीच एशिया में सबसे शक्तिशाली देशों की सूची आई है। भारत रूस और जापान को पीछे छोड़कर एशिया में तीसरा सबसे शक्तिशाली देश बन गया है। भारत से आगे चीन और सबसे ऊपर अमेरिका का नाम है। ऑस्ट्रेलिया के लोवी इंस्टीट्यूट थिंक टैंक की ओर से जारी किए गए एशिया पावर इंडेक्स में भारत ने अच्छी छलांग लगाई है। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि जापान के आर्थिक ताकत में गिरावट की वजह से उसकी ताकत में कमी आई है। जापान अब चौथा सबसे शक्तिशाली और प्रभावशाली देश बन गया है। इस लिस्ट को हर साल इन देशों के संसाधान और प्रभाव को ध्यान में रखकर जारी किया जाता है। इस लिस्ट में ऑस्ट्रेलिया को पांचवां और यूक्रेन युद्ध में फंसे रूस को छठवां स्थान मिला है।

अमेरिका को 81.7, चीन को 72.7 और जापान को 38.9 प्वाइंट मिले हैं। वहीं पाकिस्तान को मात्र 14.6 प्वाइंट मिले हैं और वह 16वें नंबर पर है। एशिया पावर इंडेक्स में कुल 27 देशों और क्षेत्रों का आकलन किया गया। इसमें 6 साल के आंकड़े का इस्तेमाल किया गया है। यह एशिया में तेजी से बदल रहे शक्ति के वितरण का अब तक का सबसे व्यापक आकलन है। इसमें कहा गया है कि अमेरिका अभी भी एशिया में सबसे प्रभावशाली ताकत है लेकिन अब अमेरिका को चीन की ओर से तेजी से बढ़ती सेना का दबाव झेलना पड़ रहा है।

इस रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन ने सैन्य बढ़त जरूर हासिल की है, लेकिन उसका प्रभाव स्थिर ही है। रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन की ताकत न बढ़ रही है और न ही कम हो रही है। वहीं अमेरिका ने एशिया में अपनी सैन्य ताकत में इजाफा किया है। हालांकि अमेरिका के लिए चिंता की बात यह है कि वह सैन्य ताकत के मामले में चीन के हाथों पिछड़ रहा है। इस सर्वे रिपोर्ट में भारत की तारीफ की गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, भारत का उभार हो रहा है लेकिन यह थोड़ा धीमा है। भारत अब जापान को पीछे करके एशिया में तीसरा सबसे शक्तिशाली देश बन गया है लेकिन उसका प्रभाव उसके संसाधनों के मुकाबले में कम बना हुआ है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत की एशिया में ताकत बढ़ रही है। ऐसा पहली बार हुआ है जब भारत ने ताकत के मामले में तीसरा स्थान हासिल किया है।

अमेरिका के मुस्लिम बाहुल्य शहर के मेयर आमेर ग़ालिब ने डोनाल्ड ट्रंप का किया समर्थन

वाशिंगटन (एजेंसी)। संयुक्त राज्य अमेरिका के एकमात्र मुस्लिम बाहुल्य शहर हैमट्रैमक के मेयर आमेर गालिब ने राष्ट्रपति चुनाव में पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को समर्थन देने का ऐलान किया है। मिशिगन राज्य के हैमट्रैमक शहर का नेतृत्व करने वाले गालिब ने हाल ही में कहा कि, हालांकि उनकी कुछ मुद्दों पर ट्रंप से असहमति है, लेकिन वह उन्हें सिद्धांतों वाले व्यक्ति और सही च्वाइस मानते हैं।

गालिब ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए कहा, कि डोनाल्ड ट्रंप और मैं हर मुद्दे पर सहमत नहीं हैं, लेकिन मैं जानता हूं कि वे सिद्धांतों वाले आदमी हैं। उन्होंने यह भी कहा कि वह ट्रंप की चुनावी जीत की कामना करते हैं, और यह महसूस करते हैं कि वह इस समय के लिए सही च्वाइस हैं। गालिब ने अपने फैसले पर गर्व व्यक्त करते हुए कहा है, कि नतीजे कुछ भी हों, मुझे अपने फैसले पर पछतावा नहीं होगा और मैं नतीजों का सामना करने के लिए तैयार हूं। गालिब के इस बयान का स्क्रीनशॉट लेते हुए ट्रंप ने अपने ट्रुथ सोशल प्लेटफॉर्म पर साझा किया है।

कौन हैं ग़ालिब

आमेर गालिब, 17 साल की उम्र में यमन से अमेरिका आए थे। हैमट्रैमक की जनसंख्या लगभग 28,000 है। इस शहर ने 2021 में एक मुस्लिम नगर परिषद और एक मुस्लिम मेयर का चुनाव कर के सुर्खियाँ बटोरी थीं। उन्होंने मिशिगन के प्लिंट शहर में एक टाउन हॉल में रिपब्लिकन उम्मीदवार से मिलने के एक सप्ताह बाद ट्रंप का समर्थन करने का फैसला लिया। गालिब का ट्रंप को समर्थन एक महत्वपूर्ण राजनीतिक बदलाव माना जा रहा है। अब देखना यह होगा कि उनके इस समर्थन का चुनावी परिणाम पर क्या प्रभाव पड़ता है।

चीन और भारत के बीच सैंडविच नहीं बनेंगे : दिसानायके

कोलंबो। दुनिया में चल रही दबदबे की लड़ाई में श्रीलंका फंसना नहीं चाहता। चीन व भारत के बीच सैंडविच तो हम नहीं ही बनना चाहते है। यह कहना है श्रीलंका के नए राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके का। उन्होंने स्पष्ट कर दिया है कि वो किसी एक देश के साथ नहीं रहेंगे, बल्कि सभी के साथ मिलकर तरक्की के रास्ते तय करेंगे। श्रीलंका के नए राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके ने इस आशय की बात एक साक्षात्कार के दौरान कही है। उन्होंने कहा कि भारत और चीन के बीच वो सैंडविच बनकर नहीं रहना चाहेंगे। इसी के साथ उन्होंने स्पष्ट किया कि श्रीलंका दुनिया में चल रही दबदबे की लड़ाई में फंसना नहीं चाहता है। उन्होंने कहा, कि हम न तो दबदबे की होड़ में शामिल होंगे और न ही इस दौड़ में शामिल किसी देश का साथ ही देंगे। उन्होंने भारत और चीन का नाम लिए बगैर ही कहा कि दोनों ही देश हमारे अच्छे दोस्त हैं। इस आधार पर मुझे पूरी उम्मीद है कि भविष्य में हमारी साझेदारी अच्छी ही होगी।

एआई को लेकर फोकस कर रहे पीएम मोदी... जानकर अच्छा लगा : सुंदर पिचाई

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। अल्फाबेट और गूगल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) सुंदर पिचाई का कहना है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने टेक नेताओं को जमीनी स्तर पर महत्वपूर्ण मुद्दों के समाधान के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया है। न्यूयॉर्क में पीएम मोदी के साथ सीईओ की गोलमेज बैठक में पिचाई ने कहा कि वह 'डिजिटल इंडिया' विजन के साथ देश को बदलने पर प्रधानमंत्री के फोकस से काफी प्रभावित हुए हैं। पिचाई ने कहा, पीएम मोदी ने हमें भारत में निर्माण और डिजाइन जारी रखने को प्रेरित किया है। हमें अब भारत में अपने पिक्सेल फोन का निर्माण करने पर गर्व है। पीएम मोदी सचमुच में इस बारे में सोच रहे है कि एआई से भारतीय लोगों को फायदा हो। पिचाई के अनुसार, पीएम मोदी ने उन्हें स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, बुनियादी ढांचे, डेटा सेंटर, बिजली और ऊर्जा आदि में एप्लीकेशन बनाने के बारे में सोचने के लिए चुनौती दी है, ताकि भारत विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में आगे बढ़ सके। गूगल के सीईओ पिचई ने कहा, हम भारत में एआई में मजबूती से निवेश कर रहे हैं और हम और भी ज्यादा निवेश करने के लिए तत्पर हैं। गूगल ने इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, कृषि और स्वास्थ्य मंत्रालय और केंद्र और राज्य सरकारों के साथ साझेदारी में कई कार्यक्रम निर्धारित किए हैं। प्रौद्योगिकी (टेक) दिग्गज भारत में और अधिक निवेश करने का इरादा रखता है। पिचाई ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी ने हमेशा हम सभी को भारत के लिए और अधिक करने को कहा है। अब, वे हमसे एआई के साथ भी ऐसा ही करने के लिए कह रहे हैं। ये एआई की क्षमता को समझकर जानते हैं कि यह तकनीक लोगों के जीवन में कैसे सकारात्मक परिवर्तन ला सकती है। इसके लिए उनके पास स्पष्ट दृष्टिकोण (विजन) है।

जापान में भूकंप के झटके, सुनामी का अलर्ट जारी

टोक्यो (एजेंसी)। जापान की धरती एक बार फिर भूकंप के झटकों से थर्रा गई है। इसके बाद सुनामी का अलर्ट भी जारी किया गया है। यह घटना सोमवार की सुबह हुई, जब मौसम वैज्ञानिकों ने इजू द्वीप के पास 5.6 तीव्रता के भूकंप आना दर्ज किया। भूकंप का केंद्र लगभग सुबह 5 बजे था और इसके बाद ओगासावारा द्वीप पर 3.3 इंच की सुनामी आने की आशंका जताई गई है।

जापान, जो चार प्रमुख टेक्टोनिक प्लेटों के शीर्ष पर स्थित है, हर साल लगभग 1,500 भूकंप महसूस करता है, जिनमें से अधिकांश छोटे होते हैं। हाल ही में, पिछले महीने क्यूशू और शिकोकू द्वीपों पर भी भूकंप के झटके महसूस किए गए थे, जिनकी तीव्रता 7.1 मापी गई थी। उस समय तटीय इलाकों में, जैसे मियाजाकी, कोची, इहिमे, कागोशिमा, और आइता, सुनामी का अलर्ट जारी किया गया था, और समुद्र में 20 सेंटीमीटर ऊँची लहरें देखी गई थीं।

जापान के मौसम विज्ञानियों ने नागरिकों को सुरक्षा उपाय अपनाने की सलाह दी है। लोगों को भूकंप की तैयारी के लिए पहले से ही प्रशिक्षित किया गया है, जिससे वे आपात स्थिति में बेहतर तरीके से प्रतिक्रिया कर सकें। स्थानीय सरकारें भी लोगों को चेतावनी देने और सुरक्षित स्थानों की ओर मार्गदर्शन करने के लिए तैयार हैं। हालांकि भूकंप का केंद्र दूरस्थ द्वीपों पर था, लेकिन इसके प्रभाव से निपटने के लिए जापान सरकार ने सभी आवश्यक कदम उठाए हैं। जापान के नागरिकों की सुरक्षा और राहत कार्यों के लिए पूरा तंत्र सक्रिय है। अधिकारी स्थिति पर नजर रखे हुए हैं और स्थिति में सुधार की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

क्यों आता है भूकंप

भूकंप का कारण धरती के अंदर टेक्टोनिक प्लेटों का आपस में टकराना, रगड़ना, या एक-दूसरे के ऊपर चढ़ना होता है। जब ये प्लेटें एक-दूसरे के करीब आती हैं या दूर जाती हैं, तब धरती हिलती है। भूकंप को मापने के लिए रिक्टर पैमाने का उपयोग किया जाता है, जो 1 से 9 तक की तीव्रता को दर्शाता है। रिक्टर स्केल पर 1 का मतलब बहुत कम तीव्रता है, जबकि 9 अत्यधिक तीव्रता का संकेत देता है।

युद्ध और खतरनाक होगा! लेबनान में 16 सौ ठिकानों पर हमला, मृतकों की संख्या 5 सौ के पार

बेरुत (एजेंसी)। गाजा के बाद अब लेबनान पर इजरायल ताबड़तोड़ हमले कर रहा है। इन हमलों में अब तक 90 महिलाओं और बच्चों समेत अब तक 500 लोगों की मौत हो गई है। जबकि घायलों की संख्या हजारों में हैं। इजरायली हमले में इतनी तबाही मच गई कि लोग जान बचाकर भागते नजर आए। इजरायली सेना ने हमले के बाद बयान में कहा कि उसने हिजबुल्लाह के 1600 ठिकानों को निशाना बनाया। आईडीएफ ने तस्वीरों के साथ बयान जारी किया कि लेबनान में हिजबुल्लाह ने आम लोगों के घरों को अपना सरंजाम बनाकर रखा था। सेना पहले ही आम लोगों को चेतावनी दे चुकी थी कि वे हिजबुल्लाह के ठिकानों से दूर चले जाएं।

इजरायली सेना ने लेबनान को दूसरा गाजा बनाने की तैयारी शुरू कर दी है। सोमवार को इजरायली सेना ने इतने भीषण हवाई हमले किए कि पूरा लेबनान थर्रा गया। हवाई हमलों में मरने वालों की संख्या 500 पहुंच गई है। लेबनान स्वास्थ्य मंत्रालय का कहना है कि मरने वालों की संख्या अभी और बढ़ सकती है। उधर, हिजबुल्लाह के खिलाफ महायुद्ध का बिगुल फूंक चुके इजरायल ने अपने यहां भी एक हफ्ते की इमरजेंसी जारी कर दी है। इजरायल पर ईरान समर्थित हिजबुल्लाह के भी काउंटर अटैक का खतरा मंडरा रहा है। हमलों के कुछ घंटों बाद, प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने लेबनानी लोगों से संपर्क किया और उनसे हिजबुल्लाह के लिए मानव ढाल न बनने का अनुरोध किया। नेतन्याहू ने अपने संदेश में कहा कि उनका निशाना हिजबुल्लाह है क्योंकि उसने हमारी उत्तरी सीमा में लगातार हमलों से इजरायली लोगों का जीना दुश्वार कर दिया है। उत्तरी सीमा पर रह रहे लोग लगातार पलायन कर रहे हैं। हमारा काम उन्हें फिर से उनका घर देना है। इसके लिए हिजबुल्लाह को मिटाना जरूरी है।

इजरायल में 30 तक इमरजेंसी

हिजबुल्लाह के तेज होते संघर्ष को देखते हुए इजरायल सरकार ने भी देशभर में हफ्तेभर की इमरजेंसी घोषित कर दी है। रक्षा मंत्री योआव गैलेंट के प्रस्ताव के बाद यह घोषणा की गई। इस निर्णय को होम फ्रंट कमांड को बढ़ती सुरक्षा चिंताओं के मद्देनजर जारी किया गया है। इमरजेंसी आगामी 30 सितंबर तक जारी की गई है। घोषणा में कहा गया है, संघर्ष में हाल के घटनाक्रमों और पूरे देश में नागरिकों पर हमलों की उच्च संभावना के कारण यह निर्णय लिया गया है। वहीं इजरायल ने चेतावनी दी है कि समूह के खिलाफ हमले बढ़ेंगे और लेबनानी नागरिकों को उन क्षेत्रों से भागने की चेतावनी दी गई है जहां ईरान समर्थित आतंकवादी समूह के हथियार छिपाने की आशंका है। इस बीच ईरान का आरोप है कि इजरायल तेहरान को भड़काने के लिए हमले कर रहा है। ईरान ने इजरायल को अंजाम भुगतने की धमकी दी है।

साधारण सी दिखने वाली असाधारण शख्सियत थे पं दीनदयाल उपाध्याय

(लेखक - मुकेश तिवारी)

जन्म तिथि पर विशेष

वह न केवल इस कीर्ति की आत्मा और शरीर दोनों के ही अनुकूल था.प्रसिद्धि से दूर.अहंकार से रहित और निश्छल मुस्कुराहट वाले पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी ऐसी ही शख्सियतों में से एक थे. पंडित दीनदयाल उपाध्याय अपने नाम के अनुरूप ऐसे युगपुरुष थे जिन्होंने व्यक्ति, परिवार,समाज, और देश को समग्र परिवेश में देखा, वे सच्चे अर्थों में भारतीयता के जीवंत प्रतीक और एक परिपूर्ण मानव थे, पंडित जी एक ऐसे निष्काम कर्मयोगी थे जिन्होंने राजनीति में रहते हुए राष्ट्र की सेवा में अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया था, पंडित उपाध्याय ने एकात्म मानववाद का जो सिद्धांत दिया

पंडित दीनदयाल का जिक्र करते ही , पंडित जी की जो छवि हमारी आंखों के सामने उभरती है.वह किसी बड़े राजनीतिक दल के कद्दावर नेता की नहीं.बल्कि एक सहृदय अग्रज.आत्मीय मित्र.और मार्गदर्शक की है.हिन्दुस्तान भर के लाखों अनुयाई पं दीनदयाल को इस स्वरूप में अपने साथ पाते थे.आज हमारे मुल्क में राजनीति का जो स्वरूप हमें द्रष्टिगोचर होता है और उसमें राजनीति करते हुए तमाम सारे राजनीतिक दलों के जो नेता हमें मिलते हैं उनकी तुलना यदि दीनदयाल उपाध्याय के साथ करें तो हमें बेहद आश्चर्य होता है.हमारे ज़हन में विचार आता है कि इस आपाधापी के दौर में भी हमें ऐसी शख्सियत का मार्गदर्शन मिला . कालांतर में पंडित दीनदयाल जो अमूल्य विचार हमें प्रदान कर गए.वह न केवल इस कीर्ति की आत्मा और शरीर दोनों के ही अनुकूल था.प्रसिद्धि से दूर.अहंकार से रहित और निश्छल मुस्कुराहट वाले पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी ऐसी ही शख्सियतों में से एक थे. पंडित दीनदयाल उपाध्याय अपने नाम के अनुरूप ऐसे युगपुरुष थे जिन्होंने व्यक्ति, परिवार,समाज, और देश को समग्र परिवेश में देखा, वे सच्चे अर्थों में भारतीयता के जीवंत प्रतीक और एक परिपूर्ण मानव थे, पंडित जी एक ऐसे निष्काम कर्मयोगी थे जिन्होंने राजनीति में रहते हुए राष्ट्र की सेवा में अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया था, पंडित उपाध्याय ने एकात्म मानववाद का जो सिद्धांत दिया है,वह जीवन के सभी सुखों का मूल मंत्र है,यह भारतीय दर्शन, भारतीय संस्कृति और भारतीय विचार का आज के युग के लिए अनुकूल समुच्चय है जो आगे आने वाली पीढ़ियों का मार्गदर्शन करेगा,यह सिद्धांत समाज के अंतिम छोर तक के व्यक्ति के हित में कार्य करने का है, पंडित उपाध्याय का दर्शन एक ऐसा दर्शन है जो हमें हमारी संस्कृति और सभ्यता से जोड़ता है,

पंडित दीनदयाल उपाध्याय का जन्म उत्तर प्रदेश के चंद्रभान नामक ग्राम के एक साधारण से परिवार में 25 सितंबर 1916 को हुआ था ,आप की माता का नाम रामप्यारी एवं पिता का नाम भगवती प्रसाद था, उपाध्याय जी के बाल्यकाल में ही माता पिता का साया उनके सिर से उठा गया था,

फलत बचपन के उन सुहाने दिनों से वंचित हो गए ,जब खेलने और खाने की जगह उन्हें अभावों में जीना पड़ा,यही वजह थी, कि बचपन में ही कठिन परिस्थितियों से संघर्ष की और व्यावहारिक शिक्षा ग्रहण कर लेने के बाद जीवन में उन्होंने संघर्ष से कभी मुंह नहीं मोड़ा, पिता के निधन के पश्चात इनके नाना चुन्नीलाल उन्हें अपने गांव धनकिया ले आए ,जब नाना नौकरी छोड़ कर अपने पैतृक घर गुड़की मंडई आ गए, तो वे नाना के साथ गुडकी मंडई आ गए ,दीनदयाल जी के 9 वर्ष के होने के बाद भी उनके अध्ययन की कोई संमुचित व्यवस्था नहीं थी अतः वे अपने मामा राधारमण के पास आ गए जो कि गंगापुर में सहायक स्टेशन मास्टर के पद पर पदस्थ थे, गंगापुर आने के पश्चात 1925 में उनकी शिक्षा विधिवत प्रारंभ हुई,वे गंगा पुर में 4 वर्ष तक रहे, गंगापुर में इससे आगे पढ़ाई की व्यवस्था नहीं होने से, अतः 2 जून 1929 को उन्होंने कोटा के एक स्कूल में दाखिला ले लिया , कक्षा 5 से 7 तक की पढ़ाई उन्होंने कोटा में की इसके बाद की पढ़ाई के लिए वे,राजगढ़ आ गये मामा राधारमण के चचेरे भाई नारायण शुक्ला राजगढ़ में स्टेशन मास्टर थे, आठवीं की शिक्षा प्राप्त करने के लिए दाखिला लिया, उन्होंने अपनी कुशाग्र बुद्धि का परिचय अंकगणित के कठिन सवालो का जवाब पलक झपकते ही देकर दिया, जब वे 9 वी कक्षा में पढ़ रहे थे उस दौरान उनके पास दसवीं के विद्यार्थी भी उनसे गणित के सवाल हल करवाने आते थे,उनकी ख्याति एक मेधावी छात्र के रूप में फैल गई थी, नारायण शुक्ला का19 34 में स्थानांतरण सीकर हो गया,इस कारण उन्हें सीकर जाना पड़ा, उन्होंने दसवीं की परीक्षा सीकर कल्याण हाईस्कूल से दी प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुए,वह विधार्थी जीवन में हमेशा उच्च अंकों के साथ उत्तीर्ण होते रहे ,इसी कारण सीकर के महाराजा कल्याण सिंह ने उन्हें स्वर्ण पदक प्रदान किया,10रपये माहवार छात्रवृत्ति और पुस्तको आदि के लिए 250की राशि पारितोषिक के रूप में दी,उस दौर में पिलानी उच्च शिक्षा का प्रसिद्ध केन्द्र था, दीनदयाल इंटरमीडिएट की पढ़ाई के लिए 1935मे पिलानी चले गए उन्होंने यह सभी परीक्षाएं विशेष योग्यता के साथ उत्तीर्ण की ,बीए की पढ़ाई के लिए कानपुर आ गए

कानपुर में किराए का मकान लेकर दो बर्ष तक रहे,इसके पश्चात वे प्रयाग चले आए,25 वर्ष की आयु पूर्ण करने तक उपाध्याय जी राजस्थान और उत्तर प्रदेश में अनेक स्थानों पर रहे, कानपुर में अध्ययन करते वक्त अपने सहपाठी कालूजी महाशबदे के माध्यम से वे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संपर्क में आए, कानपुर में संघ संस्थापक डॉ केशव बलिराम हेडगेवार से उनकी भेंट हुई,बाबा साहब आपके के दादा राव परमार्थ इनके छात्रावास में ही रूकते थे,इनकी दीनदयाल जी से बहुत बातें होती थीं, स्वातंत्र्य वीर सावरकर जब कानपुर आए तो दीनदयाल जी ने उन्हें शाखा पर आमंत्रित कर बौद्धिक वर्ग करवाया, कानपुर में सुन्दर सिंह भंडारी भी उनके सहपाठी थे, कानपुर में इस विधार्थी जीवन से ही पंडित दीनदयाल उपाध्याय के सार्वजनिक जीवन की शुरुआत हो गयी थी हालांकि संघ के शारीरिक कार्य कार्यक्रमो को दीनदयाल जी बेहतर ढंग से नहीं कर पाते थे मगर बौद्धिक परीक्षा में वे सदैव अव्वल रहते थे, दीनदयाल उपाध्याय जी ने सन् 1939 में सनातन धर्म कॉलेज कानपुर से बीए की परीक्षा प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की ,यही नहीं,एम ए अंग्रेजी साहित्य की परीक्षा में भी ,उन्होंने प्रथम स्थान प्राप्त किया , हालांकि बीमारी की वजह से वे एम ए उतरार्द्ध की परीक्षा नहीं दे सके, मामा जी के अनुरोध करने पर वे प्रशासनिक परीक्षा में बैठे, उत्तीर्ण हुए और साक्षात्कार में भी वे चुन लिए गए लेकिन उन्होंने प्रशासनिक नौकरी करने में कतई दिलचस्पी नहीं दिखाई, अतः वे बीटी करने के लिए प्रयाग चले गए उनकी अध्ययनशीलता सार्वजनिक जीवन में जाने के पश्चात प्रखरतम होती चली गई ,कालांतर में पंडित दीनदयाल उपाध्याय का भारतीय राजनीति ने जो जीवन उभरा वह उनका श्रृषि व्यक्तित्व था,वे ताउम्र अविवाहित रहे, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से वे राजनीतिक क्षेत्र में गए और भारतीय जन संघ के महामंत्री बने ,उनकी विलक्षण प्रतिभा को देखकर डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने कहा था कि मुझे दो दीनदयाल जी मिल जाए तो मैं भारतीय राजनीति का मानचित्र बदल के रख दूंगा, भारतीय जनसंघ की स्थापना के दो वर्ष भी पूर्ण नहीं हो पाए थे काश्मीर आंदोलन के दौरान 23जून को डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी का बलिदान हो गया, आजाद भारत के नवगठित राजनीतिक दल का भार पूर्ण तौर पर 36 वर्षीय दीनदयाल उपाध्याय जी के कंधे पर आ गया,वे निरंतर17 सालों तक भारतीय जन संघ के महामंत्री रहे और 18 में बर्ष में जन संघ के अध्यक्ष बने लेकिन नियति ने उन्हें हमसे छीन लिया, दीनदयाल जी का व्यक्तित्व बहुआयामी था, वे सामान्य व्यक्ति,सक्रिय कार्यकर्ता कुशल संगठक, प्रभावी नेता एवं विचारक थे समाजशास्त्री, अर्थशास्त्री, राजनीति विज्ञानी एवं दार्शनिक एव अच्छे वक्ता थे ,किसी भी विषय पर अच्छी प्रकार से अभ्यास और विभिन्न कोणों से उस पर विचार व्यक्त करने के उपरांत ही अपना कोई मत व्यक्त करते थे ,उनके बहुआयामी व्यक्तित्व की झलक कुछ उदाहरणों से पता चलती है, राष्ट्र, राष्ट्रीयता और भारतीय संस्कृति पर दीन दयाल जी के विचारों से यह स्पष्ट हो जाता है ,उनका चिंतन आज भी प्रासंगिक है राष्ट्र एक स्थाई सच है,राष्ट्र की आवश्यकता को पूर्ण करने के लिए राज्य पैदा होता है, राष्ट्र का संगठन के निजी स्वार्थों की पूर्ति के लिए उत्पन्न नहीं होता है ,एक राष्ट्र भाव की विस्मृति के कारण घटक शिथिल पड़ते हैं और यदि पूरी तरह निष्क्रिय हो गए, तो संपूर्ण राष्ट्र के विनाश का कारण भी बनते हैं, अतः हमें कालजेय स्थाई सक्षम, आत्मनिर्भर व्यवहारिकता और स्वाभाविक संगठन के लिए राष्ट्र को आधार मानना होगा, राष्ट्र का संगठन दृढ़ हुआ तो सामर्थ निर्माण होगा और विभिन्न अंग पुष्ट हो सकेंगे ,राष्ट्र को परम वैभव की ओर ले जाने के लिए धर्म का संरक्षण करते हुए आना चाहिए ,यह संघटित कार्प शक्ति एवं पुरुषार्थ से ही प्राप्त हो सकता है, पंडित दीनदयाल उपाध्याय का मानना था कि भारतीय संस्कृति की विशेषता यह है कि वह संपूर्ण जीवन और संपूर्ण सृष्टि का विचार करती है, उसका दृष्टिकोण एकात्मक वादी है, टुकड़ों में विचार करना विशेषज्ञ की दृष्टि से उचित हो सकता है लेकिन व्यवहारिक दृष्टि से यह कतई उपयुक्त नहीं है पश्चिम की समस्या का मुख्य कारण उसका जीवन के संबंध में सतही ढंग से विचार करना है,

---

संपादकीय

हार से ज्यादा जीत

भारतीय क्रिकेट टीम दुनिया की सम्मानित टीमों में शुमार है, पर टेस्ट क्रिकेट एक ऐसा मोर्चा था, जहां हम ज्यादा हारते थे और कम जीतते थे। चेन्नई में बांग्लादेश की क्रिकेट टीम को टेस्ट मैच में हराते ही भारतीय टीम ने ज्यादा हारने का दाग छुड़ा लिया है। भारतीय टीम ने अभी तक कुल 580 टेस्ट मैच खेले हैं, जिसमें से 179 मैचों में उसे जीत मिली है, जबकि 178 में हार। कुल 222 मैचों में मुकाबला बराबरी पर ठहरा और एक मैच टाई रहा है। मतलब, अपने 92 साल के टेस्ट क्रिकेट इतिहास में पहली बार भारत के पास हार से ज्यादा जीत हैं। ध्यान रहे कि एकदिवसीय क्रिकेट के साथ ही टी-20 में भी भारत की जीत का प्रतिशत अच्छा रहा है। एकदिवसीय में हम 559 मैच जीते हैं, जबकि 445 हारे हैं। टी-20 में हम 154 जीते और 69 हारे हैं। मतलब, केवल टेस्ट मैच ही वह मोर्चा था, जहां रिकॉर्ड बुक खोलते ही निराशा होती थी। अब यह निराशा दूर हो गई है और यहां से भारत जीत की यात्रा पर तेजी से आगे बढ़ सकता है। इससे टेस्ट खेलने वाले अच्छे खिलाड़ियों के साथ ही भावी खिलाड़ियों को भी बल मिला है। इतिहास की चर्चा अगर करें, तो आज से दो सौ साल पहले अपने देश में क्रिकेट दिखने लगा था। भारत में पहला दर्ज क्रिकेट मैच साल 1851 में कलकत्ता क्लब और बैरकपुर जेंटलमैन के बीच हुआ था। हालांकि, काफी समय बाद भारत ने 25 जून,1932 को अपना पहला टेस्ट मैच इंग्लैंड के खिलाफ लंदन के लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड पर खेला था। तब हम बहुत हारते थे, जहां जाते थे, हारकर लौटते थे। साल 1952 में हमने जीतने की शुरुआत की, मगर तब भी हमारा जोर मैच को ड्रॉ कराने पर ज्यादा रहता था। मैच ड्रॉ हो जाए, तो खिलाड़ी खुश हो जाते थे और कप्तान सफल मान लिया जाता था। भारतीय क्रिकेट में बदलाव की शुरुआत 1970 के दशक में हुई। हालांकि, एकदिवसीय विश्व कप में जीत, टीवी पर क्रिकेट के प्रसारण, आर्थिक उदारीकरण और व्यावसायिकता ने भारत में क्रिकेट को बहुत लोकप्रिय बना दिया। बड़ी संख्या में प्रतिभावान युवाओं का क्रिकेट में आगमन हुआ। यदि हम एक पंक्ति में कहें, तो खिलाड़ियों को आर्थिक लाभ, सुरक्षित भविष्य और खेल की ख्याति ने क्रिकेट को हमेशा के लिए बदल दिया। क्रिकेट ने गरीब और आम घरों के लड़कों को भी अमीर होने का चमकदार रास्ता दिखा दिया, तो छोटे शहरों से भी खिलाड़ी मिलने लगे। प्रतिस्पर्द्धा बढ़ी, तो खिलाड़ियों की क्षमता, प्रतिभा और मेहनत में भी इजाफा हुआ। भारत और भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड आज सिरमौर है। आईपीएल टूर्नामेंट ने भी देश में ही नहीं, विदेश में भी क्रिकेट का चेहरा बदल दिया है, पर टेस्ट क्रिकेट में हमारा ज्यादा हारना और कम जीतना एक अफसोस का विषय बना हुआ था। बीते दशक की बात करें, तो साल 2015 से अब तक हम 57 टेस्ट मैच जीते हैं, जबकि केवल 22 में हमें हार का मुंह देखना पड़ा है। साल 2016 और 2019 में तो हम एक भी टेस्ट नहीं हारे थे, तो समग्रता में सुखद नतीजे हमारे सामने हैं। दुनिया गौर कर रही है कि हाल के वर्षों में भारतीय क्रिकेट टीम ने टेस्ट क्रिकेट में बहुत उल्लेखनीय प्रदर्शन किया है। विराट कोहली की कप्तानी में भारत ने साल 2018-19 में ऑस्ट्रेलिया में अपनी पहली टेस्ट सीरीज जीतकर जो झंडे गाड़े हैं, वह हमारे लिए बहुत प्रेरणादायी है। क्रिकेट की दुनिया की स्वाभाविक महाशक्ति भारत को अभी बहुत जीतना है, यह तो जीतने की महज शुरुआत भर है।

श्राद्ध पक्ष में नफरत के तर्पण की जरूरत

देश के अल्पसंख्यकों से नफरत करने वाली इकलौती राजनितिक पार्टी भाजपा कुर्सी कि लालच में जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनावों में अल्पसंख्यकों कि प्रति उदारता दिखती नजर आ रही है । भाजपा के बड़े नेता और इस दशक के सरदार पटेल हमारे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह साहब ने घाटी कि मुसलमानों को ईद और मोहर्रम पर रसोई गैस कि दो सिलेंडर मुफ्त देने का वादा कर अपने कांग्रेसी होने का एक और प्रमाण दे दिया है ।

(लेखक - राकेश अचल)

7 दिशाहीन,कसैली,विषैली सियासत पर लिखते-लिखते अब ऊब होने लगी है। इसलिए आज श्राद्ध पक्ष पर लिख रहा हूँ । भारत में श्राद्ध पक्ष का बहुत महत्व है । मान्यताएं हैं ,अस्थायें हैं। हमारे पूर्वजों ने पूर्वजों की आत्मशांति और उनके प्रति श्रृद्धा व्यक्त करने के लिए पूरे पन्द्रह दिन मुकर्रर किये हैं। पंचभूत में विलीन हमारे पूर्वजों की देह हम नदियों में प्रवाहित कर देते हैं किन्तु उनकी आत्माओं के बारे में हमारे पास कोई प्रबंध नहीं है । हमें लगता है कि पूर्वजों की आत्माएं भटकतीं है। उन्हें भूख-प्यास भी लगती है इसलिए ब्राम्हणों के जरिये ,कौवों के जरिये, पशु- पक्षियों के जरिये हम उन्हें भोजन, वस्त्र और न जाने क्या-क्या पहुँचाने की कोशिश करते हैं। और जब थक जाते हैं,पक जाते हैं , तो पिंडदान कर देते हैं। स्थापित मान्यताओं के बारे में मुझे कुछ नहीं कहना,क्योंकि ये आज का विषय नहीं है । मेरा तो आग्रह ये है कि हम इस श्राद्ध पक्ष में यदि कुछ तर्पण करना ही चाहते हैं ,पिंडदान करना ही चाहते हैं तो हमें नफरत का ,ईर्ष्या का ,घृणा का पिंडदान करना चाहिए ताकि समाज ,देश ,आसपड़ोस सुख से रह सके। सुख अब दिनों-दिन अलभ्य होता जा रहा है। लोग सुख देने के बजाय उसे छीनने की स्पर्द्धा में जुटे हुए हैं। भारत में ही नहीं अपितु पूरी दुनिया में ये छीना-झपटी चल रही है। छीना-झपटी का चरम युद्ध में तब्दील होजाता है। दुनिया में कहाँ-कहाँ ये नफरत युद्ध में तब्दील हो चुकी है ,ये आप सभी जानते हैं। बात नफरत की चली तो मुझे भारतीय राजनीति की कुछ महिलाओं की याद आ गयी । दिल्ली की नयी-नवेली मुख्यमंत्री आतिशी भाजपा की नफरत से परेशान हैं। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की कुर्सी खाली रखकर कामकाज करने का फैसला किया तो भाजपा को उदरशूल होने लगा। भाजपा के तमाम भद्र नेता मुख्यमंत्री आतिशी पर राशन-पानी लेकर चढ़ बैठे । उनका कहना है कि ये चमचत्व की पराकाष्ठा है जबकि आतिशी कहतीं हैं कि वे दिल्ली में भरत राज का अनुकरण कर रहीं हैं। कलियुग में भरत राज का अनुकरण अविश्वनीय है,क्योंकि यहां तो भरत के रूप में चम्पाई सोरेन का उदाहरण हैं जो सत्ता कि लालच में अपने ही दल को लात मार चुके हैं। आतिशी चम्पाई सोरेन नहीं हैं,आतिशी है। उनका सम्मान किया जाना चाहिए। नफरत की आग भाजपा की कलाकार संसद सुश्री कंगना रावत कि दिल में भी धधक रही है। वे भी सन्निपात की शिकार दिखाई देतीं है। वे कब ,क्या बोलेंगीं ये उनका दल भाजपा भी नहीं जानता और इसीलिए कुछ दिन पहले ही कंगना कि एक बयान से भाजपा ने अपने आप को लग कर लिया था । अब वही कंगना रनौत फिर सुर्ख़ियों में है। उन्होंने कहा है कि -हिमाचल प्रदेश सरकार कर्ज लेती है और पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी की गोद में डाल देती है। इस तरह वह कांग्रेस की झोली भर रही है। सोनिया गांधी ने राज्य के खजाने को खोखला कर दिया है और हिमाचल की ये दुर्दशा हुई है। हिमाचल के बच्चों के भविष्य पर कुल्हाड़ी मारी जा रही है। यह देखकर उन्हें बहुत दुख होता है।उनका दु:ख कब सुख में बदलेगा हम और आप नहीं जानते। हरियाणा कांग्रेस की वरिष्ठ नेता कुमारी शैलजा भी इस समय अपनी पार्टी और भाजपा की नफरत का शिकार है। नाराज हैं। चुनाव प्रचार में नजर नहीं आ रही। भाजपा ने उन्हें कांग्रेस छोड़ भाजपा में आने का न्यौता दिया है लेकिन सैलजा ने बिभीषण बनने से इंकार कर दिया है । उनका कहना है कि उनकी देह कांग्रेस कि झंडे में ही लिपटकर विदा होगी । ऐसा समर्पण अब कहाँ देखने को मिलता है। नफरत की राजनीति कि शिकार देश कि अल्पसंख्यक भी हैं और वे लोग भी जो तिरुपति तिरुमला देवस्थान में लड्डुओं के लिए देशी घी के नाम पर कुछ और सप्लाई करते आये हैं। लेकिन इस नफरत से किसका नुक्सान है और किसका फायदा ये समझना बहुत कठिन है। इसलिए मै बार-बार कहता हूँ कि श्राद्ध पक्ष में पितरों कि साथ उन लोगों कि लिए भी दान-पुण्य करना चाहिए जो नफरत की गिरफ्त में है। नफरत से मोक्ष दिलाने कि लिए कोई नया विधि-विधान आवश्यक हो तो उसका भी इस्तेमाल किया जा सकता है। क्योंकि मेरी मान्यता है कि जब तक समाज में देश में,दुनिया में नफरत है कोई सुख से नहीं रह सकता । न गरीब और न अमीर। सुख की जरूरत सभी को है ,नफरत से मुहब्बत करने वाले लोग बहुत कम हैं और अब दुनिया में हर जगह उनकी शिनाख्त हो चुकी है । नफरत से मुहब्बत करने वाले अल्पसंख्या में हैं ,इसलिए उनसे डरने की नहीं सावधान रहने की जरूरत है।

देश के अल्पसंख्यकों से नफरत करने वाली इकलौती राजनितिक पार्टी भाजपा कुर्सी कि लालच में जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनावों में अल्पसंख्यकों कि प्रति उदारता दिखती नजर आ रही है । भाजपा के बड़े नेता और इस दशक के सरदार पटेल हमारे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह साहब ने घाटी कि मुसलमानों को ईद और मोहर्रम पर रसोई गैस कि दो सिलेंडर मुफ्त देने का वादा कर अपने कांग्रेसी होने का एक और प्रमाण दे दिया है । कांग्रेस पर यही भाजपा अल्पसंख़्यकों के तुष्टिअकरण की नीति अपनाने का आरोप लगाती आयी है ,लेकिन अब खुद अल्पसंख्यकों का तुष्टिकरण करने कि लिए विवश है। लेकिन ये अच्छी खबर है श्राद्ध पक्ष में भाजपा का दिल कुछ तो बदला।

(चिंतन-मनन)

ध्वनि तंरगों से रोगें का उपचार

यह बात जान कर आप सभी को आश्चर्य होगा की ध्वनि तंरगें से भी रोगों के उपाच होते है। यह विश्व जीवों से भरा है। ध्वनि तंरगों की टकराहट से सुक्ष्म जीव मर जाते है, रात्री में सूर्य की पराबैगनी किरणां के अभाव में सूक्ष्म जीव उत्पन्न होते है जो ध्वनि तरगों की टकराहट से मर जाते है। ध्वनि तरगों से जीवों के मरने की खोज सर्वप्रथम बर्लिन विश्वविधालय में 1928 में हुई थी। शिकागों के डॉ.ब्राइन ने ध्वनि तरगों से जीवों के नष्ट होने की बात सिद्ध की है। आधुनिक वैज्ञानिकों ने सिद्ध किया कि शंख और घण्टा की ध्वनि लहरों से 27 घन फुट प्रति सेकिंड वायु शक्ति वेग से 1200फुट दूरी के बैक्टीरिया नष्ट हो जाते है। पूर्व में मंदिरों का निमार्ण गुम्वजाकार होता था दरवाजे छोटे होते थे अन्दर की ध्वनि बाहर नही निकलती थी, बाहर की ध्वनि अन्दर प्रवेश नही करती थी। मन्दिर में एक ईष्ट देव की प्रतिमा, एक दीपक, एक घण्टा, शंख होता था। यहां कोई भी रोगी श्रद्धा से जाता घण्टा या शंख ध्वनि कर दीप जलता बैठ कर श्रद्धा से प्रार्थना भक्ति करता, मौन ध्यान करता। रोंगों के ठीक होने की कामना करता वह ठीक हो जाता था। इसका बैज्ञानिक कारण घण्टा -शंख ध्वनि भक्ति प्रार्थना की ध्वनि तंरगें बाहर न जाकर गुम्वजाकार शिखर से टकराकर शरीर से टकराती जिससे शरीर के रोगाणु नष्ट हो जाते रोग ठीक हो जाते। आज भी पुराने मंदिरों में यह होता है। इसलिये सीमित मात्रा में बोलना ठीक है। ध्वनि ज्यादा मात्रा में प्रदूषण का रूप ले लेती है, जो शारीरिक एवं मानसिक दृष्टि से हानिकारक होती है। मौन रहने में ही सुख एवं सुख मय जीवन है।

विचार मंथन

एआई आधारित टेक कंपनियों की नजर भारत पर

(लेखक- सनत जैन)

भारत के प्रधानमंत्री अमेरिका की यात्रा पर गए थे। न्यूयॉर्क के मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलॉजी की ओर से गोलमेज सम्मेलन आयोजित किया गया था। इसमें अमेरिका की 15 टेक कंपनियों के सीईओ ने भाग लिया। सभी कंपनियों का फोकस प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ऊपर था। भविष्य में एआई तकनीकी पर आधारित सेवाओं पर टेक कंपनियों को अरबों खरबों रुपए की कमाई भारत से होने जा रही है। इसको लेकर विश्व भर की सभी टेक कंपनियां भारत के साथ अपने व्यापार और व्यवसाय को बढ़ाने के लिए सरकार पर दबाव बना रही हैं। एआई रिसर्च के मामले में चीन अभी सबसे आगे है। दूसरे स्थान पर अमेरिका है। भारत का नंबर तीसरा है। अमेरिका की कंपनियां एआई तकनीकी के माध्यम से भारत में अपना व्यवसाय बढ़ाने के लिए प्रयासरत हैं। भारत की आबादी, भारत की सबसे बड़ी पूंजी है। अभी एआई तकनीकी का काम ठीक तरह से शुरू भी नहीं हुआ है। इसके बाद भी हर माह अरबो रुपए की कमाई विदेशी कंपनियां भारत से कर रही। चैट जीपीटी और गूगल के कई टूल्स भारत में विभिन्न कंपनियों द्वारा मासिक सब्सक्रिप्शन के आधार पर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। 1500 रुपए से लेकर ढाई हजार रुपए तक के विभिन्न किस्म के सब्सक्रिप्शन देकर प्रतिमाह अरबों रुपए की कमाई विदेशी कंपनियां करने लगी हैं। एआई तकनीकी अभी प्रारंभिक दौर में है। अगले कुछ ही वर्षों में सभी क्षेत्रों में एआई तकनीकी का उपयोग बड़े पैमाने पर जब होना शुरू हो जाएगा। उस समय टेक कंपनियों के लिए भारत सबसे बड़ा बाजार होगा। गूगल और एनवीडीया सहित कई बड़ी-बड़ी दिग्गज कंपनियां भारत सरकार के विकास की तारीफ करते हुए भारत में अपने व्यवसाय को बढ़ाने की हर संभव कोशिश कर रही हैं। प्रधानमंत्री की अमेरिका यात्रा के दौरान वहां की टेक कंपनियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ अपनी नजदीकियां बढ़ाने के लिए हर संभव प्रयास की हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी कंपनियों से कहा है, अगले दो वर्षों में एआई तकनीकी के 85000 से अधिक इंजीनियर और टेक्नीशियन को भारत तैयार करना चाहता हैं। भारत सरकार अनुसंधान और विकास के मामले में भी सहयोग करने के लिए तैयार है। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका यात्रा में टेक कंपनियों के गोलमेज सम्मेलन में भारत में ज्यादा निवेश करने का भरोसा टेक कंपनियों ने दिया हैं। भारत में अभी एआई तकनीकि और सेवाओं को लेकर कोई कानून तैयार नहीं हुए हैं। संयुक्त राष्ट्र संघ एआई तकनीकी को लेकर नियम और कानून बनाने पर विचार विमर्श कर रही है। अभी एआई तकनीकि शुरुआती दौर में हैं। भारत में जिस तरह से ऑनलाइन सेवाओं का विस्तार पिछले वर्षों में हुआ है। मोबाइल और इंटरनेट की कनेक्टिविटी जिस तरह से भारत में बढ़ी है। उसके कारण दुनिया भर की टेक कंपनियां, यह मानकर चल रही है। एआई तकनीकी आधारित सेवाओं के शुरू होने पर भारत दुनिया का सबसे बड़ा बाजार होगा। इसलिए बड़ी-बड़ी कंपनियां भारत मैं बड़े पैमाने पर निवेश करने के लिए प्रयासरत हैं। दुनिया में जिस तरह से आर्थिक मंदी की आहट देखने को मिल रही है। एआई तकनीकी आने के बाद बेरोजगारी और भी बढ़ने की बात कहीं जा रही है। मानवीय सेवाओं का स्थान अब रोबोट और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की सहायता से होने पर, बेरोजगारी बढ़ना तय है। भारत की युवा आबादी सबसे ज्यादा है। भारत में बेरोजगारी की दर भी दुनिया में सबसे ज्यादा है। ऐसी स्थिति में एआई तकनीकी के फायदे भारत को कम और विदेशी कंपनियों को आर्थिक लाभ ज्यादा होंगे। भारत अपनी बेरोजगारी की समस्या से किस तरह से निपटेगा। इसका कोई उपाय भारत सरकार ने नहीं सोचा है। विदेशी कंपनियों के दबाव में भारत सरकार को ऐसा लग रहा है। एआई तकनीकी का उपयोग बढ़ने से भारत का तेजी के साथ विकास होगा। आर्थिक विशेषज्ञों के अनुसार ऐसा होना संभव नहीं है। शुरुआती दौर में ही जिस तरह टेक कंपनियों द्वारा मनमाना सब्सक्रिप्शन वसूल किया जा रहा है। उससे टेक कंपनियों को आर्थिक रूप से बहुत बड़ा फायदा होगा। भारत में एआई तकनीकी को सीखने और उपयोग में लाने से हर माह अरबो रुपए भारतीय उपभोक्ता खर्च कर रहे हैं। भारतीय युवा एआई तकनीकी पर निर्भर होने के कारण मानसिक दुष्प्रभाव भी आगे चलकर देखने को मिलेंगे। भारत सरकार को बड़ी गंभीरता के साथ इस मामले में निर्णय करना होगा।

कार्डियोलॉजिस्ट बनकर रखें लोगों के दिलों का ख्याल

एक बेहतरीन हृदय रोग विशेषज्ञ बनने के लिए छात्रों के पास ना सिर्फ चिकित्सा और विज्ञान में संबंधित ज्ञान होना चाहिए, बल्कि रोगियों की सेवा करने, दूसरों के प्रति दया करने, आत्म-प्रेरित होने और चिकित्सा शिक्षा और अभ्यास के लंबे समय तक जीवित रहने में सक्षम होना चाहिए। हृदय हमारे शरीर का एक बेहद महत्वपूर्ण आंतरिक अंग है और एक हेल्दी लाइफस्टाइल जीने के लिए जरूरी है कि आप इसका पूरी तरह ख्याल रखें।

आमतौर पर लोग अपने दिल का ख्याल रखने के लिए खानपान से लेकर अन्य कई उपाय अपनाते हैं, लेकिन फिर भी कई बार लोगों को कुछ समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इस स्थिति में व्यक्ति को कार्डियोलॉजिस्ट को कंसल्ट करने की जरूरत पड़ती है। कार्डियोलॉजी चिकित्सा का एक प्रभाग है जो हृदय विकारों से संबंधित निदान और उपचार से संबंधित है। दिल के विकारों से निपटने वाले चिकित्सा चिकित्सकों को आमतौर पर कार्डियोलॉजिस्ट या हृदय रोग विशेषज्ञ कहा जाता है।

चिकित्सा विज्ञान की इस शाखा का बेहद महत्व है और अगर आप चाहें तो इस दिशा में अपना कदम बढ़ा सकते हैं-

क्या होता है काम

एक हृदय रोग विशेषज्ञ हृदय, धमनियों और नसों का डॉक्टर है। एक्सपर्ट्स के अनुसार, हृदय रोग विशेषज्ञ हृदय की विफलता, जन्मजात हृदय दोष और कोरोनरी धमनी रोग का निदान और उपचार प्रदान करते हैं। इसमें धमनियों के संकीर्ण होने, हृदय के वाल्व में समस्याएं, मांसपेशियों के ऊतकों को नुकसान और पेरिकार्डियम के विकार के कारण प्रतिबंधित परिसंचरण के कारण होने वाली समस्याएं शामिल हैं।

स्किल्स

एजुकेशन एक्सपर्ट्स का मानना है कि एक बेहतरीन हृदय रोग विशेषज्ञ बनने के लिए छात्रों के पास ना सिर्फ चिकित्सा और विज्ञान में संबंधित ज्ञान होना चाहिए, बल्कि रोगियों की सेवा करने, दूसरों के प्रति दया करने, आत्म-प्रेरित होने और चिकित्सा शिक्षा और अभ्यास के लंबे समय तक जीवित रहने में सक्षम होना चाहिए।

कार्डियोलॉजिस्ट बनने के लिए अनुशासन, धैर्य, उत्कृष्टता के लिए प्रतिबद्धता और आत्मविश्वास का होना भी उतना ही आवश्यक है। उनके पास जीवन की खतरनाक स्थितियों में निर्णय लेने की क्षमता होनी चाहिए। कैरियर कोच कहते हैं कि हृदय रोग विशेषज्ञ को भी आहार और व्यायाम विशेषज्ञ भी होना चाहिए।

योग्यता

एक कार्डियोलॉजिस्ट बनने के लिए एमबीबीएस की डिग्री के अलावा कई सालों की प्रैक्टिस, लाइसेंस व बोर्ड सर्टिफिकेशन होना चाहिए। कार्डियोलॉजिस्ट बनने के लिए एमडी/एमएस या डीएनबी की डिग्री लेने के बाद इस क्षेत्र में स्पेशलाइजेशन के लिए डीएम इन कार्डियोलॉजी की डिग्री लेनी होगी। इस डिग्री की अवधि लगभग तीन साल की होती है।

अवसर

कॅरियर काउंसलर के अनुसार, एक प्रोफेशनल कार्डियोलॉजिस्ट के लिए अवसरों की कोई कमी नहीं है। आप सरकारी या प्राइवेट हास्पिटल में बतौर डॉक्टर काम कर सकते हैं। इसके अलावा आप कार्डियक रिहैबिलेशन सेंटर या क्लीनिक टेस्टिंग सेंटर्स में भी काम कर सकते हैं। वहीं आप खुद की प्रैक्टिस भी शुरू कर सकते हैं और खुद का क्लीनिक खोल सकते हैं। जो कार्डियोलॉजिस्ट पढ़ाना पसंद करते हैं, वे मेडिकल कॉलेजों में बतौर लेक्चरर भी अपनी सेवाएं दे सकते हैं।

आमदनी

एक कार्डियोलॉजिस्ट की आमदनी उसके अनुभव व भौगोलिक स्थान पर मुख्य रूप से निर्धारित होती है। जो कार्डियोलॉजिस्ट शहर में काम करते हैं, उन्हें अपेक्षाकृत अधिक सैलरी मिलती है, वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में आमदनी का स्तर कम हो सकता है। हालांकि अगर आप किसी सरकारी अस्पताल में बतौर फ्रेशर काम शुरू करते हैं, तब भी शुरुआती दौर में आप 25000 रुपए आसानी से कमा सकते हैं। जबकि निजी अस्पतालों में वेतन अधिक हो सकता है। वहीं कुछ वर्षों के अनुभव के बाद आपकी आमदनी लाखों में हो सकती है।

प्रमुख संस्थान

- गोविंद वल्लभ पंत इंस्टीट्यूटी ऑफ पोस्ट ग्रेजुएट मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च, नई दिल्ली
- रविन्द्रनाथ टैगोर इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ कार्डियक साइंस, कोलकाता
- मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज, नई दिल्ली
- ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस, नई दिल्ली
- आर्म्ड फोर्स मेडिकल कॉलेज, पुणे
- संजय गांधी पोस्टग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस, लखनऊ

फॉरेंसिक साइंस के क्षेत्र में कॅरियर कैसे बनाएं? कोर्स, जॉब और सैलरी

फॉरेंसिक साइंस की फील्ड में काम करने वाले प्रोफेशनल फॉरेंसिक साइंस साइंटिस्ट या फॉरेंसिक साइंस एक्सपर्ट्स कहलाते हैं। फॉरेंसिक साइंस साइंटिस्ट्स टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करके क्राइम स्पॉट पर मौजूद सबूतों की जाँच करते हैं और अपराधियों को पकड़ने में मदद करते हैं। इसके लिए वे क्राइम सीन, ब्लड सैंपल, डीएनए प्रोफाइलिंग आदि की जांच करते हैं।

फॉरेंसिक साइंस का इस्तेमाल आपराधिक मामलों की जांच और कानूनी प्रक्रियाओं के लिए किया जाता है। फॉरेंसिक साइंस में केमिस्ट्री, बायोलॉजी, फिजिक्स, जियोलोजी, साइकोलॉजी, सोशल साइंस, इंजीनियरिंग आदि फील्ड्स शामिल होती हैं। इस फील्ड में काम करने वाले प्रोफेशनल फॉरेंसिक साइंस साइंटिस्ट या फॉरेंसिक साइंस एक्सपर्ट्स कहलाते हैं। फॉरेंसिक साइंस साइंटिस्ट्स टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करके क्राइम स्पॉट पर मौजूद सबूतों की जाँच करते हैं और अपराधियों को पकड़ने में मदद करते हैं। इसके लिए वे क्राइम सीन, ब्लड सैंपल, डीएनए प्रोफाइलिंग आदि की जांच करते हैं।

कोर्स

फॉरेंसिक साइंस में करियर बनाने के लिए 12वीं में साइंस होनी जरूरी है। आप फोरेंसिक साइंस एंड क्रिमिनोलॉजी या फॉरेंसिक साइंस एंड लॉ में एक वर्षीय डिप्लोमा कर सकते हैं। आप फॉरेंसिक साइंस 3 साल की बीएससी, 2 साल की एमएससी भी कर सकते हैं। इस फील्ड में स्पेशलाइजेशन और रिसर्च करने के इच्छुक हों तो फॉरेंसिक साइंस में पीएचडी और एमफिल भी कर सकते हैं।

जरूरी स्किल्स

एक फॉरेंसिक साइंस साइंटिस्ट को जिज्ञासु होना चाहिए और साहसिक कार्यों में दिलचस्पी होनी चाहिए। इस फील्ड में हर कदम पर चुनौती है इसलिए आपको दिमागी तौर पर मजबूत होना जरूर है। इसके साथ ही आपके अंदर मजबूत कम्युनिकेशन स्किल्स होना भी बेहद जरूरी है। एक फॉरेंसिक साइंस साइंटिस्ट को कई तरह की टेस्ट रिपोर्ट लिखनी होती हैं इसलिए आपकी राइटिंग स्किल्स भी अच्छी होनी चाहिए।फॉरेंसिक साइंस साइंटिस्ट को सबूतों की जाँच करनी होती है इसलिए आपको एकाग्रता और सतर्कता के साथ काम करना आना चाहिए।

कहां मिलेगी नौकरी

इस फील्ड में सरकारी और प्राइवेट जॉब्स की भरमार है। फॉरेंसिक साइंस में डिग्री हासिल करने के बाद आपको पुलिस, लीगल सिस्टम, इंवेस्टिगेटिव सर्विस जैसी जगहों पर जॉब मिल सकती है। वहीं, कोई प्राइवेट एजेंसी भी आपको बतौर फॉरेंसिक साइंटिस्ट्स जॉब ऑफर कर सकती है। अगर आप में योग्यता है तो आपको फॉरेंसिक साइंटिस्ट इंटेलि?जेंस ब्यूरो और सीबीआई में भी नौकरी का अवसर प्राप्त हो सकता है। इसके अलावा आप किसी फॉरेंसिक साइंस शिक्षण संस्थान में टीचर के रूप पढ़ा कर अच्छी सैलरी कमा सकते हैं।

सैलरी

योग्यता के आधार पर आपको शुरुआत में 20-50 हजार रुपये प्रतिमाह तक सैलरी मिल सकती है। समय के साथ अनुभव होने पर आप 6 से 8 लाख रुपये तक महीना कमा सकते हैं।

विदेशों में स्कॉलरशिप के लिए अप्लाई करने से पहले इन बातों का रखें ध्यान

विदेशों से हायर एजुकेशन प्राप्त करना कई लोगों की टू-डू लिस्ट में शामिल होता है। कई लोग इसे प्राप्त कर लेते हैं और कई लोग इसे प्राप्त करने से वंचित भी रह जाते हैं। विदेशों से हायर एजुकेशन की पढ़ाई करने पर जीवन में कई अवसर मिलते हैं। हालांकि हायर एजुकेशन जितने बेहतर अवसर देता है उतना ही खर्चीला भी है। विदेशों में पढ़ाई करने के लिए एक बेहतर प्लानिंग की आवश्यकता होती है साथ ही आवश्यकता होती है नॉलेज की। उसी नॉलेज और प्लानिंग में से एक है स्कॉलरशिप के लिए अप्लाई करना। जब स्कॉलरशिप की बात आती है तो हमें कई बातों को ध्यान में रखना पड़ता है। आइए जानते हैं कुछ महत्वपूर्ण बातों को जिन्हें स्कॉलरशिप प्राप्त करने से पहले ध्यान में रखना पड़ता है।

स्ट्रांग प्रोफाइल बनाएं

हालांकि स्कॉलरशिप के लिए एकेडमिक स्ट्रेन्थ आवश्यक है। अगर मास्टर्स करने का आप प्लान बना रहे हैं तो आपका जीपीए 70 से अधिक है तो स्कोर बेहतर माना जाता है। लेकिन केवल इतना ही आवश्यक नहीं है। स्कॉलरशिप के लिए अप्लाई करते वक्त इस बात का ध्यान रखें कि आपका प्रोफाइल बेहद स्ट्रांग होना चाहिए। इसके लिए आप इसमें एक्स्ट्रा करिकुलम एक्टिविटी जैसे स्पोर्टस, म्यूजिक, ड्रामा इत्यादि की डिटेल जरूर लिखें। इससे आपका प्रोफाइल बेहद स्ट्रांग बनेगा।

यूनिवर्सिटी स्कॉलरशिप से आगे बढ़कर सोचें

ध्यान रखें कि विदेशों में पढ़ने के लिए केवल यूनिवर्सिटी ही नहीं बल्कि कई संस्था स्कॉलरशिप प्रदान करती है। ये स्कॉलरशिप सरकारी के साथ-साथ प्राइवेट संस्थाओं द्वारा भी दिया जाता है। अगर आप भारत में हैं तो कई संस्था जैसे टाटा आपको विदेश में पढ़ने के लिए स्कॉलरशिप देगी। इसके साथ ही अगर आप विदेश में हैं तो वे देश भी विदेशों छात्रों के लिए कई स्कॉलरशिप प्लान पर कार्य करता है। इन स्कॉलरशिप के बारे में दोनें देशों के एजुकेशन डिपार्टमेंट से जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

कोर्स से पहले कर दें अप्लाई

आप जो कोर्स करना चाहते हैं उसके शुरू होने से 18 महीने पहले आप अप्लाई करने की प्रक्रिया शुरू कर दें। ऐसा इसलिए क्योंकि आवेदन करने के बाद डॉक्यूमेंट सबमिशन और वेरिफिकेशन में काफी वक्त लगता है। ऐसे में आपको समय पर स्कॉलरशिप भी मिल जाएगा और कोर्स में भी कोई समस्या नहीं होगी।

एप्लीकेशन का कराएं रिव्यू

एप्लीकेशन फॉर्म भरने के बाद यह सबसे बेहतर आइडिया है कि उसका रिव्यू करा लिया जाए। रिव्यू कराने से एप्लीकेशन की कमियां सामने आएगी और उसके बाद सुधार किया जा सकेगा। अपना एप्लीकेशन और डॉक्यूमेंट लें और उसे किसी प्रोफेशनल के पास ले जाएं। ये प्रोफेशनल आपके शिक्षक या कोई अन्य एक्सपर्ट भी हो सकते हैं। इससे आपको रिव्यू मिलेगा और आप एप्लीकेशन में सुधार कर पाएंगे।

अधिक से अधिक रियल रहने का प्रयास करें

जब एप्लीकेशन लिखे तो ज्यादा से ज्यादा रियल रहने का प्रयास करें। यूनिवर्सिटी में आप खुद को निखारने और खुद को बेहतर बनाने के लिए जाते हैं इसी कारण एप्लीकेशन में खुद को ज्यादा बढ़ा-चढ़ा कर ना लिखें। जो हैं वह ईमानदारी के साथ लिखें और अपने स्किल, पैशन और इंटरेस्ट आदि के विषय में लिखें।

पेंट टेक्नोलॉजिस्ट बनकर कॅरियर को दें एक रंगीन दिशा

एक पेंट टेक्नोलॉजिस्ट अलग-अलग एप्लीकेशन के लिए विभिन्न पेंट की उपयुक्तता की पहचान और मूल्यांकन करता है। पेंट टेक्नोलॉजिस्ट ग्राहकों को पेंट के सही उपयोग के बारे में समझाता है और उत्पादों के लिए नए बाजारों की पहचान करता है। रंगों का जीवन से एक गहरा नाता है। रंगों के बिना दुनिया की कल्पना भी नहीं की जा सकती। कपड़ों से लेकर घर तक हर जगह तरह-तरह के रंगों का इस्तेमाल किया जाता है। लेकिन क्या आपने कभी इन्हीं रंगों में अपना करियर बनाने की सोची है। अगर नहीं, तो अब आप इस क्षेत्र में भी अपना भविष्य बना सकते हैं। जी हां, पेंट टेक्नोलॉजी एक ऐसा ही क्षेत्र है। अगर आप भी चाहें तो इस क्षेत्र में अपना सफल भविष्य बना सकते हैं। तो चलिए विस्तार से जानते हैं इस क्षेत्र के बारे में

क्या है पेंट टेक्नोलॉजी

पेंट टेक्नोलॉजी एक ऐसा क्षेत्र है, जिसमें पेंट बनाने के लिए इस्तेमाल होने वाले विभिन्न इंग्रीडिएंट जैसे रॉल, पॉलिमर व पिगमेंट आदि के बारे में अध्ययन किया जाता है। पेंट टेक्नोलॉजी में, विभिन्न प्रकार के पेंट, उनके निर्माण, विभिन्न प्रकार के पेंट के उपयोग और पेंट के अनुप्रयोग के लिए उपयोग की जाने वाली तकनीकों के बारे में अध्ययन किया जाता है। इस विषय क्षेत्र में स्नातक करने वालों को पेंट टेक्नोलॉजिस्ट के रूप में जाना जाता है।

क्या होता है काम

एक पेंट टेक्नोलॉजिस्ट अलग-अलग एप्लीकेशन के लिए विभिन्न पेंट की उपयुक्तता की पहचान और मूल्यांकन करता है। पेंट टेक्नोलॉजिस्ट ग्राहकों को पेंट के सही उपयोग के बारे में समझाता है और उत्पादों के लिए नए बाजारों की पहचान करता है। उनके काम में पेंट के नए रंग और बनावट विकसित करना, पेंट एप्लीकेशन के लिए नई तकनीक को विकसित करना आदि शामिल हैं। सरल भाषा में, वे नए उत्पादों को विकसित करने के साथ-साथ उन उत्पादों के गुणों को बढ़ाने और उन्नत करने के लिए जिम्मेदार हैं जो पहले से ही विकसित किए गए हैं।

पर्सनल स्किल्स

एक पेंट टेक्नोलॉजिस्ट को रंगों से बेहद प्यार होना चाहिए। साथ ही उसमें कई तरह के एक्सपेरिमेंटल स्किल्स भी होने चाहिए, ताकि वह नए रंगों के साथ-साथ उनके टेक्टचर को भी बेहतर बना सके। एक पेंट टेक्नोलॉजिस्ट को मेहनती होना चाहिए। इसके अलावा, आपमें अच्छी संचार कौशल और टीम भावना होनी चाहिए, क्योंकि आपको इस उद्योग में अन्य पेशेवरों के साथ मिलकर काम करने की आवश्यकता होगी। साथ ही विभिन्न विभागों में टीमों का नेतृत्व करने के लिए पेंट टेक्नोलॉजिस्ट में प्रबंधकीय कौशल भी आवश्यक है।

योग्यता

इस क्षेत्र में कदम रखने के लिए आपको बीटेक इन पेंट टेक्नोलॉजी करना होगा। बीटेक के बाद आप एमटेक कर सकते हैं। अधिकांश संस्थानों द्वारा पेंट इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों को केमिकल इंजीनियरिंग में एक विषय के रूप में भी पेश किया जाता है।

संभावनाएं

पेंट उद्योग के विभिन्न विभागों में पेंट टेक्नोलॉजिस्ट की आवश्यकता होती है। वे पेंट निर्माण कंपनियों के किसी भी विभाग में काम पा सकते हैं। पेंट उद्योग मुख्य रूप से ऑटोमोबाइल और रियल एस्टेट उद्योग पर निर्भर है। कई बड़ी-बड़ी पेंट मैन्युफैक्चरिंग कंपनियां जैसे एशियन पेंट्स इंडिया लिमिटेड, शालीमार पेंट्स, बर्जर पेंट्स इंडिया लिमिटेड, नेरोलैक पेंट्स लिमिटेड आदि में पेंट टेक्नोलॉजिस्ट की हमेशा ही जरूरत होती है। पेंट टेक्नोलॉजिस्ट ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री, होम फर्निशिंग इंडस्ट्री आदि में भी कार्य कर सकते हैं।

आमदनी

इस क्षेत्र में वेतन आपके अनुभव और उस सेक्टर पर निर्भर करता है, जिसके लिए आप काम कर रहे हैं। इस क्षेत्र में शुरुआत करने वाले व्यक्ति प्रारंभ में 1,25000 रुपए से 2,00000 रुपए प्रति वर्ष कमा सकते हैं। इसके अलावा अगर आप किसी प्रतिष्ठित ब्रांड के साथ काम कर रहे हैं तो आपको आकर्षक वेतन मिल सकता है। वहीं, अनुभव बढ़ने के साथ-साथ आपका वेतन भी बढ़ता जाता है।

प्रमुख संस्थान

हरकोर्ट बटलर तकनीकी विश्वविद्यालय, कानपुर
यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ केमिकल टेक्नोलॉजी, जलगांव, महाराष्ट्र
गार्वियर इंस्टीट्यूट ऑफ कॅरियर एजुकेशन एंड डेवलपमेंट, सांताक्रूज, महाराष्ट्र
लक्ष्मीनारायण इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, नागपुर

देश से रत्न और आभूषण के निर्यात में 18 फीसदी गिरावट

नई दिल्ली । दुनिया भर में कमजोर मांग की वजह से देश से रत्न और आभूषण के निर्यात में गिरावट देखी गई है। आंकड़ों के अनुसार अगस्त 2024 में सालाना आधार पर रत्न-आभूषण निर्यात 18 फीसदी घटकर 2.01 अरब डॉलर रह गया। जबकि अगस्त 2023 में यह 2.47 अरब डॉलर था। रत्न आभूषण निर्यात संवर्धन परिषद के मुताबिक मासिक आधार पर निर्यात में तेजी देखने को मिली है। जुलाई में देश से 1.66 अरब डॉलर मूल्य के रत्न आभूषणों का निर्यात किया गया था। परिषद ने कहा है कि अमेरिका और चीन जैसे बाजारों में निर्यात बढ़ाने के प्रयास करने होंगे।

एचडीएफसी बैंक ने एचडीबी फाइनेंशियल के आईपीओ को दी मंजूरी

मुंबई । एचडीएफसी बैंक ने एचडीबी फाइनेंशियल सर्विसेज के आईपीओ को मंजूरी दे दी है, जिसमें कंपनी 2,500 करोड़ रुपए के नए इक्विटी शेयर जारी करेगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक इस इश्यू का वैल्यूएशन 7-8 बिलियन डॉलर तक पहुंच सकता है और यह दिसंबर तक सूचीबद्ध हो सकता है। एचडीबी फाइनेंशियल सर्विसेज एक प्रमुख गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी है, जो रिटेल और कॉरपोरेट सेक्टर में सिक्योर्ड और अनसिक्योर्ड लोन की विभिन्न श्रेणियों में सेवाएं प्रदान करती है। आईपीओ के लिए भारतीय रिजर्व बैंक की मंजूरी जरूरी है, खासकर अक्टूबर 2022 के सर्कुलर के बाद, जब इसे अपर लेयर एनबीएफसी कैटेगरी में रखा गया था। एचडीएफसी बैंक की एचडीबी फाइनेंशियल सर्विसेज में 94.64 फीसदी हिस्सेदारी है। फिलहाल, आईपीओ के लिए बैंकरों का चयन किया जा रहा है। इसमें मॉर्गन स्टेनली, बैंक ऑफ अमेरिका, नोमुरा, आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज, एक्सिस कैपिटल और आईआईएफएल जैसी प्रमुख फर्मों को शामिल किया जा रहा है।

गोवा में मंत्रियों की बैठक में होगी जीएसटी दरों की समीक्षा

नई दिल्ली । बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की अध्यक्षता में छह सदस्यीय मंत्रियों का समूह गोवा में मंगलवार और बुधवार को जीएसटी दरों की समीक्षा करेगा। उर्वरक, हैंडलूम और टेक्सटाइल सहित 100 से अधिक उत्पादों पर कर दरों को लेकर चर्चा की जाएगी। इस पैनल की सिफारिशें नवंबर में होने वाली 55वीं वस्तु एवं सेवा कर काउंसिल की बैठक में पेश की जाएंगी। बैठक में रियल एस्टेट से जुड़े मामलों पर भी चर्चा होगी, जिसमें एक मुआवजा योजना भी शामिल हो सकती है, जो इस सेक्टर पर गहरा प्रभाव डाल सकती है। इस मामले से सीधे तौर पर जुड़े एक सूत्र के मुताबिक इस बैठक में 90-100 उत्पादों की दर को तार्किक बनाने के असर की समीक्षा किए जाने की उम्मीद है। समिति में उत्तर प्रदेश के वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना, राजस्थान के स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह खीमसर और केरल के वित्त मंत्री के.एन. बालगोपाल शामिल हैं। वर्तमान में जीएसटी का चार-स्तरीय कर ढांचा है जिसमें 5, 12, 18 और 28 प्रतिशत की दरें हैं। आवश्यक वस्तुओं पर या तो छूट दी गई है या उन्हें सबसे निचली दर पर टैक्स किया गया है, जबकि विलासिता और हानिकारक वस्तुओं पर उच्चतम 28 फीसदी की दर लागू होती है और उन पर अतिरिक्त उपकर भी लगाया जाता है। कुछ उत्पादों की दरों में बदलाव संभव हो सकता है लेकिन 12 और 18 फीसदी की दरों को मिलाना या 12 और 5 फीसदी की दरों को मिलाने जैसे बड़े सुधारों में समय लग सकता है।

निसान मैग्नाइट की मामूली अपडेट के साथ लॉन्च होने की उम्मीद

नई दिल्ली ।

अगले महीने यानि की अक्टूबर में निसान मैग्नाइट फेसलिफ्ट के मामूली अपडेट के साथ लॉन्च होने की उम्मीद है। इस अपडेट का उद्देश्य एसयूवी को और अधिक आकर्षक बनाना है। लॉन्च के बाद से निसान मैग्नाइट में ज्यादा बदलाव नहीं हुए हैं, इसलिए अब यह एक सही समय है जब इस एसयूवी को एक मेकओवर मिल सकता है। हालांकि निसान एक प्रमुख वैश्विक कार ब्रांड है, लेकिन भारतीय पैसेंजर व्हीकल बाजार में इसे ज्यादा सफलता नहीं मिली है। कम बिक्री के कारण निसान को अपनी भारतीय लाइनअप को सीमित करना पड़ा है और अब कंपनी केवल दो मॉडल्स बेचती है - एक कॉम्पैक्ट और किफायती एसयूवी मैग्नाइट और दूसरी प्रीमियम ऑफरिंग एक्स-ट्रैल। इस स्थिति में निसान मैग्नाइट कंपनी के लिए महत्वपूर्ण कार बन गई है, जिसने कंपनी को बाजार में बनाए रखा है। इसी वजह से निसान अब इसका फेसलिफ्ट मॉडल पेश करने की तैयारी कर रहा है, जिसमें कई नई चीजें देखने को मिलेंगी।रिपोर्ट्स के अनुसार, 2024 निसान मैग्नाइट में नए रेडिएटर ग्रिल, फिर से डिजाइन किए गए हेडलैंप, अपडेटेड एलईडी डे-लाइट रनिंग लाइट्स, और नए डिजाइन के फ्रंट और रियर बंपर के रूप में कॉस्मेटिक बदलाव होंगे। इसके अलावा, नई डिज़ाइन के अलॉय व्हील्स और टेललाइट्स भी देखने को मिल सकती हैं। हालांकि, इसके डायमेंशन्स में बदलाव की उम्मीद नहीं है। 2024 निसान मैग्नाइट के इंजन में ज्यादा बदलाव नहीं होंगे। यह मौजूदा मॉडल के इंजन सेट के साथ ही आएगी, जिसमें 1.0-लीटर तीन-सिलेंडर नैचुरली एस्पिरेटेड पेट्रोल इंजन और 1.0-लीटर टर्बोचार्ज्ड पेट्रोल इंजन शामिल हैं। नैचुरली एस्पिरेटेड इंजन 5-स्पीड मैनुअल या 5-स्पीड एएमटी गियरबॉक्स के साथ आता है, जबकि टर्बोचार्ज्ड पेट्रोल मोटर 5-स्पीड मैनुअल और सीवीटी यूनिट ट्रांसमिशन विकल्पों के साथ उपलब्ध है। केबिन के इंटीरियर में भी कुछ स्पोर्टी बदलाव किए जा सकते हैं, हालांकि इसका डिज़ाइन लेआउट पहले जैसा ही रहेगा। 2024 निसान मैग्नाइट का मुकाबला टाटा नेक्सन, मारुति सुजुकी ब्रेजा, हुंडई वेन्यू और महिंद्रा 3एक्सओ जैसी एसयूवी से होगा। इसके अलावा, यह रेनो काइगर, मारुति फ्रोंक्स और टाटा पंच से भी टक्कर लेगी। डैशबोर्ड में कुछ बदलाव होने की संभावना है, और इसमें सिंगल-पैन सनरूफ और 6 एयरबैग जैसे फीचर्स भी हो सकते हैं।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मंगलवार को रुपया 12 पैसे की गिरावट के साथ ही 83.67 पर बंद हुआ। रुपये ने आज सुबह शुरुआती कारोबार में सीमित दायरे में कारोबार किया और यह तीन पैसे कमजोर होकर 83.57 प्रति डॉलर पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के सक्रिय हस्तक्षेप से रुपया एक निश्चित सीमा के भीतर स्थिर बना हुआ है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपये ने शुरुआती कारोबार में सीमित दायरे में कारोबार किया। वह 83.54 प्रति डॉलर पर खुला और शुरुआती सौदों के बाद 83.57 प्रति डॉलर पर लुढ़क गया जो पिछले बंद भाव से तीन पैसे की गिरावट दिखाता है। रुपया सोमवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 83.54 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.07 फीसदी बढ़त के साथ 100.92 पर रहा।

सैमसंग ने भारत में अगले फ्लैगशिप गैलेक्सी टैबलेट के लिए प्री-रिजर्व की शुरुआत की

गुरुग्राम । सैमसंग, जो भारत का सबसे बड़ा इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड है, ने आज अपने नए फ्लैगशिप गैलेक्सी टैबलेट के लिए प्री-रिजर्व शुरू करने की घोषणा की है। ग्राहक आज से ही Samsung.com, सैमसंग इंडिया स्मार्ट कैफे, Amazon.in, Flipkart.com और देशभर में सैमसंग के अधिकृत रिटेल स्टोर्स पर इस टैबलेट को प्री-रिजर्व कर सकते हैं, ताकि उन्हें इसे जल्दी पाने का फायदा मिल सके। ग्राहक सिर्फ 1000 रुपये की टोकन राशि देकर नए गैलेक्सी टैबलेट को प्री-रिजर्व कर सकते हैं। जो लोग इस प्री-रिजर्व का विकल्प चुनेंगे, उन्हें 3499 रुपये तक के फायदे मिलेंगे।

सैमसंग के फ्लैगशिप टैबलेट्स में बेहतरीन इनोवेशन शामिल हैं, जैसे इंटेलिजेंट परफॉर्मेंस ऑप्टिमाइजेशन, उन्नत क्रिएटिव टूल्स, और ऐसे फीचर्स जो आपकी प्रोडक्टिविटी और क्रिएटिविटी को नई ऊंचाइयों पर ले जाते हैं। यह नया गैलेक्सी टैबलेट सैमसंग की इनोवेशन की विरासत को और आगे बढ़ाते हुए मल्टी-टास्किंग के लिए एक परफेक्ट साथी बनेगा, जिससे आपकी प्रोडक्टिविटी और भी बेहतर होगी।

बाजार रिकाई ऊंचाई पर पहुंचने के बाद फिसला , सपाट बंद

मुम्बई ।

घरेल शेयर बाजार मंगलवार को सपाट कारोबार हुआ। सप्ताह के दूसरे कारोबारी दिन रिकार्ड ऊंचाई पर पहुंचने के बाद बाजार में ये गिरावट मुनाफावसूली हावी होने से आयी। आज इंट्रा डे कारोबार के दौरान बाजार में जो तेजी थी वो शाम होते हुए निकल गयी। आज कारोबार के दौरान एक समय पर सेंसेक्स 85,163.23 के शीर्ष स्तर जबकि निफ्टी 26 हजार के उपर चला गया पर इसके बाद निवेशकों ने जमकर मुनाफावसूली शुरु कर दी जिससे बाजार नीचे आ गया। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 14.57 अंक करीब 0.02 फीसदी नीचे आकर 84,914.04 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 501.35 अंक तकरीबन 0.01 फीसदी की बढ़त के साथ ही 25,940.40 के स्तर पर बंद हुआ। शेयर बाजार आज भले ही काफी ऊपर आया पर ये तेजी अधिक समय टिक नहीं पायी। इसका एक कारण बैंकिंग सेक्टर के शेयरों में गिरावट भी रही। निफ्टी बैंक आज 0.25 फीसदी गिर गया। इसमें भी निफ्टी पीएसयू क्क्ड्डठ्ठद्म के शेयर ओवरऑल 0.86फीसदी और निफ्टी प्राइवेट बैंक के शेयर 0.28 फीसदी नीचे आये। व्यापक बाजार में, स्मॉलकैप इंडेक्स 0.04 फीसदी गिरकर 57,475 पर बंद हुआ, जबकि बीएसई मिडकैप इंडेक्स 0.21 फीसदी बढ़कर 49,621 पर बंद हुआ। वहीं सेक्टोरल इंडेक्स की बात की जाए तो मेटल स्टॉक्स का प्रदर्शन आज सबसे अच्छा रहा। निफ्टी मेटल 2.97फीसदी की बढ़त बनाकर बंद हुआ। इसके अलावा, निफ्टी आईटी (0.61फीसदी), निफ्टी ऑटो (0.43फीसदी), निफ्टी ऑयल एंड गैस (0.38फीसदी), निफ्टी फार्मा (0.23फीसदी) और निफ्टी मीडिया (0.01फीसदी) की बढ़त बनाते हुए बंद हुए। निफ्टी पर बैंकिंग शेयरों के अलावा, एफएमसीजी (0.77फीसदी), रियल्टी (0.30फीसदी), हेल्थकेयर (0.04फीसदी) और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स (0.20फीसदी) नीचे आये। निफ्टी के कुल 25 शेयर जबकि, सेंसेक्स के 15 शेयर आज लाभ के साथ बंद हुए। सबसे ज्यादा बढ़त दर्ज करने वाला शेयर टाटा स्टील (4.32फीसदी) रहे। इसके अलावा, हिंडाल्को, पावर ग्रिड, टेक महिंद्रा, अदाणी एंटरप्राइजेज, एचसीएल टेक, ओएनजीसी, महिंद्रा एंड महिंद्रा, बजाज ऑटो, विप्रो और सनफार्मा जैसे स्टॉक्स ने बढ़त बनाई। वहीं, सेंसेक्स पर टाटा स्टील (4.29 फीसदी) टॉप गेनर स्टॉक रहा। इसके अलावा, पावर ग्रिड, टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक , महिंद्रा एंड महिंद्रा और जेएसडब्यू टॉप परफॉर्मर रहे।

निफ्टी पर आज सबसे बड़ी गिरावट एसबीआई लाइफ के शेयरों में देखने को मिली। इसके शेयर 2.78 फीसदी नीचे आकर बंद हुए। वहीं, हिंदुस्तान यूनिलिवर, ग्रासिम, अल्ट्राटेक सीमेंट, श्रीराम फाइनेंस, इंडसइंड बैंक, सिप्ला, हीरो मोटोकॉर्प, एचडीएफसी लाइफ, कोटक महिंद्रा बैंक, नेश्ले इंडिया जैसे स्टॉक्स के शेयर एक फीसदी से ज्यादा गिरे।

वहीं एशियाई बाजारों में, सियोल, टोक्यो, शंघाई और हांगकांग पॉजिटिव सेक्टर में बंद हुए। शंघाई और हांगकांग के बाजार काफी ऊंचे स्तर पर पर बंद हुए। वहीं यूरोपीय बाजार भी ऊपर आये। अमेरिकी बाजार बढ़त के साथ बंद हुए। इससे पहले आज सुबह जब बाजार खुला तो शेयर बाजार में पिछले तीन दिनों से जारी तेजी पर ब्रेक लग गया था। आज सेंसेक्स और निफ्टी दोनों ही गिरावट पर खुले। प्री ओपनिंग सेशन में सेंसेक्स 67.88 अंक 0.080 फीसदी की गिरावट के साथ 84,860.73 के लेवल पर खुला। वहीं, निफ्टी 17.60 अंक 0.068 फीसदी नीचे आकर 25,921.45 के स्तर पर खुला।

सेबी ने अनिल अंबानी के बेटे अनमोल पर 1 करोड़ का जुर्माना लगाया

रिलायंस हाउसिंग फाइनेंस के चीफ कृष्णन गोपालकृष्णन पर भी 15 लाख का जुर्माना

मुंबई ।

शेयर बाजार नियामक सेबी ने रिलायंस होम फाइनेंस मामले में सामान्य कॉरपोरेट लोन (जीपीसीएल) को मंजूरी देते समय उचित सतर्कता न बरतने पर उद्योगपति अनिल अंबानी के बेटे अनमोल अंबानी पर 1 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है। इसके अलावा सेबी ने रिलायंस हाउसिंग फाइनेंस के चीफ रिस्क ऑफिसर कृष्णन गोपालकृष्णन पर 15 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया है। सेबी ने अपने आदेश में कहा कि दोनों को 45 दिनों के भीतर यह राशि चुकानी होगी। यह आदेश अगस्त में सेबी द्वारा अनिल अंबानी और 24 अन्य लोगों को रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड के फंड डायवर्जन (धन की हेराफेरी) के मामले में पांच साल के लिए शेयर बाजार से प्रतिबंधित करने के बाद आया है। साथ ही अनिल अंबानी पर 25 करोड़ रुपये का जुर्माना भी लगाया गया था। सेबी ने कहा कि अनमोल अंबानी ने सामान्य कॉरपोरेट लोन को मंजूरी दी थी, जबकि 11 फरवरी 2019 को कंपनी के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स ने ऐसे किसी भी लोन को मंजूरी न देने का स्पष्ट निर्देश दिया था। इसके बावजूद अनमोल अंबानी ने 14 फरवरी 2019 को 20 करोड़ रुपये के लोन को मंजूरी दी थी। सेबी ने कहा कि अनमोल अंबानी, जो कंपनी के गैर-कार्यकारी निदेशक थे, ने अपने अधिकारों से बाहर जाकर कंपनी के हितों के खिलाफ काम किया। उन्होंने शेयरधारकों के हित में काम नहीं किया और न ही सावधानी और सतर्कता के साथ अपने कर्तव्यों का पालन किया। सेबी ने यह भी बताया कि अनमोल अंबानी ने रिलायंस कैपिटल और रिलायंस होम फाइनेंस के बोर्ड में रहते हुए उचित सतर्कता का पालन नहीं किया। जीपीसीएल लोन के मामले में उन्होंने अन्य रिलायंस एडीएजी समूह की कंपनियों को फंड भेजने के मामले में भी उचित

जांच नहीं की। कृष्णन गोपालकृष्णन ने भी कई जीपीसीएल लोन को मंजूरी दी और उन लोन के क्रेडिट अप्रूवल मेमो में दर्ज महत्वपूर्ण बदलावों के बारे में जानते थे। रिलायंस हाउसिंग फाइनेंस के चीफ रिस्क ऑफिसर के रूप में उन्हें अपनी जिम्मेदारियों के तहत सही प्रक्रिया का पालन करना चाहिए था और कंपनी के सभी हितधारकों के हित में काम करना चाहिए था। दोनों अनमोल अंबानी और गोपालकृष्णन ने सेबी के लिस्टिंग ओब्लिगेशन एंड डिस्क्लोजर रिक्वायरमेंट नियमों का उल्लंघन किया है।

चीन की ब्याज दरों में कमी की घोषणा से भारत में चमके मेटल शेयर

मुंबई । चीन के पीपल्स बैंक ऑफ चाइना द्वारा अगले सप्ताह में ब्याज दरों में कटौती की घोषणा का सीधा असर मंगलवार को भारतीय बाजारों के मेटल शेयरों पर नजर आया। भारत में सेंसेक्स और निफ्टी के फ्लैट कारोबार करने के बावजूद मेटल इंडेक्स 2 फीसदी की तेजी के साथ कारोबार कर रहे हैं और मेटल इंडेक्स में शामिल सारे शेयरों में तेजी देखने को मिल रही है। बीएसई पर मेटल शेयरों का कारोबार 32,420 पर शुरु हुआ, जबकि कल 32,178 पर बंद हुआ था। इस समय यह 2 फीसदी बढ़त के साथ 32,788 पर कारोबार कर रहा है। अमेरिका में फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती की घोषणा के कुछ ही हफ्तों बाद, चीन ने भी आर्थिक कदम उठाते हुए रिजर्व रिक्वायरमेंट रेशो में आधा प्रतिशत की कटौती की है। इस कटौती के बाद बैंकों को अब अपने पास नकदी का कम हिस्सा रखना होगा, जिससे बाजार में नकदी का प्रवाह बढ़ेगा। इसके साथ ही अगले एक हफ्ते में ब्याज दरों में भी कटौती की घोषणा की गई है।

कुवैत में एक मॉडल ऑटो वर्ल्ड शो में बीवायडी सील कार को पेश करती हुई।

इंटर्नशिप के आवेदन की छंटाई एआई के जरिए होगी

- अक्टूबर के मध्य से शुरू होगी आवेदन प्रक्रिया

नई दिल्ली ।

कंपनी मामलों के मंत्रालय द्वारा चलाई जा रही इंटर्नशिप योजना के लिए आवेदन प्रक्रिया अक्टूबर के मध्य से शुरू हो सकती है। जानकारी रखने वाले सूत्रों ने बताया कि पहले चरण में आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) के जरिये योजना के पात्र उम्मीदवारों को छांटा जाएगा। इसके बाद तटस्थ समिति आवेदकों का चयन करेगी और फिर कंपनियां उस सूची में से अपने यहां इंटर्नशिप कराने के लिए आवेदक चुन सकती हैं। समिति में सरकार और उद्योग के प्रतिनिधि शामिल होंगे। सूत्रों ने कहा` कि योजना के तहत आवेदनों की संख्या देखकर फैसला किया जाएगा कि इस तरह की एक ही समिति बनाई जाए या कई समितियां गठित की जाएं। कंपनी मामलों का मंत्रालय पिछले तीन साल के दौरान कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) मद में कंपनियों द्वारा किए गए खर्च के आधार पर शीर्ष 500 कंपनियों की सूची को अंतिम रूप देने में जुटा है। कंपनियां अपनी मर्जी से इस योजना में शामिल हो सकती हैं। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 23 जुलाई को पेश आम बजट में इंटर्नशिप योजना की घोषणा की थी। इसका उद्देश्य रोजगार को बढ़ावा देना है। कंपनी मामलों का मंत्रालय

इस योजना के लिए सितंबर के अंत तक पोर्टल शुरू कर सकता है। इस बारे में जानकारी के कंपनी मामलों के मंत्रालय को ईमेल भेजा गया मगर उसका अभी तक जवाब नहीं आया।

सैमसंग में हड़ताल विनिर्माण के लिए खतरा

एक दशक पहले के नोकिया के श्रीपेरंबुदूर संयंत्र के बंद होने जैसी हो सकती है स्थिति

नई दिल्ली ।

सैमसंग के श्रीपेरंबुदूर संयंत्र में यदि श्रमिकों की हड़ताल जल्द समाप्त नहीं होती है तो भारत के लिए वैश्विक विनिर्माण महाशक्ति बनने की अपनी चाहत में महत्वपूर्ण जमीन खोने का खतरा हो सकता है। दिल्ली स्थित ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) ने यह अनुमान जताया। अगर तमिलनाडु सरकार शीघ्र हस्तक्षेप नहीं करती है तो स्थिति एक दशक पहले के नोकिया के श्रीपेरंबुदूर संयंत्र के बंद होने जैसी हो सकती है। इसका परिणाम यह होगा कि नौकरियां समाप्त होंगी और विनिर्माण क्षेत्र में चीन का दबदबा बढ़ेगा। उद्योग मंत्रालय के एक पूर्व अधिकारी की रिपोर्ट के अनुसार भारत को औद्योगिक खुफिया इकाई स्थापित करनी चाहिए ताकि यह पता लग सकें कि इस तरह की बाधाएं किसी विदेशी प्रभाव के कारण तो नहीं खड़ी हो रही हैं। सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स की चेन्नई के करीब स्थित श्रीपेरंबुदूर में विनिर्माण इकाई में उत्पादन सितंबर की शुरुआत से ही प्रभावित है। इसका कारण यह है कि इस इकाई के सैकड़ों श्रमिक वेतन बढ़ाने, कार्य के घंटे कम करने सहित अन्य मुद्दों की मांग को लेकर सितंबर की शुरुआत से ही हड़ताल पर हैं। रिपोर्ट के अनुसार यह हड़ताल सैमसंग तक सीमित नहीं रह गई है। सेंटर ऑफ इंडियन ट्रेड यूनियन्स (सीटू) इस क्षेत्र में अन्य प्रमुख विनिर्माण इकाइयों में अपनी पहचान बढ़ाने का प्रयास कर रहा है। सीटू क्षेत्र की फॉक्सकॉन, फ्लेक्स और सैनमिना इकाइयों में अपनी पकड़ बढ़ाने की कोशिश कर रहा है। यदि इस वामपंथी संगठन पर नजर नहीं रखी गई तो तमिलनाडु का इलेक्ट्रॉनिकी विनिर्माण क्षेत्र बुरी तरह प्रभावित हो सकता है। इससे संभवत- व्यापक तौर पर भारत का विनिर्माण उद्योग प्रभावित होगा। इसके अलावा विदेशी निवेशक सैमसंग की स्थिति पर करीबी नजर रख रहे हैं। विदेशी निवेशक श्रमिक समस्या लंबे समय तक जारी रहने की स्थिति में भारत में अपनी योजनाओं पर पुनर्विचार कर सकते हैं। भारत अभी दक्षिण कोरिया और दक्षिण पूर्व एशियाई राष्ट्रों के संगठन (आसियान) से कारोबारी समझौतों की समीक्षा कर रहा है। हड़ताल के कारण जारी स्थिति बिगड़ने की स्थिति में इन बातचीत पर भी असर पड़ सकता है।

यूपी और बिहार में सस्ता हुआ पेट्रोल-डीजल

नई दिल्ली । कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट का असर अब पेट्रोल-डीजल की खुदरा कीमतों पर भी दिखने लगा है। सरकारी तेल कंपनियों की ओर से मंगलवार सुबह जारी खुदरा भाव में काफी बदलाव दिख रहा है। मंगलवार को ज्यादातर शहरों में तेल के दाम गिरे हैं और कुछ जगह तो पेट्रोल 1 रुपये तक सस्ता हो गया है। वैश्विक बाजार में अभी ब्रेंट क्रूड का भाव 74 डॉलर प्रति बैरल चल रहा है। हालांकि दिल्ली-मुंबई जैसे देश के चारों महानगरों में तेल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं दिख रहा। सरकारी तेल कंपनियों की ओर से जारी भाव के अनुसार यूपी के गाजीपुर जिले में पेट्रोल 1.01 रुपये सस्ता होकर 94.84 रुपये लीटर, डीजल भी 1.04 रुपये गिरा और 87.99 रुपये लीटर हो गया है। बिहार की राजधानी पटना में पेट्रोल 88 पैसे सस्ता होकर 105.18 रुपये लीटर हो गया तो डीजल 83 पैसे गिरकर 92.04 रुपये लीटर बिक रहा है। हरियाणा की राजधानी गुरुग्राम में आज पेट्रोल 10 पैसे सस्ता हुआ और 94.84 रुपये लीटर बिक रहा, जबकि डीजल 11 पैसे टूटकर 87.69 रुपये लीटर है। बीते 24 घंटे में इसकी कीमतों में भी मामूली गिरावट दिखी है। वहीं ब्रेंट क्रूड का भाव टूटकर 74 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया है। डब्ल्यूटीआई का भाव भी गिरावट के साथ 70.49 डॉलर प्रति बैरल हो गया है। दिल्ली में पेट्रोल 96.65 रुपये और डीजल 89.82 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर है। गाजीपुर में पेट्रोल 94.84 रुपये और डीजल 87.99 रुपये प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 105.18 रुपये और डीजल 92.04 रुपये प्रति लीटर हो गया है। गुरुग्राम में पेट्रोल 94.84 रुपये और डीजल 87.69 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

भारत/बांग्लादेश: दूसरे टेस्ट के लिए कानपुर पहुंची भारतीय टीम

कानपुर (एजेंसी)। बांग्लादेश के खिलाफ 27 सितंबर से शुरू होने वाले श्रृंखला के दूसरे और आखिरी टेस्ट मैच के लिए भारतीय टीम के सदस्य मंगलवार को कानपुर पहुंचे। भारतीय टीम के सदस्य टुकड़ियों में यहां पहुंचे। सबसे पहले चकेरी हवाई अड्डे से भारतीय कोच गौतम गंभीर और विराट कोहली बाहर निकले जबकि कुछ देर बाद शुभमन गिल,रोहित शर्मा को औद्योगिक नगरी में आगमन हुआ। बाद में विकेटकीपर बल्लेबाज रिषभ पंत भी कानपुर पहुंच गए।

बांग्लादेश की टीम के देर शाम तक यहां पहुंचने की संभावना है। दोनो टीमे बुधवार से ऐतिहासिक ग्रीन पार्क स्टेडियम पर बारी बारी से अभ्यास करेंगी। दोनो टीमों को शहर के एकमात्र तीन सितारा होटल लैंडमार्क में ठहरया गया है। टीमों के अभ्यास के शेड्यूल जारी होना बाकी है। हालांकि सूत्रों का दावा है कि सुबह के सत्र में मेहमान बांग्लादेश की टीम ग्रीनपार्क में नेट प्रैक्टिस करेगी जबकि शाम को भारतीय टीम अभ्यास सत्र में हिस्सा लेगी।

अरसे बाद ग्रीनपाक 'पर टेस्ट मैच के आयोजन को लेकर कानपुर के क्रिकेट प्रेमियों में गजब का उत्साह देखा जा रहा है। अपने पसंदीदा क्रिकेट सितारों की एक झलक पाने के लिये क्रिकेट प्रशंसकों की भीड़ होटल के बाहर दोपहर से ही जम गयी। सुरक्षा के लिहाज से हालांकि पुलिस प्रशंसकों को धकियाते दिखायी दी। होटल में क्रिकेट सितारों का स्वागत तिलक लगा कर किया गया।

गौरतलब है कि बांग्लादेश के खिलाफ सीरीज में 1-0 की अपराजेय बढ़त हासिल कर चुकी भारतीय टीम के लिये आईसीसी टेस्ट क्रिकेट चैंपियनशिप में अपनी रैंकिंग को मजबूत करने का कानपुर में भरपूर मौका होगा।

भारत/बांग्लादेश मैच पर मंडराया खतरा, ग्वालियर में मुकाबले से पहले हिंदू महासभा का बड़ा ऐलान

कानपुर (एजेंसी)। बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के विरोध में हिंदू महासभा ने आगले महीने ग्वालियर में होने वाले भारत-बांग्लादेश क्रिकेट मैच का विरोध करने के लिए 6 अक्टूबर को मध्य प्रदेश के ग्वालियर में बंद का आह्वान किया है। 6 अक्टूबर को ग्वालियर में भारत और बांग्लादेश के बीच टी20 मैच होना है।

ग्वालियर में पत्रकारों से बात करते हुए हिंदू महासभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष जयवीर भारद्वाज ने कहा कि हिंदू महासभा 6 अक्टूबर को ग्वालियर में होने वाले भारत-बांग्लादेश मैच का विरोध कर रही है। उन्होंने दावा किया कि बांग्लादेश में हिंदुओं पर 'अत्याचार' अभी भी जारी है और बांग्लादेश के साथ क्रिकेट खेलना सही नहीं है। उन्होंने कहा, 'हिंदू महासभा ने मैच के दिन 'ग्वालियर बंद' का आह्वान किया है और आवश्यक वस्तुओं पर कोई प्रतिबंध नहीं होगा।' भारद्वाज ने यह भी मांग की कि तिरुपति बालाजी मंदिर में लड्डुओं में 'मिलावट' करने वालों को मृत्युदंड दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, 'अयोध्या में राम मंदिर के अभिषेक समारोह के दौरान भी ये लड्डू बांटे गए थे। इस घटना (लड्डू विवाद) ने हिंदुओं की भावनाओं को ठेस पहुंचाई है।' गौर हो कि भारतीय टीम इस समय दो मैचों की टेस्ट सीरीज में पहला मैच जीतकर 1-0 से आगे है। दूसरा टेस्ट 27 अक्टूबर से कानपुर में खेला जाएगा। इसके बाद तीन मैचों की वनडे सीरीज 6, 9 और 12 अक्टूबर को होगी जिसके मैच क्रमशः ग्वालियर, दिल्ली और हैदराबाद में खेले जाएंगे।

द्रविड़ का रवैया काफी सख्त था, गंभीर शांत हैं : अश्विन ने किया खुलासा

चेन्नई (एजेंसी)। भारतीय टीम के सबसे उम्रदाज सदस्य रविचंद्रन अश्विन का मानना है कि गौतम गंभीर राहुल द्रविड़ की तुलना में अधिक शांत हैं, जिनकी कार्यशैली 'अनुशासित' थी। नवंबर 2021 से टीम इंडिया की कमान संभाल रहे द्रविड़ ने टी20 विश्व कप जीत के बाद इस जुलाई में पद छोड़ दिया और तब से उनकी जगह गौतम गंभीर को नियुक्त किया गया है।

अंतर बताते हुए अश्विन ने कहा कि गंभीर का दृष्टिकोण शांत है और ड्रेसिंग रूम में जीवंत माहौल बनाए रखने में मदद करता है, उन्होंने उन्हें 'रिलैक्स्ड रैंचो' कहा। अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, 'मुझे लगता है कि वह (गंभीर) बहुत शांत हैं। मैं उन्हें 'रिलैक्स्ड रैंचो' कहना चाहता हूं। उन पर बिल्कुल भी दबाव नहीं है। सुबह, टीम की बैठक होगी। वह इस बारे में भी बहुत शांत हैं। वह कहते हैं, 'क्या आप आ रहे हैं, कृपया आइए'; यह ऐसा ही है।'

द्रविड़ के मामले में अश्विन ने खुलासा किया कि उनका रवैया काफी सख्त और व्यवस्थित था। उन्होंने कहा, 'राहुल भाई के साथ, जैसे ही हम आते हैं, वह क्रम में खेलने की मांग करते हैं। यहां तक कि एक बोतल को भी एक खास समय पर एक खास जगह पर रखना चाहिए। वह बहुत अनुशासित हैं।'

अश्विन ने कहा, 'गंभीर के साथ, वह वह सब उम्मीद नहीं करते हैं। उनका क्रम बहुत सहज है और वह लोगों के दिलों में बसने वाले व्यक्ति हैं। वह सभी का दिल जीत लेंगे और मुझे लगता है कि लड़के उनसे प्यार करेंगे।' द्रविड़ ने पद से हटने से पहले भारत को टी20 विश्व कप में जीत दिलाई थी, वहीं गंभीर ने कोलकाता नाइट राइडर्स को अपने तीसरे इंडियन प्रीमियर लीग खिताब पर पहुंचाने के बाद कार्यभार संभाला, वह इस सीजन में ही अपनी पूर्व फ्रेंचाइजी के मेंटर के रूप में शामिल हुए थे। गंभीर अपने पहले टेस्ट मैच में भारतीय टीम का मार्गदर्शन कर रहे है, उन्होंने यहां बांग्लादेश के खिलाफ पहला टेस्ट मैच जीता था।

महिला टी20 विश्व कप से पहले हरमनप्रीत टीम की तैयारी से खुश

मुंबई (एजेंसी)। हरमनप्रीत कौर लंबे समय से खिताब के करीब पहुंचकर चूकने के अहसास से परेशान हैं लेकिन भारतीय कप्तान को लगता है कि उनकी टीम ने तीन से 20 अक्टूबर तक ग्रुपई में होने वाले महिला टी20 विश्व कप में खिताब जीतने की दावेदारी पेश करने के लिए अच्छी तैयारी की है। वर्ष 2009 में टूर्नामेंट की शुरुआत के बाद से भारत केवल एक बार 2020 में फाइनल में पहुंचने में सफल रहा है और तब वे ऑस्ट्रेलिया से हार गए थे।

भारत 2017 में महिला एकदिवसीय विश्व कप फाइनल भी खेला और वहां भी उप विजेता रहा। हरमनप्रीत दोनों टीमों का हिस्सा रहीं और उन्होंने 2020 टी20 विश्व कप में टीम का नेतृत्व भी किया था। टी20 विश्व कप के लिए रवाना होने से पहले हरनमप्रीत ने कहा, 'यह सर्वश्रेष्ठ टीम है जिसके साथ हम आगे बढ़ रहे हैं। खिताबी लंबे समय से एक साथ खेल रहे हैं। हम पिछली बार इतने करीब आ गए थे और सेमीफाइनल (2023) में हार गए। हमारी सभी विभागों में तैयारी काफी अच्छी है।'

जुलाई के अंत में एशिया कप के फाइनल में श्रीलंका के खिलाफ हार के बाद से भारतीय टीम को खेलने का मौका नहीं मिला है। टीम ने राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में एक व्यापक तैयारी शिविर में हिस्सा लिया जहां खिलाड़ियों ने फिटनेस और क्षेत्ररक्षण में बहुत समय बिताया। ये ऐसे क्षेत्र हैं जहां टीम अतीत में कमजोर रही है। प्रेस कांफ्रेंस में मुख्य कोच अमोल मजूमदार और मुख्य चयनकर्ता नीतू डेविड भी मौजूद थे।

अब तक सभी टी20 विश्व कप में खेलने वाली हरमनप्रीत ने कहा, 'एशिया कप के दौरान हमने अच्छी क्रिकेट खेली, एक दिन चीजें योजना के अनुसार नहीं हुईं।' हरमनप्रीत ने अपने लगभग डेढ़ दशक के करियर में कई वैश्विक प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया लेकिन उन्हें लगता है कि वह अब भी अपनी पहली विश्व चैंपियनशिप की तरह ही उत्साहित हैं। उन्होंने कहा, 'मुझे पता है कि मैंने कई विश्व कप खेले हैं लेकिन मेरे अंदर उतना ही उत्साह है जितना 19 साल की उम्र में था।'

हरमनप्रीत की टीम को मुख्य चुनौती इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया से मिलेगी जिन्होंने मुश्किल परिस्थितियों में भी आईसीसी प्रतियोगिताओं में भारत को हराने का तरीका ढूंढ लिया है। मुख्य कोच मजूमदार में बेंगलुरू में ट्रेनिंग शिविर पर अधिक प्रकाश डाला। मजूमदार ने कहा, 'हमने कुछ चीजों की पहचान की (श्रीलंका से हार के बाद) और हमने अगले शिविर में इन पर काम किया। हमने पहले फिटनेस और क्षेत्ररक्षण शिविर लगाया। फिर हमने 10 दिन का कौशल शिविर लगाया। हमने एक खेल मनोवैज्ञानिक (मुग्धा बावरे) को भी बुलाया। वह टीम के साथ शानदार रहीं।'

उन्होंने कहा, 'हमने एथलेटिक क्षमता, ऑलराउंड क्षेत्ररक्षण क्षमताओं को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया, योग सत्र और मनोवैज्ञानिक सत्र भी जोड़े गए।' मैच नहीं खेलने के बारे में उन्होंने कहा, 'हम हर चीज के लिए तैयार हैं। कौशल शिविर में हमने 10 दिन मैं नेट पर तैयारी के साथ पांच मैच खेले। जहां तक तैयारी का सवाल है, हमने अच्छी तैयारी की है।' उन्होंने बल्लेबाजी विभाग में भी आत्मविश्वास दिखाया जिसमें ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड जैसी ताकत नहीं है। मजूमदार ने कहा, 'हमारे शीर्ष छह बल्लेबाज सर्वश्रेष्ठ हैं। उनकी शैली अलग है। हमने नंबर तीन की पहचान कर ली है लेकिन हम इसका खुलासा तब करेंगे जब एकादश की घोषणा की जाएगी। टी20 में नंबर तीन का बल्लेबाज मैच की दिशा तय करता है, अस्सल में किसी भी प्रारूप में।' उन्होंने कहा, 'जहां तक परिस्थितियों का सवाल है, वह भारत के समान ही होंगी। सत्र की शुरुआत में अतिरिक्त उछाल हो सकता है विशेष रूप से दुबई में लेकिन मौसम भारत की तरह ही होगा।'

राहुल ईरानी कप में मुम्बई की कप्तानी करेंगे, शारदुल करेंगे वापसी

मुंबई । अनुभवी बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे को शेष भारत के खिलाफ एक अक्टूबर से होने वाले ईरानी कप मैच के लिए मुंबई का कप्तान बनाया गया है। वहीं सर्जरी से उबरे ऑलराउंडर शारदुल ठाकुर भी इस मुकाबले से प्रथम श्रेणी क्रिकेट में वापसी करेंगे। इस मैच में मुंबई की टीम की ओर से श्रेयस अय्यर, मुशीर खान, शम्स मुलानी और तनुश कोटियान जैसे खिलाड़ी खेलेंगे। इसमें सरफराज खान के शामिल होने को लेकर भी संशय छाया हुआ है क्योंकि वह भारतीय टीम के 15 खिलाड़ियों में शामिल हैं। ऐसे में अगर कोई बल्लेबाज चोटिल होता है तो उन्हें अवसर मिल सकता है। ईरानी कप में सबसे सफल टीम शेष भारत है। उसने 30 बार यह खिताब जीत चुकी है। अगर आंकड़े देखें तो शेष भारत ने 61 बार इस टूर्नामेंट में हिस्सा लिया है जिसमें 30 बार जीत तो 29 बार यह उपविजेता रही है। वहीं मुंबई 29 बार टूर्नामेंट में हिस्सा ले चुकी है। वह 14 बार चैंपियन तो 14 बार उपविजेता रही है। कर्नाटक ने 8 बार में 6 बार यह चैंपियनशिप जीती है। दिल्ली ने 7 भागीदारियों में 2 बार, रेलवे ने 2 भागीदारियों में 2 बार इसे जीता है। वहीं पंजाब, बड़ौदा, उत्तर प्रदेश, गुजरात और मध्य प्रदेश टीमें ऐसे हैं जोकि एक बार भी यह टूर्नामेंट जीत नहीं पाई हैं।

शुभमन से अच्छी दोस्ती से बड़ी साझेदारी बनाने में सहायता मिली : ऋषभ

चेन्नई । भारतीय क्रिकेट टीम के आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबा बल्लेबाज ऋषभ पंत ने कहा है कि उनकी शुभमन गिल के साथ अच्छी दोस्ती है। इससे बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट क्रिकेट मैच की दूसरी पारी में शुभमन के साथ अच्छी साझेदारी बनाने में सहायता मिली। ये दोनो ही बल्लेबाज पहली पारी में अधिक रन नहीं बना पाये थे पर दूसरी पारी में उन्होंने 167 रन की साझेदारी बनाकर मैच बदल दिया। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने इसी को लेकर सोशल मीडिया पर एक वीडियो भी साझा किया है। इसमें ऋषभ ने कहा कि जब मैदान के बाहर आपके बीच बहुत अच्छे संबंध होते हैं तो फिर उस खिलाड़ी के साथ बल्लेबाजी करते हुए तालमेल बनाने में सहायता मिलती है। हम एक दूसरे के खेल का आनंद ले रहे थे, आपस में खूब बातें कर रहे थे और मैच पर भी बात कर रहे थे और बेहद सहज थे। इसके अलावा हम दोनों यह जानते थे कि हमें क्या करना है। दिसंबर 2022 में सड़क हादसे के बाद अपना पहला टेस्ट मैच खेलने वाले ऋषभ ने कहा कि आप जहां भी खेल रहे हों, आपके खेल में सुधार होना चाहिए, ये मेरा मानना है, इसलिए मैं टीम की सहायता करने की कोशिश कर रहा था और यह शानदार रहा। मैंने इसका पूरा आनंद उठाया। ऋषभ ने 128 गेंद पर 109 रन बनाए। अपनी इस पारी के दौरान उन्होंने अपने रक्षात्मक और आक्रामक खेल का शानदार नमूना पेश किया।

दो हॉकी मैचों की श्रृंखला के लिए जर्मनी की मेजबानी करेगा भारत, शेड्यूल आया सामने

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय पुरुष हॉकी टीम 23 और 24 अक्टूबर को मेजर ध्यानचंद राष्ट्रीय स्टेडियम में जर्मनी के साथ दो मैचों की द्विपक्षीय श्रृंखला खेलेगी। हॉकी इंडिया ने मंगलवार को यह घोषणा की। भारत ने पिछली बार जर्मनी का सामना पेरिस ओलंपिक के सेमीफाइनल में किया था जहां यूरोप की दिग्गज टीम ने 3-2 से जीत दर्ज की थी। भारत ने ओलंपिक में तीसरे स्थान के प्ले ऑफ में स्पेन को हराकर कांस्य पदक जीता था।

हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने कहा, 'जर्मनी के खिलाफ यह द्विपक्षीय श्रृंखला विश्व स्तरीय हॉकी का एक उल्लेखनीय प्रदर्शन होगी। भारत और जर्मनी दोनों का खेल में एक समृद्ध इतिहास है और यह श्रृंखला प्रशंसकों को दुनिया की दो सबसे मजबूत टीमों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने का अवसर देगी।' पूर्व भारतीय कप्तान ने कहा, 'हम इस श्रृंखला की मेजबानी से सम्मानित महसूस कर रहे हैं। इससे ना केवल हॉकी की भावना को बढ़ावा मिलेगा बल्कि दोनों देशों के बीच रिश्ते भी मजबूत होंगे।'

हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने कहा, 'भारत-जर्मनी हॉकी प्रतिद्वंद्विता हमेशा एक रोमांचक प्रतियोगिता रही है। हमारे खिलाड़ी ऐसी अच्छी टीम के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करने के लिए उत्सुक हैं और मेरा मानना है कि यह श्रृंखला दोनों टीमों को भविष्य के अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों से पहले अपने कौशल और रणनीतियों को बेहतर बनाने का मौका देगी।'

जर्मन हॉकी महासंघ के अध्यक्ष हेनिंग फास्ट्रिच ने कहा कि राष्ट्रीय टीम इस चुनौती के लिए तैयार है। उन्होंने कहा, 'हॉकी के लिए भारत हमेशा विशेष स्थान रहा है और हमारी टीम उत्साही भारतीय प्रशंसकों के सामने खेलने के लिए रोमांचित है। यह श्रृंखला जर्मनी और भारत के बीच खेल संबंध मजबूत करने का शानदार मौका है जबकि दोनों टीमों को आगामी वैश्विक प्रतियोगिताओं की तैयारी के लिए प्रतिस्पर्धी मंच भी देगा।' फास्टरिच ने कहा, 'हम चुनौती और ऐतिहासिक मैजर धयान चंद राष्ट्रीय स्टेडियम में खेलने के अनुभव के लिए उत्सुक हैं।'

शाकिब का दूसरे टेस्ट में खेलना संदिग्ध

चेन्नई। बांग्लादेश के ऑलराउंडर शाकिब अल हसन का भारत के खिलाफ 27 सितंबर से कानपुर में होने वाले दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में खेलना संदिग्ध है। इसका कारण ये है कि शाकिब की अंगुली में लगी चोट अभी तक ठीक नहीं हुई है। शाकिब के फिट नहीं होने से बांग्लादेश के खेम में चिन्ता की लहर है। इसका कारण है कि शाकिब एक अच्छे बल्लेबाज और गेंदबाज हैं। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के चयनकर्ता हनन सरकार ने कहा कि वह डॉक्टर की निगरानी में हैं और कानपुर में उनके खेलने को लेकर फैसला बाद में उनकी फिटनेस की समीक्षा के बाद होगा। चेन्नई में खेले गए पहले टेस्ट मैच के दौरान बल्लेबाजी करते समय शाकिब को जसप्रीत बुमराह की गेंद लग लगी थी। हनन ने कहा अभी हमारे पास दो दिनों का समय है। इसमें देखते हैं क्या होता है। उनके चयन को लेकर हम विचार करने और फिटनेस देखने के बाद भी फैसला करेंगे हम जानते हैं कि उनके हाथ की चोट को लेकर चर्चा हो रही है. मैच से पहले ऐसा नहीं था। फिजियो ने उन्हें पहले टेस्ट मैच में उतरने के लिए सौ फीसदी फिट घोषित किया था।' पहले टेस्ट मैच में शाकिब को गेंदबाजी देर से देने पर भी सवाल उठे थे। तब ये भी कहा जा रहा था कि शाकिब की स्पिनिंग उंगली और कंधे में दर्द था।

बुमराह को खेलना कभी भी आसान नहीं होता : स्मिथ

सिडनी । ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ने भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की जमकर प्रशंसा की है। स्मिथ ने कहा कि गेंद नई हो या पुरानी बुमराह को खेलना आसान नहीं होता क्योंकि उनका गेंदबाजी कौशल काफी अच्छा है। साथ ही कहा कि अभी के समय में बुमराह सभी प्रारुपों में नंबर एक तेज गेंदबाज हैं। ऐसे वह नवंबर-दिसंबर में होने वाली बॉर्डर-गावस्कर सीरीज में अहम भूमिका निभा सकते हैं। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पांच टेस्ट मैचों की सीरीज 22 नवंबर को पर्थ में शुरू होगी। भारत ने पिछली दो सीरीज ऑस्ट्रेलिया में जीती हैं। इस बार भी अगर उसे जीत दर्ज करनी है तो बुमराह को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। स्मिथ ने कहा, वह एक बेहतरीन गेंदबाज हैं, चाहे मैं नई गेंद से, थोड़ी पुरानी गेंद से या पुरानी गेंद से उनका सामना करूं। उनको खेलना आसान नहीं होता क्योंकि उनके पास सभी तरह के कौशल हैं। वह एक बेहतरीन गेंदबाज हैं जो तीनों ही प्रारूपों में सर्वश्रेष्ठप्रदर्शन करता है। डेविड वार्नर के संन्यास क बाद से ही स्मिथ ने पिछली कुछ सीरीज में ऑस्ट्रेलिया में पारी की शुरुआत की है और ऐसे में वह भारत के खिलाफ सीरीज में भी सलामी बल्लेबाज के तौर पर उतरेंगे। इस कारण पारी की शुरुआत में ही बुमराह से उनका सामना होगा। 109 टेस्ट खेल चुके स्मिथ का लक्ष्य अधिक से अधिक रन बनाकर इस सीरीज में 10,000 रनों का आंकड़ा पार करना रहेगा। उन्होंने अब तक 9685 रन बनाए हैं। दूसरी ओर बुमराह ने जनवरी 2018 में टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण करने के बाद से शानदार प्रदर्शन करते हुए 37 मैचों में 20.51 की औसत से अब तक 164 विकेट लिए हैं।

क्रिकेट के अलावा विज्ञापन से भी करोड़ों की कमाई करते हैं पंड्या

मुम्बई (एजेंसी)। क्रिकेट के मैदान पर अपने जुनून के कारण छाये रहने वाले ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या कमाई के मामले में भी पीछे नहीं हैं। वह करोड़ों की संपत्ति के मालिक हैं जबकि क्रिकेटर बनने से पहले वह बेहद कठिन हालातों से गुजरे हैं। वह देश के सबसे धनी क्रिकेटर्स की सूची में शामिल हैं। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार पंड्या की वर्तमान में कुल संपत्ति लगभग 11.4 मिलियन डॉलर तकरीब 95 करोड़ से ज्यादा है। उनकी महीने की आय ही 1.5 करोड़ रुपये है। पंड्या की मोटी कमाई क्रिकेट से मिलने वाली मैच फीस, अनुबंध राशि के अलावा विज्ञापनों और सोशल मीडिया से होती है। वह कई कंपनियों के ब्रांड प्रमोशन से भी जुड़े हैं। वह बोट, सिन डेनिम, गल्फ ऑयल इंडिया, ड्रीम 11, एमेजॉन एलेक्सा, रिलायंस रिटेल और एसजी क्रिकेट जैसे कई ब्रांड से जुड़े हुए हैं। इन कंपनियों से वह विज्ञापन के जरिए करोड़ों कमाते हैं। पंड्या ने साल 2016 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कदम रखा था। जिस तरह से पंड्या ने टीम में आते ही अपनी जगह बना ली, उसी तरह उनकी नेट वर्थ भी तेजी से बढ़ी। उनका यहां तक का सफर हालांकि आसान नहीं रहा है। पंड्या को एकदिवसीय और टी20 मैच खेलने के लाखों मिलते हैं जबकि आईपीएल में गुजरात टाइटंस के जब वो कप्तान थे तब उनका वेतन 15 करोड़ था। अभी वह इससे अधिक रकम में मुंबई इंडियंस टीम के कप्तान हैं। पंड्या ने साल 2016 में वडोदरा में करीब 6000 वर्ग फीट का घर लगभग 3.6 करोड़ में खरीदा था। इसके अलावा पंड्या के पास लग्जरी गाड़ियों में रॉल्स रॉयस, लेंबोर्गिनी हुराकन ईवीओ, पोर्श केयेन, ऑडी ए6, रेंज रोवर वोग, जीप कंपास, मर्सिडीज जी वैगन और टोयोटा इटियोस है।

आदिल राशिद ने बताया रिटायरमेंट का प्लान, 200 वनडे विकेट लेने वाले हैं इंग्लैंड के पहले स्पिनर

डरहम (यूके) (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे वनडे के दौरान 200 वनडे विकेट लेने वाले देश के पहले स्पिनर बने इंग्लैंड के स्पिनर आदिल राशिद ने कहा कि फिलहाल रिटायरमेंट के बारे में उनके दिमाग में कुछ नहीं है और वह 2027 वनडे विश्व कप तक खेलते हुए युवाओं को अपनी समझ और अनुभव देना चाहते हैं। आदिल मंगलवार को चेस्टर-ले-स्ट्रीट में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाले तीसरे वनडे से पहले यह बात कही।

ऑस्ट्रेलिया पांच मैचों की सीरीज में 2-0 से आगे है और उसने आखिरी वनडे 271 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड को 202 रनों पर समेट कर 68 रनों से जीता था। इंग्लैंड ने अपने पिछले 14 वनडे में से 10 गंवाए हैं और एक और हार मेजबान टीम को सीरीज में हार का सामना करना पड़ेगा। इस सीरीज में खेली जा रही टीम में बदलाव हो रहे हैं, कप्तान जोस बटलर चोट के कारण बाहर हैं और युवा हैरी ब्रूक के हाथों में कमान है।

नए दौर की शुरुआत, शुरुआत में अंतरिम कोच मार्कस ट्रेस्कोथिक के नेतृत्व में हुई, उसके बाद ब्रेंडन मैकुलम ने टेस्ट प्रतिबद्धताओं के साथ-साथ व्हाइट-बॉल कोच की भूमिका संभाली, लेकिन इसकी शुरुआत अच्छी नहीं रही। रणनीति और खिलाड़ियों के बदलने के साथ, राशिद अभी भी इंग्लैंड के व्हाइट-बॉल क्रिकेट का अहम हिस्सा बने हुए हैं। 36 वर्षीय राशिद ने इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के साथ एक केंद्रीय अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं, जो उन्हें 2025 के अंत तक टीम में बनाए रखेगा और उनका लक्ष्य अगले साल की चैंपियंस ट्रॉफी, 2026 टी20 विश्व कप और 2027 50 ओवर का विश्व कप खेलना है।

राशिद ने कहा, 'मैंने अभी तक इसके बारे में नहीं सोचा है। खेलते रहना, इसका लुत्फ उठाना, फिट रहना, अच्छी गेंदबाजी करना, जीत में योगदान देना, उम्मीद है कि विश्व कप और चैंपियंस ट्रॉफी जीतना--यही मेरा अंतिम लक्ष्य है। मैं हर मैच और हर सीरीज खेल रहा हूं और अगर मैं अभी भी इसका लुत्फ उठा रहा हूं और अच्छा प्रदर्शन कर रहा हूं, तो मैं खेलना जारी रखूंगा। इतने लंबे समय तक खेलना और विकेट लेना, मैंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था, इसलिए उम्मीद है कि मैं इसे जारी रखूंगा। यह उतार-चढ़ाव के साथ एक मजेदार सफर रहा है और उम्मीद है कि मैं अपने करियर के बाकी बचे हिस्से में भी इसी तरह आगे बढ़ूंगा।'

उन्होंने अपनी बात समाप्त करते हुए कहा, 'मैंने अभी तक संन्यास लेने या ऐसा कुछ करने के बारे में नहीं सोचा है, यह मेरे दिमाग में भी नहीं आया है। यह खेल का लुत्फ उठाने और अपना सबकुछ देने के बारे में है।' राशिद का यह बयान बहुत महत्वपूर्ण है। हालांकि जो रूट और बेन स्टोक्स के सीटी 2025 से पहले व्हाइट-बॉल सेट-अप में लौटने की उम्मीद है और वर्तमान में टेस्ट प्रतिबद्धताओं में व्यस्त हैं, लेकिन टीम ने हाल ही में बहुत अनुभव खो दिया है। ऑलराउंडर और पूर्व उप-कप्तान मोईन अली की अनुपस्थिति काफी महसूस की जा रही है, जिन्होंने इस महीने की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया सीरीज की टीम से बाहर होने के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की थी।

सुंदरकांड पाठ से गूंजा श्रीराम कथा स्थल, श्रद्धालु भक्ति भाव में डूबे

सुरत भुमि, सूरत।
शहर के वेसू क्षेत्र में श्री श्याम अखंड ज्योत सेवा समिति द्वारा 24 से 30 सितम्बर तक 7 दिवसीय श्री रामकथा का आयोजन किया गया है। कथा वेसू वीआईपी रोड़ मेहंदीपुर बालाजी मंदिर की गली में स्थित ग्रीन वैली सोसायटी के सामने निर्मित विशाल पंडाल में होगी। समिती के सुशील चिरानियां एवं पवन गोयल ने बताया कि कथा में जूना पीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंदगिरी महाराज व्यासपीठ से प्रतिदिन शाम 4 बजे से 7 बजे तक श्री राम कथा का रसपान कराएंगे।

श्री रामकथा के दौरान 30 सितम्बर तक विद्वान ब्राह्मणों द्वारा श्राद्ध पक्ष में पित्तरों की शांति के लिए प्रतिदिन सुबह 8 बजे से दोपहर 12.15 बजे तक कथा स्थल पर श्री रामचरितमानस के नवाह्नपारायण पाठ किए जाएंगे। आज सोमवार शाम को श्री सालासर मंडल भटार द्वारा संगीतमय सुंदरकांड पाठ हुआ।

जिसे सुन श्रोता भक्ति भाव से विभोर हो गए। सैकड़ों श्रद्धालुओं ने हनुमत भक्ति के रससागर में गोते लगाएं। राजकुमार अग्रवाल (जय बाबा) एवं पीयूष अग्रवाल ने बताया कि शहर में छात्रावास निर्माण के उद्देशय से आयोजित होने वाली राम कथा दौरान कई श्रद्धालु नियमित भाग लेंगे। 28 व 29 सितम्बर को श्री श्याम भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा। जिसमें आमंत्रित कलाकारों के अलावा स्थानीय गायक भी भजनों की प्रस्तुति देंगे। आयोजक श्री श्याम अखंड ज्योत सेवा समिति के सभी पदाधिकारी, सदस्य तथा प्रभु प्रेमी संघ के सैकडो कार्यकर्ता व राम कथा से जुड़े सभी भाविक भक्तों श्री रामक कथा को सफल बनाने के लिए मेहनत कर रहे है।

केंद्र-राज्य सरकार की प्रधानमंत्री सूर्य घर विजली योजना हर घर में रोशनी लाती है

सूरत। देश को ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने और नवीकरणीय ऊर्जा का उपयोग करके सतत भविष्य के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए केंद्र और राज्य सरकारों के संयुक्त प्रयास के तहत, केंद्र और राज्य सरकारों ने नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में पी.एम. गुजरात मैं। सूर्यघर नि:शुल्क बिजली योजना प्रभावी है। जिसके अंतर्गत सौर ऊर्जा का उपयोग आवासीय एवं औद्योगिक इकाइयों में सौर पैनलों के माध्यम से घरेलू विद्युत संसाधनों के लिए किया जा सकता है साथ ही अतिरिक्त बिजली को बेचा भी जा सकता है।

सूरत के निवासियों ने "सूर्य गुजरात" आवासीय छत सौर योजना का स्वागत किया है जो राज्य भर में पहली बार वर्ष 2019 में शुरू की गई थी। इनमें अठवागेट के दिवाली बाग में रहने वाले संकेतभाई श्रॉफ भी शामिल हैं। अपने माता-पिता सहित चार लोगों के परिवार वाले संकेतभाई को जैसे ही सूरत सहित 4 अन्य राज्यों में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में शुरू की गई रूफटॉप सोलर योजना के बारे में जानकारी मिली, उन्होंने रुचि दिखाई और योजना के बारे में आवश्यक जानकारी प्राप्त की। और अपने घर पर मासिक खपत के आधार पर 3द्म1 का सोलर पैनल लगवाया। जिसमें 80 हजार की लागत पर 40 प्रतिशत अनुदान प्राप्त होने पर इस योजना का लाभ प्राप्त हुआ।

2019 से रूफटॉप सोलर योजना का लाभ ले रहे संकेतभाई कहते हैं कि शुरुआत से ही मुझे इस योजना से दोगुना फायदा हुआ है. जो बिजली का बिल 1500 रूपये प्रति माह आता था वह पिछले 6 वर्षों से शून्य हो गया है। वहीं, हर महीने अतिरिक्त यूनिट जमा होने से गर्मी के दौरान एसी की बढ़ी खपत से बिल की भरपाई हो जाती है। साथ ही, नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों के उपयोग से पर्यावरणीय क्षति को कम किया जा सकता है, जिससे कुल मिलाकर सभी के जीवन स्तर में सुधार होता है।

उन्होंने राज्य सरकार द्वारा दिये जा रहे सोलर सिस्टम प्रोत्साहन की सराहना करते हुए सभी से इस योजना का लाभ उठाने का अनुरोध किया। उल्लेखनीय है कि आवासीय क्षेत्र में सोलर रूफटॉप को बढ़ावा देने के उद्देश्य से राज्य सरकार द्वारा 05-08-2019 को 'सूर्य-गुजरात योजना' के तहत सब्सिडी दी गई थी।

गुजरात के विधायकों ने किया लक्ष्मीपति मिल का दौरा

सुरत भुमि, सूरत।
मंगलवार को चौरासी के विधायक संदीप देसाई के साथ गुजरात सरकार के अनेकों विधायकों ने पांडेसरा स्थित लक्ष्मीपति मिल का दौरा किया। लक्ष्मीपति ग्रुप के डायरेक्टर संजय सरावगी ने बताया कि गुजरात सरकार में विधायक शिवाभाई गोहिल, सरदार भाई चौधरी, कनुभाई पटेल, पायल कुकरानी, प्रकाश भाई वरमोरा, गुलाबसिंह चौहान, दर्शना वाघेला के साथ गांधीनगर के जीआईडीसी के अनेकों अधिकारी एवं सूरत जीआईडीसी के रीजनल मैनेजर परमार साहब ने मिल का दौरा किया। इस दौरान सभी ने कपड़ा बनने की प्रोसेस को समझा एवं मिल में श्रमिकों को दी जाने वाली सुविधाओं आदि के बारे में जाना। सभी ने मिल द्वारा दी गई सुविधाओं की खुलकर प्रशंसा की। इस मौक़े पर लक्ष्मीपति परिवार द्वारा सभी का सम्मान किया गया।

कॉर्टेवा एग्रीसाइंस ने शुरू किया एक नया साहसिक कार्यक्रम, 2030 तक 2 मिलियन वूमेन को दिलाएगा भारत की एग्री-वैल्यू चेन में अहम भूमिका

नई दिल्ली। दुनिया भर में कृषि के क्षेत्र में अग्रणी कॉर्टेवा एग्रीसाइंस एक व्यापक कार्यक्रम शुरू कर रहा है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य 2030 तक भारत की एग्री-वैल्यू चेन में 2 मिलियन वूमेन (महिलाओं) की मदद करना है। इस कार्यक्रम के तहत कॉर्टेवा का लक्ष्य महिलाओं की सहायता कर और उपकरण एवं संसाधन प्रदान करते हुए उन्हें एक किसान, शोधकर्ता और उद्यमी बनने में मदद करना है। यह पहल संसाधनों और निर्णय लेने वाली भूमिकाओं में महिलाओं को पुरुषों से बराबरी करने में मदद करती है, इसके साथ ही यह पहल उत्पादकता बढ़ानी वाली तकनीकों को विकसित करती है और खाद्य सुरक्षा की स्थिति को बेहतर बनाती है। यह कार्यक्रम पारंपरिक कॉर्पोरेट जिम्मेदारी से परे है। यह कार्यक्रम स्त्री पुरुष के बीच समानता, सतत विकास और आर्थिक विकास को एक साथ लाने की मुहिम को मजबूती प्रदान करता है।

इस पहल की शुरुआत के अवसर पर, कॉर्टेवा एग्रीसाइंस के साउथ एशिया प्रेसिडेंट सुब्रतो गीड ने कहा, "महिलाएं ग्रामीण जीवन और कृषि की रीढ़ हैं। कॉर्टेवा खेती के बेहतर तरीकों, शिक्षा और टिकाऊ खेती के तरीके उपलब्ध कराते हुए महिलाओं की आय और उनकी जिंदगी को बेहतर बनाने का प्रयास कर रहा है। हमें उम्मीद है कि हमारा यह प्रयास भारत को एक विकसित राष्ट्र बनने में मदद करेगा। इस सामाजिक जिम्मेदारी को अपनाते हुए हम बेहद गर्व के साथ विकसित भारत की ओर एक कदम बढ़ा रहे हैं।

अनुजा कादियान - गवर्नमेंट एंड इंडस्ट्री अफेयर्स डायरेक्टर (एशिया पैसिफिक), कॉर्टेवा एग्रीसाइंस ने बताया, च्च2 मिलियन वूमेन (महिलाओं) की सहायता करने की हमारी पहल में स्त्री पुरुष के बीच समानता, आर्थिक विकास और पर्यावरणीय की सुरक्षा को शामिल किया गया है। महिलाओं को उपकरण, कृषि से जुड़ी जानकारी और संसाधन उपलब्ध कराते हुए, कॉर्टेवा महिलाओं को सतत विकास में अग्रणी भूमिका निभाने के लिए नेतृत्व करने के योग्य बना रही है। यह प्रयास भारत की आर्थिक मजबूती, खाद्य सुरक्षा और स्थिरता के लक्ष्यों को हासिल करने में मदद कर रहा है।"

हमारे कार्यक्रमों का उद्देश्य एग्री वैल्यू चेन में महिलाओं को सक्षम बनाना है:

•महिलाओं के नेतृत्व वाले फार्मर प्रोड्यूसर ऑर्गनाइजेशन और महिला किसानों का विकास : सिर्फ महिला सदस्यों द्वारा संचालित फार्मर प्रोड्यूसर ऑर्गनाइजेशन (FPO) और सहकारी समितियों के माध्यम से, कॉर्टेवा का लक्ष्य एग्री-वैल्यू चेन में महिलाओं को जोड़ते हुए एक

एक सभी को शामिल करने वाला ईकोसिस्टम तैयार करना है। डायरेक्ट सीडेड राइस (DSR), कार्बन सीक्वेस्ट्रेशन, सॉइल हेल्थ मैनेजमेंट और वाटर कंजर्वेशन जैसी क्लाइमेट-स्मार्ट प्रथाओं को आगे बढ़ाकर, कॉर्टेवा ग्रामीण महिलाओं के आर्थिक विकास के साथ पर्यावरण की सुरक्षा में भी योगदान दे रहा है।

•STEM में महिलाओं का विकास: कॉर्टेवा महिला स्ञ्झश्वरू छात्रों की क्षमता का विकास करने के साथ उनका मार्गदर्शन करेगी। इस प्रयास की मदद से कॉर्टेवा अधिक टिकाऊ और समावेशी कृषि के लिए भविष्य के लीडर्स और इनोवेटर्स को तैयार करेगी।

• ग्रामीण एवं कृषि समुदायों का विकास: कॉर्टेवा साफ पानी और भंडारण की सुविधाओं जैसे बेहतर बुनियादी ढांचे में निवेश कर रहा है। ये पहल कृषि की उत्पादकता को बढ़ाने में मदद करती है। इसके साथ ही यह सुनिश्चित करती हैं कि महिला किसानों के पास सफलता के लिए जरूरी संसाधन हों।

वर्ल्ड हार्ट डे पर दिल का रखें खास ख्याल: हर दिन मुट्ठीभर बादाम से दिल को बनाएं सेहतमंद और खुशहाल

हर साल 29 सितंबर को वर्ल्ड हार्ट डे मनाया जाता है, जिसका मकसद दिल की सेहत के प्रति जागरूकता फैलाना है। इस दिन डॉक्टर, सरकारी संस्थान और अंतरराष्ट्रीय संगठन मिलकर हृदय रोगों (सीवीडी) और इनके बचाव के बारे में जानकारी देते हैं। हाल के वर्षों में भारत में हृदय रोगों के मामलों में तेजी देखी गई है, जो चिंता का विषय है। एक हालिया अध्ययन में, 45 साल और उससे अधिक उम्र के 29.4% भारतीयों को खुद ही दिल की बीमारियों का पता चला। इससे यह साफ होता है कि दिल की सेहत को लेकर ज्यादा जागरूकता फैलाने की जरूरत है। अपने दिल को स्वस्थ रखने का एक सरल तरीका है कि आप अपने रोजाना के भोजन में हार्ट हेल्दी फूड जैसे मुट्ठीभर बादाम शामिल करें।

दिल की बीमारियों से बचाव में बादाम एक बेहद मददगार साथी हो सकता है। इसमें प्रोटीन, हेल्दी फैट्स, डाइटरी फाइबर, मैग्नीशियम और पोटैशियम जैसे 15 ज़रूरी पोषक तत्व होते हैं, जो दिल को स्वस्थ रखने में मदद करते हैं। रोजाना एक मुट्ठी बादाम खाने से टोटल और एलडीएल (खराब) कोलेस्ट्रॉल कम किया जा सकता है, साथ ही दिल को नुकसान पहुंचाने वाली सूजन भी कम होती है। इसीलिए इसे दिल की सेहत के लिए एक बेहतरीन विकल्प माना जाता है।

अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन की एक स्टडी में यह पाया गया कि रोज़ 42 ग्राम बादाम खाने से दिल से जुड़ी कई बीमारियों का खतरा कम हो सकता है। बादाम को नियमित स्नैक के रूप में शामिल करने से पेट की चर्बी और कमर की चौड़ाई कम होती है, जो हृदय रोगों के प्रमुख कारणों में से एक हैं।

इसलिए, अपने रोजमर्रा के आहार में एक मुट्ठी बादाम शामिल करना दिल की सेहत को बनाए रखने और कोलेस्ट्रॉल के स्तर को नियंत्रित रखने के लिए एक अच्छी आदत है। इसकी खासियत यह है कि बादाम कई तरह से खाए जा सकते हैं और हर रूप में पौष्टिक होते हैं। यह दिन के किसी भी समय के लिए एक स्वादिष्ट और सेहतमंद स्नैक बन सकता है।

वर्ल्ड हार्ट डे के मौके पर बॉलीवुड अभिनेत्री, सोहा अली खान ने कहा, "दिल की सेहत बनाए रखना बेहद जरूरी है, और इसके लिए संतुलित आहार और एक्टिव रहना महत्वपूर्ण हैं। मैं अपने और अपने परिवार के लिए हमेशा इस बात का ध्यान रखती हूं। खाने में मैं जंक फूड से बचने की कोशिश करती हूं और बादाम जैसे सेहतमंद विकल्पों को चुनती हूं। अपनी दिनचर्या में मैं बादाम को शामिल करती हूं जिससे मेरा पेट भरा रहता है और मुझे नुकसानदायक स्नैक्स से दूर रहने में मदद मिलती है। साथ ही, मैं योगा, पिलेट्स और स्ट्रेंथ ट्रेनिंग जैसे वर्कआउट करके एक्टिव रहने की कोशिश करती हूं, ताकि मेरा दिल स्वस्थ रहे।"

दिव्यधन रीसाइक्लिंग इंडस्ट्रीज लिमिटेड का आईपीओ 26 सितंबर, 2024 को खुलेगा

मुंबई। पुनर्नवीनीकरण पॉलिएस्टर स्टेपल फाइबर और पुनर्नवीनीकरण छर्रों के निर्माता, दिव्याधन रिसाइक्लिंग इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने 26 सितंबर, 2024 को अपनी आरंभिक सार्वजनिक पेशकश खोलने का प्रस्ताव रखा है, जिसका लक्ष्य रू24.17 करोड़ (ऊपरी बैंड पर गणना) जुटाने का है। जिसमें शेयरों को एनएसई इमर्ज प्लेटफॉर्म पर सूचीबद्ध किया जाएगा।

इश्यू का आकार रू10 अंकित मूल्य वाले 37,76,000 इक्विटी शेयरों तक है।

इक्विटी शेयरों का आवंटन

क्यूआईबी एंकर भाग - 10,70,000 इक्विटी शेयर तक

योग्य संस्थागत खरीदार - 7,16,000 इक्विटी शेयर तक

गैर-संस्थागत निवेशक - 5,38,000 से कम इक्विटी शेयर नहीं

खुदरा व्यक्तिगत निवेशक - 12,52,000 से कम इक्विटी शेयर नहीं

मार्केट मेकर - 2,00,000 इक्विटी शेयर

इश्यू से प्राप्त शुद्ध आय का उपयोग मुख्य रूप से पूंजीगत व्यय और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा। एंकर हिस्से के लिए बोली 25 सितंबर, 2024 को खुलेगी और इश्यू 30 सितंबर, 2024 को बंद हो जाएगा।

इश्यू का बुक रनिंग लीड मैनेजर नारनोलिया फाइनेंशियल एडवाइजर्स लिमिटेड है और इश्यू का रजिस्ट्रार स्काईलाइन फाइनेंशियल सर्विसेज प्राइवेट है।

दिव्यधन रीसाइक्लिंग इंडस्ट्रीज लिमिटेड के प्रबंध निदेशक, श्री वरुण गुप्ता ने बताया, "यह सार्वजनिक पेशकश हमारी उत्पादन क्षमताओं का विस्तार करने और टिकाऊ विनिर्माण में नए अवसरों को अपनाने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। जुटाई गई धनराशि हमें अत्याधुनिक में निवेश करने में सक्षम बनाएगी ॥ज्ञ कला प्रौद्योगिकी, हमारे बुनियादी ढांचे में सुधार और पुनर्नवीनीकरण पॉलिएस्टर उत्पादों की बढ़ती मांग को पूरा करने से हमें अपने परिचालन का विस्तार करने में मदद मिलेगी।

हम इसे न केवल कंपनी के विकास के रूप में देखते हैं, बल्कि अधिक टिकाऊ भविष्य में योगदान करने के अवसर के रूप में भी देखते हैं। हम विकास के इस नए अध्याय को लेकर उत्साहित हैं और जैसे-जैसे हम आगे बढ़ रहे हैं, हम अपने निवेशकों के समर्थन के लिए उनके आभारी हैं।"

श्री विपिन अग्रवाल, निदेशक, निवेश बैंकिंग, नारनोलिया फाइनेंशियल एडवाइजर्स लिमिटेड ने कहा, "जैसे-जैसे दिव्याधन अपने आईपीओ के करीब पहुंच रहा है, हमें भारतीय पॉलिएस्टर फाइबर बाजार में कंपनी की यात्रा को साझा करने पर गर्व है, जो पुनर्नवीनीकरण पैलेट के साथ-साथ एम्ब्रेसेस के निर्माण पर केंद्रित है। पुनर्चक्रण और नवाचार के रुझान पुनर्नवीनीकरण पैलेट पर केंद्रित एक अभिनव व्यवसाय मॉडल और पॉलिएस्टर स्टेपल फाइबर की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए एक स्पष्ट रणनीति के साथ, कंपनी इस बढ़ते क्षेत्र में उभरते अवसरों का लाभ उठाने के लिए अच्छी स्थिति में है।

श्रीकांत के वर्ल्ड टेलीविज़न प्रीमियर से पहले राजकुमार राव ने साझा किए शूटिंग के अनुभव

राजकुमार राव ने श्रीकांत बोल्ला की प्रेरक कहानी को जीवंत बना दिया। श्रीकांत बोल्ला वह मिसाल हैं, जिन्होंने विभिन्न चुनौतियों को पार करते हुए कई मिलियन डॉलर की कंपनी बोलैंट इंडस्ट्रीज़ की स्थापना की

सोनी मैक्स पर जल्द ही 'श्रीकांत' का प्रीमियर होने जा रहा है। ऐसे में, राजकुमार को असली श्रीकांत के साथ अपनी पहली मुलाकात का समय याद आ गया, क्योंकि श्रीकांत से उन्हें जो अनुभव मिला है, वह इस कहानी से भी अधिक प्रभावी है। राजकुमार बताते हैं, "श्रीकांत से मुलाकात बहुत प्रेरणादायक थी। उनकी बुद्धि, आत्मविश्वास और सफल होने की प्रबल इच्छा के बारे में जितनी बात की जाए, कम ही होगी। आप जब भी उनसे मिलेंगे, कोई न कोई प्रेरणा लेकर ही वापस आएँगे। उन्होंने बहुत कम समय में बहुत कुछ हासिल किया है, और सबसे खास बात यह है कि वे कभी-भी अपना जुनून कम नहीं होने देते हैं।"

श्रीकांत का किरदार निभाना काफी चुनौतीपूर्ण था, यहाँ तक कि राजकुमार जैसे अभिनेता के लिए भी। भूमिका में भीतर तक उतरने के लिए शारीरिक ही नहीं, बल्कि मानसिक रूप से मजबूत होने की भी जरुरत थी। राजकुमार बताते हैं, "मैं सिर्फ किरदार निभाना नहीं चाहता था, बल्कि मैं उसे समझना चाहता था। इसकी बारीकी को समझने के लिए मैंने श्रीकांत के साथ घंटों बिताए और उनके जीवन और चुनौतियों के बारे में जानने की कोशिश की। सेट पर, मेरी पुरजोर कोशिश होती थी कि मैं किरदार में ही रहूँ, फिर भले ही इसके लिए मुझे ने लोगों से मार्गदर्शन की जरुरत ही क्यों न पड़े। कुल मिलाकर, यह भूमिका उनके अनुभवों को भीतर तक महसूस करने के बारे थी।"

राजकुमार के लिए सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक थी श्रीकांत को ब्लाइंड क्रिकेट खेलते हुए चित्रित करना। वे बताते हैं, "मैंने कई बार क्रिकेट खेला है, लेकिन मैंने कभी सोचा भी नहीं था कि ब्लाइंड क्रिकेट कितना अलग होता होगा। इसके लिए मुझे आँखों पर पट्टी बाँधना थी, और सिर्फ आवाज़ पर भरोसा करते हुए गेंद को हिट करना था। अपने पहले प्रयास में, मैंने बेट को इतना अधिक घुमा दिया कि मैं आउट हो गया, जिसकी वजह से मेरी पसली में हेयरलाइन फ्रैक्चर हो गया।"

TATA.ev ईलेक्ट्रोनीक वेहीक्लस पर अद्भुत कीमतों के साथ 'कारों का त्योहार' मना रहा है

मुंबई। भारत में इलेक्ट्रिक मोबिलिटी क्रांति में अग्रणी TATA.ev ने अपने सबसे ज्यादा बिकने वाले मॉडल Tiago.ev,punch.ev और Nexon.ev पर पहले कभी नहीं देखी गई कीमतों की घोषणा की है। च्कारों का त्योहारज्. मुख्यधारा के उपभोक्ताओं के लिए ईवी को अधिक सुलभ बनाने पर ध्यान केंद्रित करते हुए, Ne&on.ev की कीमत रु। 3 लाख और पंच.ईवी के लिए रु. 1.20 लाख की कटौती की गई है.

TATA.ev ग्राहकों को स्थानीयकरण और प्रौद्योगिकी सुधार का लाभ प्रदान कर रहा है, और कर्वव.द्ग1 के साथ ICE मूल्य समानता लाने में सक्षम है, जिसे पिछले महीने लॉन्च किया गया था। इस विशेष पेशकश के साथ, TATA. evis सीमित समय के लिए सबसे अधिक बिकने वाली Ne&on.ev कीमतों को ढ्ढष्टश्व मॉडल के बराबर लाता है। इसके अतिरिक्त,punch. ev और tiago.ev पर त्योहारी ऑफर ने भी उनकी कीमतों को उनके ICE समकक्षों के करीब ला दिया है। इन अविश्वसनीय कीमतों के अलावा, ग्राहकों को बेहद कम परिचालन लागत, साइलेंट और स्मूथ ड्राइव के साथ उपरोक्त दो खंडों की सुविधाओं का आनंद मिलेगा।

ग्राहक देश भर में 5,500 से अधिक टाटा पावर चार्जिंग पॉइंट्स में से किसी पर भी 6 महीने की मुफ्त चार्जिंग का आनंद ले सकते हैं, जिससे अंतर-शहर और इंट्रा-सिटी आवागमन परेशानी मुक्त और लागत-मुक्त हो जाएगा। अब ग्राहकों के लिए अपने पसंदीदा ईवी को सर्वोत्तम मूल्य पर बुक करने और घर ले जाने का आदर्श समय है, क्योंकि यह विशेष, उत्सव ऑफर केवल सीमित अवधि के लिए, यानी 31 अक्टूबर 2024 तक उपलब्ध है।

पहले किसी अन्य उत्सव की तरह घोषणा करते हुए, टाटा पैसेंजर इलेक्ट्रिक मोबिलिटी लिमिटेड के मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी, श्री विवेक श्रीवास्तव ने कहा, "Tata.ev में हमारा एकमात्र उद्देश्य बाधाओं को तोड़ना और मुख्यधारा के ईवी को नियमित कार खरीदारों के लिए अधिक सुलभ बनाना है। इस विशेष, सीमित समय मूल्य निर्धारण के साथ हम पेट्रोल/ डीजल वाहनों की लागत के करीब कीमतों के साथ ईवी के लिए उच्च लागत बाधा को तोड़ते हैं। अब ग्राहकों के लिए हमारे आधुनिक, उच्च-प्रदर्शन, शून्य-उत्सर्जन और शून्य-शोर वाले ईवी का आनंद लेना शुरू करने का सही अवसर है, जो कम चलने की लागत और बेहतर ड्राइविंग आराम भी प्रदान करते हैं। टाटा पावर चार्जर्स पर मुफ्त सार्वजनिक चार्जिंग पेशकश से भी ग्राहकों को काफी फायदा होगा। हम अपने निकटतम टाटा मोटर्स और TATA.Ev शोरूम में ईवी क्रांति में शामिल होने वाले ग्राहकों का स्वागत करने के लिए तत्पर हैं।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादकः संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोनः 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)